राष्ट्रीय दैनिक

प्रातः किरण

हर खबर की खबर

नई दिल्ली, पटना एवं जबलपुर (म. प्र.) से एक साथ प्रकाशित

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

12 ईरान ने समझौते मे रखी शर्तें? : लेबनान सघर्ष से होर्मुज....

केन विलियमसन के सन्यास पर विराट कोहली.... 11

वर्ष : 17 | अंक : 50 | नई दिल्ली, रविवार, 14 जून, 2026 | विक्रम संवत् 2083 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

मौसम

अधिकतम तापमान 40.0°C

न्यूनतम तापमान 28.0°C

राजधानी दिल्ली व आसपास के क्षेत्रों में आज भी बारिश के आसार

हां	70%
नहीं	20%
कह नहीं सकते	10%

बाजार

सोना	1,52,320
चांदी	2,65,000
सेंसेक्स	75,527.95
निफ्टी	23,622.90

मुख्यमंत्री के नेतृत्व में 28 घाटों पर आयोजित होगा मां यमुना तट स्वच्छता अभियान

प्रात : किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में दिल्ली सरकार रविवार 14 जून को यमुना नदी के 28 घाटों पर मां यमुना तट स्वच्छता अभियान का आयोजन करेगी। एक संकल्प - स्वच्छ यमुना के संदेश के साथ आयोजित होने वाला यह महाअभियान यमुना नदी को उसका गौरव लौटाने, नदी तटों को स्वच्छ बनाने, पर्यावरण संरक्षण के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने और जनभागीदारी को एक व्यापक जनआंदोलन का स्वरूप देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल होगा। इस अभियान

में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता स्वयं ठोकर नंबर-14 गीता कॉलोनी घाट पर उपस्थित रहकर स्वच्छता अभियान का नेतृत्व करेंगी और हजारों नागरिकों के साथ श्रमदान कर स्वच्छ, निर्मल और जीवनदायिनी यमुना के संकल्प को मजबूत करेंगी। इस अभियान में दिल्ली के सांसद, सरकार के मंत्री व अन्य गणमान्यजन भी भागीदारी करेंगे। यमुना को जनभागीदारी से स्वच्छ बनाने का संकल्प यह विशेष अभियान यमुना के घाटों पर सुबह 6 बजे से आयोजित किया जाएगा। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि यमुना केवल नदी नहीं, बल्कि दिल्ली की सांस्कृतिक, धार्मिक और पर्यावरणीय धरोहर है। यमुना का संरक्षण और उसकी स्वच्छता केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि प्रत्येक नागरिक का दायित्व भी है। इसी सोच को जन-जन तक पहुंचाने और सामूहिक भागीदारी को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से यह अभियान आयोजित किया जा रहा है। यमुना की स्वच्छता केवल एक दिन का कार्यक्रम नहीं, बल्कि एक सतत जन-अभियान है, जिसमें समाज के हर वर्ग की सहभागिता आवश्यक है। यमुना के 28 घाटों और तटों पर एक साथ चलेगा अभियान मुख्यमंत्री के अनुसार 14 जून को यमुना के विभिन्न घाटों, तटों और रिवरफ्रंट क्षेत्रों में एक साथ स्वच्छता एवं जन-जागरूकता गतिविधियां संचालित की जाएंगी।

फ्रांस, स्लोवाकिया यात्राओं से यूरोप तथा जी-7 समूह के साथ भारत के संबंध और मजबूत होंगे: मोदी

प्रात : किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विश्वास जताया है कि फ्रांस और स्लोवाकिया की उनकी यात्राओं से यूरोप और जी-7 समूह के साथ भारत के संबंध और मजबूत होंगे। श्री मोदी ने फ्रांस और स्लोवाकिया की छह दिन की यात्रा पर रवाना होने से पहले शनिवार को एक वक्तव्य में कहा कि उनकी ये यात्राएं यूरोपीय महाद्वीप और उससे आगे भी भारत की साझेदारियों का दायरा बढ़ाने की अटूट प्रतिबद्धता को भी बताती हैं। श्री मोदी ने कहा, ह्लफ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों और स्लोवाक प्रधानमंत्री रॉबर्ट फिको के निमंत्रण पर मैं 13-18 जून तक फ्रांस और स्लोवाक गणराज्य की यात्रा करूंगा। उन्होंने कहा, ह्लभारत के रणनीतिक दृष्टिकोण में फ्रांस का एक खास स्थान है। इस साल की शुरूआत में राष्ट्रपति मैक्रों ने भारत का दौरा किया था, तब हमने अपने संबंधों को ह्लविशेष वैश्विक रणनीतिक साझेदारीह्व के स्तर तक बढ़ाया था। जब मैं नीस में राष्ट्रपति मैक्रों से मिलूंगा, तो हम फरवरी के बाद हुई प्रगति की समीक्षा करेंगे और अपने सहयोग के अगले कदमों पर चर्चा करेंगे। मैं आपसी हित के अहम वैश्विक मुद्दों पर भी चर्चा करने के लिए उत्सुक हूं।ह्व श्री मोदी ने कहा कि वह फ्रांसीसी शहर नीस में 14 जून को राष्ट्रपति मैक्रों के साथ ह्लभारत इनोवेट्सह्व प्रदर्शनी का उद्घाटन करेंगे। ह्लभारत-फ्रांस नवाचार वर्षह्व के तहत आयोजित होने वाला यह अहम कार्यक्रम भारत के सबसे होनहार स्टार्टअप को वैश्विक निवेश से जोड़ेगा और भारत के उच्च शिक्षा इकोसिस्टम से निकलने वाले नवाचारों के लिए एक बड़े उत्प्रेरक के रूप में काम करेगा। उन्होंने कहा कि इसके बाद वह 14-15 जून को राजकीय यात्रा के लिए स्लोवाकिया जाएंगे। वर्ष 1993 में स्लोवाकिया की आजादी के बाद से किसी भारतीय प्रधानमंत्री की यह पहली यात्रा होगी। यह ऐतिहासिक यात्रा द्विपक्षीय संबंधों में बनी मजबूत गति को और आगे बढ़ाएगी। उन्होंने कहा, ह्लमंक ब्रातिस्लावा में राष्ट्रपति पेलेग्रिनी और प्रधानमंत्री फिको के साथ चर्चा करने के लिए उत्सुक हूं। मुझे स्लोवाकिया के प्रमुख व्यापारियों के साथ बातचीत करने का मौका भी मिलेगा।ह्व श्री मोदी ने कहा कि भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते से संबंधों में आई गति को आगे बढ़ाते हुए, यह यात्रा यूरोपीय संघ के साथ रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करेगी। उन्होंने कहा कि वह स्लोवाकिया से वापस फ्रांस के शहर एवियन लौटेंगे और 16-17 जून को जी-7 शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे। उन्होंने कहा, ह्लजी-7 में भारत की मौजूदगी हमारे सहयोगियों के हम पर भरोसे और हमारी बढ़ती वैश्विक पहचान को दशार्ती है। यह लगातार आठवां जी-7 शिखर सम्मेलन है, जिसमें भारत को आमंत्रित किया गया है। जी-7 में भारत न केवल अपनी बात रखेगा, बल्कि ह्लग्लोबल साउथह्व (विकासशील देशों) की आकांक्षाओं को भी आवाज देगा। मैं 18 जून को पेरिस में अपनी फ्रांस यात्रा का समापन करूंगा, जहां मैं राष्ट्रपति मैक्रों के साथ विवा टेक 2026 में शामिल होउंगा।ह्व विवा टेक तकनीक और नवाचार के क्षेत्र में यूरोप का सबसे बड़ा आयोजन है। इस बार इसमें भारत का सबसे बड़ा राष्ट्रीय पवेलियन होगा, जो भारतीय और यूरोपीय नवाचार इकोसिस्टम के बीच साझेदारी की अपार संभावनाओं का एक बेहतरीन प्रतीक है। श्री मोदी ने कहा, ह्लमैं पेरिस में जीवंत भारतीय समुदाय के सदस्यों से मिलने के लिए भी उत्सुक हूं, जो हमारे दोनों देशों के बीच एक जीवंत सेतु रहे हैं।ह्व श्री मोदी ने कहा कि उन्हें पूरा भरोसा है कि फ्रांस और स्लोवाक गणराज्य की उनकी यात्राएं यूरोप और जी-7 के साथ भारत के बढ़ते जुड़ाव को और मजबूत करेंगी। साथ ही, ये यात्राएं इस महाद्वीप और उससे आगे भी अपनी साझेदारियों का दायरा बढ़ाने के प्रति हमारी अटूट प्रतिबद्धता को भी प्रदर्शित करेंगी।

ओमान तट पर भारतीय नाविकों वाले चौथे जहाज पर हमले के दावे फर्जी : विदेश मंत्रालय

प्रात : किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। भारत ने ओमान तट के निकट भारतीय नाविकों वाले चौथे जहाज लियाकी फ्रीडम पर अमेरिकी नौसेना के हमले के बारे में सोशल मीडिया पर किये जा रहे दावों को गलत बताते हुए इन्हें बेबुनियाद करार दिया है।विदेश मंत्रालय ने शनिवार को सोशल मीडिया पर अपने फैक्ट चेक हैंडल से एक पोस्ट में कहा कि भारतीय नाविकों वाले जहाज लियाकी फ्रीडम पर हमले का सोशल मीडिया पर किया जा रहा दावा फर्जी है। विदेश मंत्रालय ने यह भी कहा है कि इस जहाज के मास्टर से बात की गई है और जहाज पर सवार सभी नाविक सुरक्षित हैं। मंत्रालय ने लोगों से कहा है कि वे सोशल मीडिया पर ऐसे झूठे तथा बेबुनियाद दावों और पोस्ट से सावधान रहें। इससे पहले सोशल मीडिया पर कई पोस्ट में कहा गया कि ओमान के पास भारतीय नाविकों वाले चौथे जहाज लियाकी फ्रीडम पर अमेरिकी नौसेना ने हमला किया है और इसमें चार नाविक मारे गये हैं। उल्लेखनीय है कि इससे पहले

पिछले सप्ताह भारतीय नाविकों वाले तीन जहाजों पर ओमान के निकट हमले हुए हैं और इनमें तीन भारतीय नाविक मारे गये हैं। भारत ने इस पर कड़ा विरोध जताते हुए यहां स्थित अमेरिकी दूतावास के प्रभारी राजदूत को बुलाकर कड़ा विरोध जताया है। इस बीच, विदेश मंत्री एस जयशंकर ने भी शुक्रवार को अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो से बात कर भारतीय नाविकों वाले जहाज पर हमले को लेकर आपत्ति जताई है। श्री जयशंकर ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो से बात हुई। मैंने खाड़ी में अमेरिकी नौसेना के हमलों, जिनमें तीन भारतीय नाविक मारे गये थे, पर भारत की कड़ी आपत्ति दोहराई। वाणिज्यिक नौ-परिवहन के खिलाफ इस तरह की जानलेवा कार्रवाई उचित नहीं है।

संक्षिप्त खबरें

कृषि जैव विविधता विशेषज्ञ समिति का पुनर्गठन, डॉ. पी. एल. गौतम बने अध्यक्ष

नई दिल्ली। राष्ट्रीय जैव विविधता प्राधिकरण (एनबीए) ने कृषि जैव विविधता के संरक्षण और सतत उपयोग से जुड़े मामलों में विशेषज्ञ सलाह देने के लिए कृषि जैव विविधता विशेषज्ञ समिति का एक वर्ष के लिए पुनर्गठन किया है। पर्यावरण मंत्रालय ने शनिवार को विज्ञप्ति जारी कर बताया कि समिति के अध्यक्ष के रूप में पद्मश्री से सम्मानित प्रसिद्ध कृषि वैज्ञानिक डॉ पी एल गौतम को नियुक्त किया गया है। डॉ. गौतम पूर्व में राष्ट्रीय जैव विविधता प्राधिकरण और पौध किस्म और कृषक अधिकार संरक्षण प्राधिकरण (पीपीवीएफआरए) के अध्यक्ष भी रह चुके हैं। पीपीवीएफआरए के वर्तमान अध्यक्ष समिति के सह-अध्यक्ष होंगे।

सैंड आर्टिस्ट सुदर्शन को रूस में मिला ग्रैंड सैंड मास्टर कप

भुवनेश्वर। ओडिशा के प्रसिद्ध रेत कलाकार पद्मश्री सुदर्शन पटनायक को रूस मं आयोजित दूसरे अंतरराष्ट्रीय सैंड स्कल्पचर महोत्सव में प्रतिष्ठित ह्लरूस ग्रैंड सैंड मास्टर कप 2026ह्व से सम्मानित किया गया है। इस उपलब्धि को हासिल करने वाले वे पहले भारतीय कलाकार बन गए हैं। यह सम्मान उन्हें रेत कला के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान और ग्लोबल वार्मिंग विषय पर बनाई गई प्रभावशाली रेत की मूर्ति के लिए प्रदान किया गया। 11 जून 2026 से शुरू हुए इस अंतरराष्ट्रीय महोत्सव में विभिन्न देशों के कलाकारों ने भाग लिया था। महोत्सव की विशेष जूरी समिति ने सर्वसम्मति से सैंड आर्टिस्ट सुदर्शन पटनायक के नाम का चयन किया। उनकी कलाकृति ने पर्यावरण संरक्षण और जलवायु परिवर्तन जैसे वैश्विक मुद्दों के प्रति जागरूकता का संदेश दिया, जिसकी व्यापक सराहना की गई। पद्मश्री से सम्मानित सुदर्शन पटनायक इससे पहले भी कई अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं और अपनी रेत कला के माध्यम से सामाजिक, सांस्कृतिक तथा पर्यावरणीय विषयों को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करते रहे हैं।

अमित शाह ने सीमावर्ती जिलों में जनसंख्या में हो रहे बदलावों के अध्ययन का दिया निर्देश

प्रात : किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने देश में जनसांख्यिकीय परिवर्तनों के अध्ययन के लिए गठित उच्चस्तरीय समिति को सीमावर्ती जिलों में जनसंख्या में हो रहे बदलावों का अध्ययन करने का निर्देश दिया है। उच्च स्तरीय समिति की शनिवार को यहां हुई बैठक में अमित शाह ने समिति को स्थिति का आकलन करने के लिए सीमावर्ती इलाकों, मेट्रो शहरों और औद्योगिक कस्बों का दौरा करने का भी निर्देश दिया। उल्लेखनीय है कि केंद्र सरकार ने गत माह देश में असामान्य जनसंख्यिकी बदलाव और अवैध घुसपैठ के अध्ययन के लिए सेवानिवृत्त न्यायाधीश प्रकाश प्रभाकर नावलेकर की अध्यक्षता में उच्चस्तरीय समिति गठित की है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 15 अगस्त 2025 को इस समिति के गठन की घोषणा की थी। इसका उद्देश्य देश के विभिन्न हिस्सों में जनसांख्यिकीय परिवर्तनों के स्वरूप और प्रभावों का अध्ययन कर सरकार को नीतिगत सुझाव देना है।

वीरता और विवेक को जीवन का मार्गदर्शक बनाएं युवा अधिकारी: राष्ट्रपति

प्रात : किरण, एजेंसी

देहरादून। राष्ट्रपति एवं भारतीय सशस्त्र बलों की सर्वोच्च कमांडर द्रौपदी मुर्मु ने युवा अधिकारियों से सेवा को सर्वोच्च कर्तव्य मानते हुए राष्ट्र की संप्रभुता, एकता और अखंडता की रक्षा के लिए सदैव तत्पर रहने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि तेजी से बदलती सुरक्षा चुनौतियों, तकनीकी प्रगति और जटिल वैश्विक परिस्थितियों के इस दौर में भारतीय सेना को भविष्य के लिए तैयार और अनुकूलनशील बने रहना होगा। भारतीय सैन्य अकादमी (आईएमए) देहरादून में शनिवार को चेटवुड ड्रिल स्क्वायर पर आयोजित 158वें नियमित पाठ्यक्रम और 141वें तकनीकी स्नातक पाठ्यक्रम की पासिंग आउट परेड की समीक्षा करते हुए राष्ट्रपति ने 481 भारतीय जेंटलमैन कैडेट्स के सैन्य अधिकारी बनने पर बधाई दी। उन्होंने कहा कि देश के सबसे कठिन प्रशिक्षण कार्यक्रमों में से एक को सफलतापूर्वक पूरा करना बड़ी उपलब्धि है। युवा अधिकारियों का साहस और विवेक उनकी सबसे बड़ी

शक्ति होगा। राष्ट्रपति ने परेड में शामिल नौ महिला कैडेट्स का विशेष उल्लेख करते हुए इसे आईएमए के इतिहास का ऐतिहासिक क्षण बताया। उन्होंने कहा कि यह केवल भारतीय रक्षा बलों के इतिहास में एक महत्वपूर्ण पड़ाव नहीं है, बल्कि महिला-नेतृत्व वाले विकास की दिशा में भारत की प्रगति का प्रेरक उदाहरण भी है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि आने वाले वर्षों में और अधिक महिलाएं आईएमए से जुड़ेंगी और सैन्य नेतृत्व में अपनी भूमिका निभाएंगी। राष्ट्रपति ने कहा कि भारतीय सैन्य अकादमी सम्मान, साहस और निस्वार्थ राष्ट्रसेवा का प्रतीक है। इस प्रतिष्ठित संस्थान ने ऐसे अनेक सैन्य नेतृत्वकताओं को तैयार किया है जिन्होंने चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में देश की सीमाओं की रक्षा करते हुए भारत की प्रतिष्ठा को ऊंचा रखा। उन्होंने अकादमी के कमांडेंट, प्रशिक्षकों और समस्त स्टाफ के प्रयासों की सराहना की। राष्ट्रपति ने मित्र देशों से आए विदेशी कैडेट्स को भी बधाई देते हुए कहा कि उनके देशों ने उन्हें उच्चतम स्तर का सैन्य प्रशिक्षण प्रदान करने का दायित्व भारत को सौंपा है। उन्होंने विश्वास जताया कि ये कैडेट्स अपने-अपने देशों की सेनाओं में उत्कृष्ट सेवा देकर सम्मान अर्जित करेंगे। उन्होंने कहा कि मित्र देशों के कैडेट आईएमए में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं, जो विश्वभर के देशों के साथ भारत की मित्रता, सहयोग और शांतिपूर्ण संबंधों को मजबूत करने की प्रतिबद्धता को दशार्ता है। उन्होंने कहा कि आईएमए में विकसित होने वाला आपसी विश्वास, समझ और पेशेवर संबंध देशों के बीच रक्षा सहयोग को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। यहां प्राप्त प्रशिक्षण और मूल्यों के बल पर विदेशी कैडेट क्षेत्रीय स्थिरता और वैश्विक शांति में भी योगदान देंग

आधुनिक सुरक्षा चुनौतियों से निपटने के लिए सीआईएसएफ ने शुरू किए एडवांस्ड ट्रेनिंग प्रोग्राम

नई दिल्ली। केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) ने अपनी ऑपरेशनल क्षमता को और अधिक मजबूत करने के लिए व्यापक ट्रेनिंग और क्षमता निर्माण कार्यक्रम चलाए हैं। सीआईएसएफ लगातार नई सुरक्षा चुनौतियों के अनुरूप अपने जवानों को तैयार कर रही है। सीआईएसएफ के आधिकारिक ह्लएक्सह्व अकाउंट पर शनिवार को जारी पोस्ट में बताया गया कि बल ड्रोन और काउंटर-ड्रोन ऑपरेशंस, साइबर सुरक्षा, इंडस्ट्रियल फायरफाइटिंग, आपदा प्रबंधन और लीडरशिप डेवलपमेंट जैसे अत्याधुनिक क्षेत्रों में एडवांस्ड ट्रेनिंग दे रहा है। इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से सीआईएसएफ के जवानों की क्षमता और दक्षता में निरंतर सुधार हो रहा है। फोर्स ने भारतीय सेना के साथ मिलकर ह्लबैटल इनोक्यूलेशन ट्रेनिंग प्रोग्रामह्व भी चलाया है। इस विशेष प्रशिक्षण का उद्देश्य जवानों को युद्ध जैसी कठिन परिस्थितियों के लिए मानसिक रूप से तैयार करना है। इस कार्यक्रम में शामिल जवानों की मुश्किल हालात में मानसिक मजबूती, स्थिति की सही समझ और त्वरित व सही निर्णय लेने की क्षमता काफी बढ़ गई है। सीआईएसएफ देश के महत्वपूर्ण औद्योगिक इंफ्रास्ट्रक्चर, हवाई अड्डों, बंदरगाहों, परमाणु संयंत्रों, मेट्रो रेल और अन्य संवेदनशील स्थानों की सुरक्षा की जिम्मेदारी संभालती है। फोर्स इन जगहों पर उभर रही नई सुरक्षा चुनौतियों जैसे ड्रोन हमले, साइबर खतरे और औद्योगिक आपदाओं से निपटने के लिए अपने कर्मियों को लगातार अपडेटेड ट्रेनिंग प्रदान कर रहा है। सीआईएसएफ महानिदेशक ने हाल ही में फोर्स की तैयारियों की समीक्षा करते हुए कहा था कि आधुनिक सुरक्षा परिदृश्य में पारंपरिक सुरक्षा के साथ-साथ तकनीकी और मानसिक तैयारी भी उतनी ही जरूरी है।

चीन-PAK को झटका! भारत की नई मिसाइल शील्ड क्ळइट को भी करेगी तबाह, DRDO के इस कदम से दुश्मनों की बढ़ी

प्रात : किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। भारत ने रक्षा तकनीक के क्षेत्र में एक और ऐतिहासिक मील का पत्थर पार कर लिया है। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (DRDO) ने हाल ही में दुश्मन के विविध और जटिल खतरों के खिलाफ देश की सुरक्षा को अभेद्य बनाने वाली कई महत्वपूर्ण तकनीकों का सफल प्रदर्शन किया है। इन परीक्षणों के साथ ही भारत की सैन्य शक्ति अब पहले से कहीं अधिक घातक और सुरक्षित हो गई है। 10 और 11 जून 2026 को डीआरडीओ ने लगातार तीन फ्लाइट टेस्ट आयोजित किए, जिसका उद्देश्य लंबी दूरी की बैलिस्टिक मिसाइलों और मध्यम दूरी की एंटी-शिप मिसाइलों के खिलाफ ह्लमल्टी-लेयर्ड डिफेंसह्व क्षमता का प्रदर्शन करना था। इस दौरान मल्टी-लेयर्ड बैलिस्टिक मिसाइल डिफेंस (BMD) क्षमता का प्रदर्शन पूरी तरह सफल रहा। परीक्षणों के दौरान इंटरसेप्टर मिसाइलों ने अपने-अपने निर्धारित लक्ष्यों को हवा में ही सटीकता से नष्ट कर दिया। इन प्रणालियों को विशेष रूप से आधुनिक युग के उभरते मिसाइल खतरों से निपटने के

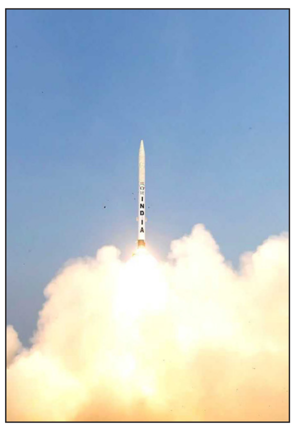

लिए उन्नत स्वदेशी तकनीक के साथ डिजाइन किया गया है। इन सफल परीक्षणों का सबसे बड़ा प्रभाव यह है कि अब भारत दुनिया के उन गिने-चुने देशों की विशेष श्रेणी में शामिल हो गया है जिनके पास इंटरकॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइलों (ICBM) को भी बीच रास्ते में रोकने और नष्ट करने की क्षमता वाली बीएमडी प्रणाली उपलब्ध है। इसके साथ ही, डीआरडीओ ने ह्लनेवल एंटी-शिप मिसाइल-मीडियम रेंज (NASM-MR) का भी पहला सफल फ्लाइट टेस्ट पूरा किया, जो समुद्री सीमाओं की सुरक्षा में एक गेम-चेंजर साबित होगा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इस सफलता पर वैज्ञानिकों की टीम को बधाई देते हुए इसे देश की सुरक्षा के लिए एक बड़ा कदम बताया है। बीएमडी के अलावा, भारतीय वायु सेना (IAF) और डीआरडीओ ने मिलकर हवा से सतह पर मार करने वाली अत्याधुनिक रुद्रम-II मिसाइल का भी सफल परीक्षण किया है। एक हवाई प्लेटफॉर्म (लड़ाकू विमान) से दागी गई इस मिसाइल ने अपनी बेजोड़ सटीकता, विश्वसनीयता और उच्च स्तरीय तकनीकी क्षमताओं को साबित कर दिया है। यह मिसाइल दुश्मन के रडार और संचार केंद्रों को नष्ट करने में सक्षम है। ओडिशा के चांदीपुर स्थित एकीकृत परीक्षण रेंज (ITR) में हुए ये परीक्षण बेहद चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों और महत्वपूर्ण प्रक्षेप पथ के तहत किए गए थे। अत्याधुनिक ट्रैकिंग उपकरणों से प्राप्त आंकड़ों ने पुष्टि की कि मिसाइल के सभी प्रमुख उपप्रणालियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। रुद्रम-II को हैदराबाद स्थित इमारत अनुसंधान केंद्र (RCI) द्वारा स्वदेशी रूप से विकसित किया गया है।

नेविगेशन प्रशिक्षण पूरा करने पर तीन अधिकारियों को ह्लब्रेवेट्स दिए गए।

स्वदेशी तकनीक और वायुसेना के साहस से सफल रहा ऑपरेशन सिंदूर: राजनाथ सिंह

प्रात : किरण, एजेंसी

हैदराबाद। हैदराबाद में एयरफोर्स एकेडमी में संयुक्त ग्रेजुएशन परेड में भारतीय नौसेना के 9 अधिकारियों, भारतीय तट रक्षक के 3 अधिकारियों और सोशलिस्ट रिपब्लिक ऑफ वियतनाम के 2 प्रशिक्षुओं को उड़ान प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा करने पर ह्लविंग्सह्व से सम्मानित किया गया। नेविगेशन प्रशिक्षण पूरा करने पर तीन अधिकारियों को ह्लब्रेवेट्सह्व दिए गए। कैडेट्स को संबोधित करते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि आज, भारतीय वायु सेना अकादमी की संयुक्त स्नातक परेड में आप सभी के बीच ज्ञान, मुझे गौरव की भावना हो रही है। सबसे पहले, मैं आप सभी को, प्रशिक्षण के लिए आपकी चुनौती पूरी करने पर बधाई देता हूं। आज जब आपके कैडेट जीवन की यात्रा समाप्त हो रही है, तो मुझे लगता है, आपको संतुष्टि और उत्साह का एक मिलाप-जुला भाव महसूस हो रहा है। लेकिन याद रखें, आपकी यात्रा अभी शुरू ही हुई है। आप एक ऐसी सर्विस का हिस्सा बन रहे हैं, जिसने देश की हर कॉल पर अपना बेहतर दिया है। हाल ही में ऑपरेशन सिंदूर में भी, हमने यही भावना देखी है। हमारी एयर फोर्स ने

स्पष्टता और शुद्धता के साथ, आतंकी ठिकानों को नेस्तानाबूत कर दिया। यदि हम उतना बड़ा ऑपरेशन सफलतापूर्वक अंजाम दे पाए तो उसके पीछे हमारे स्वदेशी तकनीक के साथ-साथ हमारी वायु सेना के प्रशिक्षित, साहसी और अनुशासित अधिकारियों का महत्वपूर्ण योगदान था। निश्चित ही, भविष्य के ऑपरेशन्स में भी हमारी वायु सेना की यही भूमिका दिखेगी, ऐसा मेरा विश्वास है। रक्षा मंत्री सिंह ने कैडेट्स से कहा, मेरा विश्वास है कि आपके प्रशिक्षण कार्यक्रमों और अभ्यासों में आपको अनिश्चितता और अप्रत्याशित चुनौतियों का सामना करने के लिए अच्छी तरह से तैयार किया गया है। एक पेशेवर सैनिक के रूप में यह आपका कर्तव्य है कि आप उभरती चुनौतियों के प्रति सदैव सजग रहें और आवश्यकता के अनुसार अपनी प्रतिक्रिया को पुनः अंशांकित करते रहें। राजनाथ सिंह ने कहा, नई पीढ़ी के आप सभी योद्धाओं से मैं कहना चाहूंगा हूं कि आप आने वाले समय में युद्ध प्रणालियों और रणनीतियों को भी भली-भांति समझें। आपको इन्हें स्वीकार करना है, जरूरत पड़ने पर संशोधन भी करना है। आपको इनोवेशन करना है, एग्जीक्यूट करना है और इन सब में सफलता भी हासिल करना है। आपके लिए दुनिया में चल रहे हर युद्ध में एक नया शिक्षण विद्यालय होना चाहिए। आपको कड़ी मेहनत के साथ स्मार्ट काम और प्रतिभा की उतनी ही जरूरत होगी रक्षा मंत्री कैडेट्स को संबोधित करते हुए कहा, ह्लआपके कंधों पर सजे विंग्स, केवल एक बैज भर नहीं हैं, यह करोड़ों भारतीयों के भरोसे का प्रतीक हैं। इसलिए आपको अपनी पूरी सर्विस के दौरान प्रोफेसनिल्जम और आचरण के ऐसेउच्च मानक को लगातार बनाए रखना होगा, जो दूसरों के लिए प्रेरणा बनें। भारतीय एयर फोर्स लाखों-करोड़ों युवाओं के लिए प्रेरणा का बड़ा सोर्स है। अभी हाल ही में भारतीय वायु सेना के ही शुभांशु शुक्ला, भारत की ओर से स्पेश तक भी गए। अब उस परंपरा को आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी, आप सब की है। उन्होंने कहा कि भारतीय वायु सेना ने केवल भारत में ही नहीं, बल्कि विदेशों तक भी अपनी छाप छोड़ी है। भारतीय वायु सेना ने अनेक बचाव अभियान को सफलतापूर्वक संचालित करने में भी, महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।वायु सेना ने ने कई अवसरों पर विदेशी नागरिकों को भी सुरक्षित निकालने में मदद की। इस प्रकार मानवीय मिशन के दौरान, भारतीय वायु सेना ने भारतीय संस्कृति और प्रकृतिके उस वास्तविक स्वरूप को प्रतिबिंबित किया है, जो राष्ट्रीयता भाषा या सीमाओं से ऊपर उठकर सम्पूर्ण मानवता की सहायता करने में विश्वास रखता है। रक्षा मंत्री ने कहा, मैं विशेष रूप से महिला पायलटों को बधाई देता हूं, जो आज भारतीय वायुसेना में कमीशन हो रही हैं। नारी शक्ति की बहुसंख्यक संख्या से, हमारी वायुसेना और भी स्ट्रैटजी, संतुलित और मजबूत हो रही है। यह हमारी समावेशी बल की ताकतों को परिभाषित करता है। हमारी वायु सेना और भी मानक, संतुलित और मजबूत हो रही है। यह हमारी समावेशी बल की ताकतों को दशार्ता है।

संक्षिप्त समाचार

मासूम को ढूंढने के लिए पुलिस की छह टीमें गठित

रूड़की, एजेंसी। दरगाह साबिर पाक परिसर से सात माह के मासूम के अपहरण का मामला सामने आने के बाद पुलिस ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ अपहरण के मामले में प्राथमिकी दर्ज कर बच्चे की तलाश के लिए छह टीमें गठित की हैं। सीसीटीवी फुटेज में एक संदिग्ध व्यक्ति मासूम को गोद में उठाकर ले जाता दिखाई दिया है। कलसुम खातून पत्नी नजीर निवासी ग्राम मुसिडा, थाना चरौत, जिला सीतामढ़ी (बिहार) ने तहरीर देकर बताया कि उनकी बेटी रजिया खातून की मानसिक स्थिति ठीक नहीं है। इसके कारण वह करीब नौ माह से परिवार समेत पिरान कलियर में रह रही है। रविवार शाम करीब 5.30 बजे वह अपनी बेटी और सात माह के नाती मोहम्मद अली रजा के साथ दरगाह साबिर पाक पहुंची थी। बताया कि हाजिरी के दौरान मासूम को मस्जिद के आंगन में एक परिचित व्यक्ति के पास सुला दिया गया था। इसी बीच परिचित व्यक्ति को नींद आ गई। कुछ देर बाद जब उसकी आंख खुली तो बच्चा वहां नहीं मिला था। परिजनों ने दरगाह परिसर और आसपास के क्षेत्रों में बच्चे की काफी तलाश की लेकिन उसका कुछ पता नहीं चल सका। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की।

पथराव और फायरिंग में शामिल आठ गिरफ्तार

रूड़की, एजेंसी। कोतवाली क्षेत्र के लिब्बरहेड़ी गांव में रविवार देर शाम पुरानी रंजिश के कारण दो पक्षों के बीच बवाल हो गया। खूनी संघर्ष के दौरान जमकर पथराव हुआ और हवाई फायरिंग भी की गई जिससे इलाके में दहशत फैल गई। सूचना पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति पर काबू पाते हुए मामले में आठ लोगों को हिरासत में लिया। पुलिस ने आरोपियों का शांतिभंग में चालान कर कोर्ट में पेश किया है। गांव में दो दिन पूर्व नाली सफाई के लिए दो पक्षों के बीच विवाद हुआ था। इसमें पुलिस ने एक पक्ष के युवक का शांतिभंग में चालान कर दिया था। इसके बाद रविवार देर शाम को यह विवाद उस समय और बढ़ गया जब शांतिभंग में गिरफ्तार जमानत पर छूटकर गांव पहुंचा और दोनों पक्षों के लोग आमने-सामने आ गए। देखते ही देखते विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। आरोप है कि इस दौरान दोनों पक्षों की ओर से जमकर पथराव किया गया और दहशत फैलाने के लिए फायरिंग भी की गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस में हड़कंप मच गया और स्थानीय पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची। मंगलौर पुलिस क्षेत्राधिकारी अभिनय चौधरी ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही पुलिस बल को तुरंत मौके पर भेजा गया था। पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए उपद्रव कर रहे आठ लोगों को मौके से ही हिरासत में ले लिया। गांव में तनाव की स्थिति को देखते हुए पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। फायरिंग को लेकर उन्होंने बताया कि वायरल वीडियो के आधार पर जांच की जा रही है। जावेद उर्फ भूरा, अफजल, आसिफ, शाहरुन, सालिम, शहजाद, सलमान और शाह कमर निवासी लिब्बरहेड़ी का शांतिभंग में चालान किया गया है।

धारचूला के जुम्मा गांव में रैबीज से 20 दिन में दूसरे किशोर की मौत

पिथौरागढ़, एजेंसी। धारचूला के जुम्मा गांव के एक और किशोर की रैबीज से मौत हो गई। उसने जिला अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। रैबीज के संक्रमण से 20 दिन के भीतर इस गांव के दूसरे किशोर की मौत हुई है। इससे पूरे गांव में दहशत है। करीब छह महीने पहले जुम्मा गांव के तोक बुंगा और टीलम में एक लावारिस कुत्ते ने कई किशोरों और ग्रामीणों को काट दिया था। कुछ समय बाद ही कुत्ते की मौत हो गई। बीते 23 मई को कुत्ते ने जिस किशोर को काटा उसकी तबीयत बिगड़ गई। जिला अस्पताल पहुंचाने पर उसके रैबीज से ग्रसित होने की पुष्टि हुई। दूसरे ही दिन उसकी मौत हो गई। बीते बुधवार को भी गांव के 14 वर्षीय मोहित धामी की तबीयत बिगड़ गई। उसे हवा-पानी से डर लगने लगा और वह आक्रामक हो गया। ऐसे में परिजनों ने उसे संयुक्त चिकित्सालय पहुंचाया। उसकी गंभीर हालत को देखते हुए चिकित्सकों ने उसे जिला अस्पताल रेफर किया। परिजन उसे लेकर जिला अस्पताल पहुंचे। जांच में उसके रैबीज से ग्रसित होने की पुष्टि हुई। चिकित्सकों ने उसकी गंभीर हालत को देखते हुए उसे आईसीयू में भर्ती किया। करीब 16 घंटे बाद बृहस्पतिवार शाम 4 बजे उसने दम तोड़ दिया। किशोर की मौत से परिजनों में कोहराम है तो ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। सीएमओ डॉ. एसएस नबियाल ने कहा कि रैबीज से किशोर की मौत हुई है। अन्य संदिग्धों की भी निगरानी की जा रही है।

निर्दलीय नारायण पाटी पंचायत के पहले अध्यक्ष

पाटी (चंपावत), एजेंसी। लोहाघाट विधानसभा की नव गठित नगर पंचायत पाटी के नवनिर्वाचित अध्यक्ष निर्दलीय प्रत्याशी और मशहूर गायक पवनदीप राजन के जीजा नारायण लाल बन गए हैं। उन्होंने भाजपा प्रत्याशी नवीन राम को 164 मतों से हराया। तीन बार हुई रिकाउंटिंग के बाद नारायण लाल को विजयी घोषित किया गया। विजयी प्रत्याशियों के समर्थकों ने पाटी बाजार में जुलूस निकाला। बृहस्पतिवार को नगर पंचायत पाटी को पहला नगर पंचायत अध्यक्ष मिल गया है। पाटी ब्लॉक सभागार में हुई मतगणना में नारायण लाल को इंडियन आइडल और मशहूर सिंगर पवनदीप राजन के जीजा है। नारायण लाल को 638 , नवीन राम को 514 और पार्वती देवी को 301 मत प्राप्त हुए। वार्ड एक रानीचौड़ में शांति देवी ने 66 मतों से जीत दर्ज की है। शांति देवी को 166, खीमा देवी को 100 और रुक्मिणी को 86 मत मिले। वार्ड दो जौलाड़ी में बबलू पाटनी ने 22 मतों से जीत दर्ज की। बबलू को 151, दिनेश को 129, कमल को 86, मनीषा को 64, विवेक को 57 मत पड़े। वार्ड तीन न्यू कॉलोनी में नवल ने भी 22 मतों से जीत दर्ज की। नवल को 183, संजय को 161, विनोद को 97 और दीपक को 41 मत मिले। वार्ड चार पूनाकोट में संगीता ने 50 मतों से जीत दर्ज की।

खुलासा ग्राम प्रधान ने अपनी ही फर्म को किया भुगतान, सीडीओ ने लिया एक्शन

पौड़ी गढ़वाल, एजेंसी। उत्तराखंड के पौड़ी जिले के पौड़ी विकासखंड के ग्राम सभा धनाऊं मल्ला में विकास कार्यों के लिए सामग्री खरीद और भुगतान को लेकर अनियमितता का मामला सामने आया है. जांच में पाया गया कि ग्राम प्रधान द्वारा ग्राम सभा में कराए गए कार्यों के लिए आवश्यक सामग्री अपनी ही फर्म से खरीदी गई और उसी फर्म को भुगतान भी किया गया, जो नियमों के विरुद्ध है. मामले का खुलासा सूचना का अधिकार (आरटीआई) के माध्यम से हुआ. समीपवर्ती गांव बणगांव मल्ला निवासी जयपाल सिंह ने आरटीआई के जरिए संबंधित दस्तावेज और जानकारी प्राप्त की. दस्तावेजों के आधार पर उन्होंने जिलाधिकारी गढ़वाल को लिखित शिकायत सौंपकर मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की थी. शिकायत को गंभीरता से लेते हुए जिलाधिकारी ने पूरे प्रकरण की जांच के लिए एक

समिति का गठन किया. जिला विकास अधिकारी (डीडीओ) पौड़ी की अध्यक्षता में गठित जांच टीम ने मामले की जांच कर अपनी रिपोर्ट प्रशासन को सौंप दी. जांच रिपोर्ट में पुष्टि हुई कि ग्राम प्रधान कमल रावत ने 2020 से 2022 के बीच ग्राम सभा के विकास कार्यों में प्रयुक्त सामग्री अपनी ही फर्म से क्रय की और उसी दौरान फर्म को भुगतान भी किया. मुख्य विकास अधिकारी अशोक जोशी ने बताया कि, जांच में अनियमितता प्रमाणित होने के बाद ग्राम प्रधान और तत्कालीन ग्राम विकास अधिकारी के विरुद्ध कार्रवाई की गई है. उन्होंने बताया कि, कुल 3 लाख 68 हजार 124 रुपए की धनराशि की वसूली के आदेश जारी किए गए हैं, जिसमें ग्राम प्रधान और तत्कालीन ग्राम विकास अधिकारी को आधी-आधी राशि जमा करने के निर्देश दिए गए हैं. समाजसेवी जयपाल सिंह ने बताया कि संबंधित ग्राम सभा उनके गांव के निकट स्थित है. जहां ग्राम प्रधान द्वारा मनरेगा के तहत कराए गए कार्यों में अपनी ही फर्म को भुगतान किया गया, जो नियमों के विरुद्ध है. जयपाल सिंह ने मांग की है कि ग्राम प्रधान के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाए और सरकारी धन की वसूली सुनिश्चित की जाए. पौड़ी मुख्य विकास अधिकारी अशोक जोशी ने बताया कि, ग्राम प्रधान द्वारा मनरेगा कार्यों में अपनी ही फर्म को भुगतान किया जाना पंचायती राज अधिनियम के नियमों के अनुरूप नहीं है. उन्होंने बताया कि कुल ?3,68,124 की वसूली के आदेश जारी किए गए हैं. इस राशि का आधा भाग ग्राम प्रधान और शेष आधा तत्कालीन ग्राम विकास अधिकारी से वसूला जाएगा. मुख्य विकास अधिकारी ने स्पष्ट किया कि पौड़ी जिले में यदि कोई ग्राम प्रधान या अन्य अधिकारी विकास कार्यों में अनियमितता या वित्तीय गड़बड़ी करता पाया जाता है, तो उसके विरुद्ध नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी.

मनसा देवी मंदिर मामला, महिलाओं को स्पर्श कर आशीर्वाद देने वाले पुजारी मंदिर से हटाए जाएंगे

हरिद्वार, एजेंसी। महिलाओं को स्पर्श कर आशीर्वाद देने वाले पुजारी मंदिर से हटाए जाएंगे। हरिद्वार मनसा देवी मंदिर निरीक्षण के दौरान श्रीमहंत रविंद्रपुरी महाराज इस संबंध में निर्देश दिए। सोमवती अमावस्या और आगामी कांवड़ मेले से पहले अधिकारियों ने मनसा देवी मंदिर और पैदल मार्ग का निरीक्षण किया गया। डीएम मयूर दीक्षित, एसएसपी नवनीत सिंह भुल्लर ने मंदिर में मिली खामियों को दूर करने और अतिक्रमण हटाने के सख्त निर्देश दिए गए। वहीं श्रीमहंत ने महिलाओं को स्पर्श करने वाले पुजारियों को मंदिर से बाहर करने की चेतावनी दी। पिछले वर्ष मनसा देवी पैदल मार्ग पर हुई भगदड़ की घटना को देखते हुए इस बार विशेष सतर्कता बरती जा रही है। डीएम और एसएसपी ने प्रशासनिक टीम के साथ मंदिर परिसर और पैदल मार्ग का निरीक्षण किया। उन्होंने मंदिर परिसर में अनावश्यक दुकानों पर पूरी तरह प्रतिबंध लगाने के निर्देश दिए। अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष श्रीमहंत ने भी व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि सोमवती अमावस्या स्नान पर्व और कांवड़ मेले में उमड़ने वाली भीड़ को देखते हुए किसी भी तरह के अतिक्रमण को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने सख्त चेतावनी दी कि कोई भी पुजारी किसी महिला या श्रद्धालु को आशीर्वाद देने के बहाने स्पर्श नहीं करेगा। ऐसा करने पर पुजारी को मंदिर से बाहर कर दिया जाएगा। श्रीमहंत ने मंदिर में चढ़ाए जाने वाले नारियल को रिसाइकिल करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने ट्रस्टियों और व्यवस्थापकों के साथ मिलकर एक वृहद कार्ययोजना तैयार की। इसमें पूरे कांवड़ मेले के दौरान मंदिर में लंगर प्रसाद वितरण करने की भी योजना तय की गई है। निरीक्षण के दौरान ट्रस्टी अनिल शर्मा, सीमा गिरी और राजगिरी महाराज भी मौजूद रहे।

नई बेड ब्रेकफास्ट नीति के विरोध में आई कांग्रेस, करन माहरा बोले-राज्य के हितों के खिलाफ

रुद्रप्रयाग, एजेंसी। नई बेड ब्रेकफास्ट नीति को लेकर कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष करन माहरा ने कहा कि यह नीति राज्य के हितों के खिलाफ है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष करन माहरा ने पर्यटन विभाग की ओर से लागू की गई बेड एंड ब्रेकफास्ट पंजीकरण व्यवस्था पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा है कि यह नीति राज्य के मूल निवासियों, स्थानीय पर्यटन व्यवसाय और उत्तराखंड की सांस्कृतिक पहचान के लिए दीर्घकालिक खतरा उत्पन्न कर सकती है। माहरा ने कहा कि उत्तराखंड में होमस्टे योजना का उद्देश्य स्थानीय परिवारों को पर्यटन से जोड़कर स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराना था। होमस्टे की अवधारणा स्थानीय संस्कृति, पारंपरिक आतिथ्य और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए विकसित की गई थी लेकिन वर्तमान बी एंड बी नीति में ऐसे प्रावधान शामिल किए गए हैं, जिनके तहत संपत्ति का मालिक स्वयं उस परिसर में निवास किए बिना भी अधिकृत ऑपरेटर, मैनेजर या वाणिज्यिक सेवा प्रदाता के माध्यम से पर्यटन व्यवसाय संचालित कर सकता है। उन्होंने कहा कि एक ओर राज्य सरकार उत्तराखंड की भूमि, संसाधनों और जनसांख्यिकीय संतुलन की रक्षा के नाम पर सख्त भू-कानूनों की बात करती है। दूसरी ओर, ऐसी

नीतियां लाई जा रही हैं, जो बाहरी व्यक्तियों और व्यावसायिक समूहों के लिए अप्रत्यक्ष रूप से राज्य के पर्यटन क्षेत्र में प्रवेश के नए रास्ते खोलती दिखाई दे रही हैं। यह स्थिति सरकार की नीतियों और उसके सार्वजनिक बयानों के बीच गंभीर विरोधाभास को दर्शाती है। माहरा ने सरकार से मांग की कि नीति के सभी प्रावधानों को सार्वजनिक रूप से स्पष्ट किया जाए। स्थानीय जनप्रतिनिधियों, पर्यटन क्षेत्र से जुड़े हितधारकों, होटल व्यवसायियों, होमस्टे संचालकों और सामाजिक संगठनों से व्यापक विचार-विमर्श के बाद ही किसी अंतिम व्यवस्था को लागू किया जाए।

दूषित पेयजल की शिकायत पर भड़के मेयर, जल संस्थान अधिकारियों को लगाई फटकार

रुद्रपुर, एजेंसी। ट्रांजिट कैंप स्थित राधा गोविंद मंदिर परिसर में आयोजित 'महापौर जनता के द्वार' अभियान के तहत लगे जनता दरबार में उस समय माहौल गर्म हो गया, जब स्थानीय लोगों ने अमृत योजना के बावजूद दूषित पेयजल आपूर्ति और जल सुविधा नहीं मिलने की शिकायत महापौर विकास शर्मा के सामने रखी. शिकायतकर्ताओं द्वारा वीडियो और साक्ष्य प्रस्तुत किए जाने के बाद महापौर ने जल संस्थान अधिकारियों को कड़ी फटकार लगाते हुए तत्काल व्यवस्था सुधारने के निर्देश दिए. इस दौरान सैकड़ों लोगों की समस्याओं का समाधान भी किया गया और पीएम स्वनिधि योजना का जिला स्तरीय विशेष कैंप भी आयोजित किया गया. रुद्रपुर ट्रांजिट कैंप स्थित श्री राधा गोविंद मंदिर परिसर में आयोजित 'महापौर जनता के द्वार' अभियान के तहत बहुउद्देशीय शिविर एवं जनता दरबार में बड़ी संख्या में लोगों ने अपनी समस्याएं अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों के समक्ष रखीं. शिविर में नगर निगम, जल संस्थान, विद्युत विभाग, समाज कल्याण, श्रम विभाग, आयुष्मान योजना और अन्य विभागों के अधिकारी मौजूद रहे, जिन्होंने मौके पर ही कई शिकायतों का समाधान किया. जनता दरबार के दौरान सबसे गंभीर मामला अमृत योजना के तहत पेयजल सुविधा और दूषित पानी की आपूर्ति का सामने आया. कई स्थानीय नागरिकों ने महापौर विकास शर्मा को बताया कि करोड़ों रुपये की लागत से संचालित अमृत योजना का लाभ अब तक कई क्षेत्रों तक नहीं पहुंच पाया है. इसके साथ ही कई मोहल्लों में गंदा और दूषित पानी सप्लाई होने की शिकायत भी की गई.शिकायतकर्ताओं ने अपनी बात केवल मौखिक रूप से ही नहीं रखी, बल्कि वीडियो और अन्य साक्ष्य भी महापौर को दिखाए. वीडियो में कई स्थानों पर गंदा और मटमैला पानी आता हुआ दिखाई दिया. शिकायतों और साक्ष्यों को देखने के बाद महापौर विकास शर्मा नाराज हो गए और उन्होंने मौके पर मौजूद जल संस्थान अधिकारियों को कड़ी फटकार लगाई.महापौर ने अधिकारियों से कहा कि केंद्र सरकार द्वारा शहर की पेयजल व्यवस्था को मजबूत करने के लिए लगभग 35 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए थे. इसके बावजूद यदि लोगों को स्वच्छ पानी नहीं मिल रहा है और उन्हें शिकायतें लेकर जनता दरबार में आना पड़ रहा है, तो यह बेहद गंभीर विषय है. उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि जनता की समस्याओं को नजरअंदाज करने वाले अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी. महापौर ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि भविष्य में भी इसी प्रकार की शिकायतें दोबारा सामने आईं और समय रहते व्यवस्थाओं में सुधार नहीं किया गया, तो जिम्मेदार अधिकारियों का 'इतिहास लिख दिया जाएगा.' उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी प्रभावित क्षेत्रों का तत्काल निरीक्षण कर समस्या का स्थायी समाधान सुनिश्चित किया जाए.इस दौरान महापौर ने कहा कि 'महापौर जनता के द्वार' अभियान का उद्देश्य लोगों को सरकारी कार्यालयों के चक्कर लगाने से बचाना और उनकी समस्याओं का समाधान उनके क्षेत्र में ही करना है. उन्होंने कहा कि जनता की सुविधाओं से जुड़े मामलों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और काम केवल कागजों में नहीं बल्कि धरातल पर दिखाई देना चाहिए.

ओखलकांडा के मटेला में पानी नहीं आने से ग्रामीण परेशान

पतलोट (नैनीताल), एजेंसी। ओखलकांडा ब्लॉक की ग्राम पंचायत मटेला में पानी नहीं आने से ग्रामीण परेशान हैं। हालांकि जल संस्थान टैंकरों से पानी बांट रहा है। ग्रामीणों ने कहा कि ब्लॉक प्रमुख केडी रुवाली, बीडीसी सदस्य चंद्रा रुवाली और प्रधान लीला त्रिपाठी को पानी की समस्या से अवगत कराया था। सभी ने जल संस्थान के माध्यम से पेयजल समस्या टैंकर उपलब्ध कराए हैं, मगर समस्या का स्थायी समाधान जरूरी है। गांव के मोहन चंद्र रुवाली, नंदन मटियाली, विपिन रुवाली, आन सिंह मटियाली, रंजीत मटियाली ने भी पेयजल समस्या दूर करने की मांग की है।

अनुसूचित जाति के युवक की हत्या करने वालों पर कार्रवाई की मांग-

रामनगर, एजेंसी। संयुक्त संघर्ष समिति ने टिहरी में अनुसूचित जाति के युवक की हत्या पर आक्रोश जताया। शुक्रवार को संयुक्त संघर्ष समिति की बैठक में संयोजक ललित उप्रेती ने कहा कि देवल गांव टिहरी के केतन लाल की हत्या ने प्रदेश की कानून व्यवस्था पर सवालिया निशान लगा दिया है। उन्होंने मामले की जांच कर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की मांग की है। इस दौरान प्रभात ध्यानी, रोहित रूहेला, गिरीश आर्य, मनमोहन अग्रवाल, ललिता रावत, कौशल्या, सरस्वती जोशी, तुलसी, महेश जोशी आदि मौजूद रहे।

पर्यटकों की जान जोखिम में डालने पर जिप्सी पर गिरी गाज-

रामनगर, एजेंसी। तराई पश्चिमी वन प्रभाग के फाटो पर्यटन जोन में नियमों का उल्लंघन कर बाघ के बिल्कुल नजदीक जिप्सी ले जाने के मामले में डीएफओ ने जिप्सी चालक और वाहन दोनों को अनिश्चितकाल के लिए प्रतिबंधित कर दिया है। बीते दिनों कुछ पर्यटकों के फाटो जोन में जंगल सफारी के दौरान रास्ते में एक बाघ दिखाई दिया। जिप्सी चालक जुबेर बाघ के काफी नजदीक जिप्सी ले गया। अचानक जिप्सी को इतने पास देखकर बाघ भी असहज और चौंक गया। इसी बीच जिप्सी में सवार पर्यटकों की सांसें अटक गई। गनीमत रही कि बाघ ने आक्रामकता नहीं दिखाई और पर्यटकों पर हमला नहीं किया। यह वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो गया। डीएफओ प्रकाश चंद्र आर्या ने कहा कि नियमों का उल्लंघन करने पर जिप्सी और जिप्सी चालक को बैन किया है।

आईएमपीसीएल कंपनी के बाहर संगठनों ने किया प्रदर्शन-

रामनगर, एजेंसी। मोहान स्थित आईएमपीसीएल कंपनी के निजीकरण के विरोध में उत्तराखंड परिवर्तन पार्टी, इंकलाब मजदूर संघ ने कंपनी के बाहर प्रदर्शन किया। शुक्रवार को प्रदर्शन के दौरान उपपा के केंद्रीय अध्यक्ष प्रभात ध्यानी ने कहा कि 1978 में स्थापना से आज तक यह कंपनी लगातार मुनाफे में है। इसके बावजूद मोदी सरकार ने निजीकरण कर सौदा मात्र 121 करोड़ रुपये में कर दिया। उन्होंने निजीकरण अनुबंध खारिज करने की मांग की है। इस दौरान जयपाल सिंह रावत, भूपेंद्र सिंह अधिकारी, रोहित रुहेला, आसिफ आदि मौजूद रहे।

हर मोड़ पर लगी गाड़ियों की लंबी कतारें, फंसे सैलानी; लोग परेशान

नैनीताल, एजेंसी। नैनीताल में पर्यटन सीजन के चलते शनिवार सुबह से ही सड़कों पर भारी वाहन दबाव बन गया, जिससे शहर के प्रवेश मार्गों पर लंबी कतारें लग गईं और यातायात रेंगने लगा। स्थानीय लोगों से लेकर पर्यटकों तक को सुबह से ही जाम की समस्या का सामना करना पड़ा। पर्यटन सीजन के चलते शनिवार सुबह से ही नैनीताल की सड़कों पर वाहनों का भारी दबाव देखने को मिला। शहर में प्रवेश करने वाले मार्गों पर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं, जिससे यातायात रेंग-रेंग कर चलता रहा। सुबह के समय स्थानीय लोगों के साथ-साथ पर्यटकों को भी जाम की समस्या से जूझना पड़ा। मल्लीताल, तल्लीताल, मॉलरोड और बारापत्थर मार्ग सहित कई प्रमुख सड़कों पर वाहनों की संख्या बढ़ने से यातायात व्यवस्था प्रभावित रही। कई स्थानों पर वाहन चालकों को लंबा इंतजार करना पड़ा, जबकि पैदल यात्रियों को भी परेशानी का सामना करना पड़ा। एसपी डॉ. जगदीश चन्द्र ने बताया कि सप्ताहांत और पर्यटन सीजन के कारण नैनीताल में पर्यटकों की संख्या लगातार बढ़ रही है। यातायात को सुचारु बनाए रखने के लिए पुलिस बल को प्रमुख चौराहों और संवेदनशील स्थानों पर तैनात किया गया है। उन्होंने कहा कि शहर में प्रवेश करने वाले वाहनों को आवश्यकता अनुसार अस्थायी पार्किंग स्थलों पर रोका जा रहा है तथा शटल सेवा के माध्यम से पर्यटकों को नगर भेजा जा रहा है।

बच्चों की रचनात्मक प्रतिभा को मिला नया मंच

पिथौरागढ़, एजेंसी। बच्चों की ओर से तैयार की गई पत्रिकाओं के विमोचन के साथ कन्या जूनियर हाईस्कूल मंडप में आयोजित सात दिवसीय दीवार पत्रिका सृजन कार्यशाला का संपन्न हो गई। कार्यशाला में बच्चों ने कहानी, कविता, यात्रा वृत्तांत आदि विधाओं पर कार्य किया और उनकी रचनात्मक प्रतिभा को नया मंच मिला। नोएडा से आए मुख्य अतिथि वरिष्ठ बाल साहित्यकार रजनीकांत शुक्ल ने कार्यशाला के समापन पर बच्चों की रचनाओं का विमोचन किया। शुक्ल ने बच्चों के साथ अपने अनुभव साझा किए और बालगीत सुनाकर बच्चों को मंत्रमुग्ध किया। उन्होंने भविष्य के सपनों को साकार करने के लिए बच्चों से निरंतर अभ्यास और सकारात्मक सोच पर जोर दिया। कार्यशाला के आयोजक साहित्यकार और शिक्षक महेश पुनेठा ने कहा कि कार्यशाला में बच्चों को जो टिप्स दिए। यदि वे इन्हें अपने विद्यार्थी जीवन में अपनाएंगे तो निश्चित रूप से सफलता प्राप्त करेंगे। कार्यक्रम में बसंत गिरी, किरन बोरा, विद्या आदि ने विचार व्यक्त किए। संचालन शिक्षक रमेश चंद्र जोशी ने किया। प्रभारी प्रधानाचार्य संगीता भैसोड़ा, शिक्षक राकेश पूरी, शैलजा भट्ट और त्रिभुवन सिंह ने आयोजन में सहयोग किया।

अब योग के साथ पतंजलि में तैयार होंगे आईएएस-आईपीएस, रामदेव की एकेडमी के प्रमुख बने ओझा सर

हरिद्वार, एजेंसी। योग गुरू स्वामी रामदेव अब प्रशासनिक सेवाओं के लिए भी नई पहल करने जा रहे हैं. पतंजलि समूह ने सिविल सर्विसेज की तैयारी कराने के लिए अपनी नई पंतजलि सिविल सर्विसेज एकेडमी शुरू करने की घोषणा की है. इस एकेडमी की सबसे खास बात यह है कि सोशल मीडिया पर चर्चित शिक्षक अवध ओझा को इसका नेतृत्व सौंपा गया है. शनिवार सुबह पतंजलि योगपीठ में स्वामी रामदेव और अवध ओझा एक साथ योग करते नजर आए और सोशल मीडिया पर ही स्वामी रामदेव ने सिविल सेवा परीक्षाओं की तैयारी के लिए एकेडमी शुरू करने की घोषणा की. स्वामी रामदेव ने बताया कि 'आज बहुत बड़ा दिन है, पतंजलि योगपीठ में पतंजलि सिविल सर्विस एकेडमी की शुरुआत की है. सिविल सेवा परीक्षाओं की तैयारी करने के लिए इस एकेडमी की शुरुआत की है. सबसे खास बात यह है कि

उर्जावान अवध ओझा को इसका सूत्रधार और प्रमुख बनाया गया है.' अवध ओझा लाखों बच्चों को सिविल सर्विस की तैयारी करा चुके हैं और एक हजार से ज्यादा बच्चे आईपीएस और आईएएस बन चुके हैं. अब पतंजलि में किसी भी विश्विद्यालय के बच्चे आकर सिविल सर्विस की तैयारी कर सकेंगे. अपने और देश के भविष्य निर्माण के लिए खुद को तैयार करवायेंगे. एकेडमी का उद्देश्य देश को संस्कारवान, राष्ट्रहित को प्राथमिकता देने वाले और उत्कृष्ट प्रशासनिक अधिकारी देना है. वहीं अवध ओझा ने कहा कि अब सिविल सेवा की तैयारी करने वाले छात्रों को दिल्ली जैसे बड़े कोचिंग संस्थानों की बेहतर शिक्षा पतंजलि योगपीठ के शांत वातावरण में मिलेगी. उन्होंने बताया कि छात्रों को दिल्ली के अनुभवी और बेहतरीन शिक्षकों का मार्गदर्शन उपलब्ध कराया जाएगा. यहां आकर उन्हें किसी प्रकार की टेंशन और स्ट्रेस नहीं होगा. पतंजलि योगपीठ में योग, अनुशासित दिनचर्या और तनावमुक्त माहौल के बीच बच्चों को यूपीएससी और अन्य सिविल परीक्षाओं की तैयारी कर सकेंगे. उन्होंने दावा किया कि यह पहल विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक सुविधाओं के साथ मानसिक संतुलन बनाए रखने में भी मदद करेगी.

साल 2027 में फिर पंजाब के मुख्यमंत्री बनेंगे भगवंत मान : अरविंद केजरीवाल

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

बठिंडा। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने दावा किया है कि पंजाब में मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान की ईमानदार और भ्रष्टाचार मुक्त सरकार पर जनता का भरोसा लगातार मजबूत हो रहा है और वर्ष 2027 में वह दोबारा मुख्यमंत्री बनेंगे। बठिंडा नगर निगम चुनाव में पार्टी की शानदार जीत के बाद शुक्रवार को आयोजित विशाल रोड शो को संबोधित करते हुए श्री केजरीवाल ने कहा कि चार वर्षों के शासन के दौरान श्री भगवंत मान और उनकी सरकार पर भ्रष्टाचार का एक भी आरोप नहीं लगा है। उन्होंने कहा कि पंजाब के इतिहास में जितने भी मुख्यमंत्री रहे, उन पर किसी न किसी प्रकार के भ्रष्टाचार के आरोप लगे, लेकिन श्री भगवंत मान के खिलाफ एक पैसे के भ्रष्टाचार का भी आरोप नहीं लगा। श्री केजरीवाल ने कहा कि यदि मुख्यमंत्री या उनके मंत्रियों पर कोई भी आरोप होता तो केंद्र सरकार की एजेंसियां रोजाना ईडी और सीबीआई की कार्रवाई करतीं, लेकिन ऐसा कुछ नहीं हुआ क्योंकि सरकार पूरी तरह पारदर्शी तरीके से काम कर रही है। उन्होंने कहा कि आज पंजाब में चार तरह की पार्टियां हैं। एक चिट्टा-बेअदबी पार्टी, दूसरी झगड़ा पार्टी, तीसरी ईडी पार्टी और चौथी आम आदमी पार्टी, जो जनता की पार्टी है और लोगों के लिए काम करती है। नगर निगम चुनाव में मिली जीत के लिए बठिंडा के लोगों का धन्यवाद करते हुए श्री केजरीवाल ने कहा कि यह जनादेश आम आदमी पार्टी सरकार के कामकाज पर जनता की स्वीकृति की मुहर है। उन्होंने दावा किया कि रोड शो के दौरान लोगों के चेहरों पर दिखाई दे रही खुशी सरकार के प्रति संतोष का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि सरकार ने जनता का पैसा बचाकर बिजली मुफ्त की, स्वास्थ्य सुरक्षा योजनाएं लागू कीं और महिलाओं को आर्थिक सहायता देने की दिशा में कदम उठाए हैं। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आगामी विधानसभा चुनावों के लिए अभी से जुटने का आह्वान किया।इस मौके पर मुख्यमंत्री श्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि हालिया स्थानीय निकाय चुनावों में भाजपा, कांग्रेस और अकाली दल ने एकजुट होकर आम आदमी पार्टी को रोकने की कोशिश की, लेकिन पंजाब की जागरूक जनता ने तीनों दलों को नकारते हुए झाड़ू के पक्ष में मतदान किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि पारंपरिक राजनीतिक दल इस बात को स्वीकार नहीं कर पा रहे कि एक साधारण परिवार से आया व्यक्ति पंजाब का नेतृत्व कर रहा है और ईमानदारी से सरकार चला रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि वर्षों तक इन दलों ने लोगों को झूठे वादों और प्रचार के जरिए गुमराह किया, लेकिन अब पंजाब के लोग सच्चाई को पहचान चुके हैं। श्री भगवंत मान ने कहा कि राज्य में करदाताओं का पैसा अब विकास कार्यों, शिक्षा, स्वास्थ्य और जनकल्याण योजनाओं पर खर्च हो रहा है। उन्होंने दावा किया कि पंजाब के 90 प्रतिशत से अधिक परिवारों को मुफ्त बिजली मिल रही है और 67 हजार से अधिक युवाओं को बिना किसी रिश्वत और सिफारिश के सरकारी नौकरियां दी गई हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि कृषि पंजाब की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है और राज्य सरकार किसानों को हर संभव सहायता देने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने आश्वासन दिया कि किसानों को अपनी जरूरत के अनुसार नहरों का पानी उपलब्ध कराया जाएगा और सिंचाई के लिए पानी की कोई कमी नहीं आने दी जाएगी।

रेल मंत्री ने की आरआरबी भर्ती प्रक्रिया की समीक्षा

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने आरआरबी भर्ती प्रक्रिया की समीक्षा की है। भर्ती प्रक्रियाओं में ज्यादा पारदर्शिता, सटीकता और तेजी से काम पूरा करने पर जोर दिया गया है।अब सभी विभागीय परीक्षाएं सीटीबीटी (कंप्यूटर आधारित परीक्षा) के जरिए होंगी। केंद्रीय रेल मंत्री ने कहा कि रेलवे टैबलेट-आधारित टेस्टिंग का दायरा बढ़ाएगा। वित्त वर्ष 2025-26 में 43,781 उम्मीदवारों को रेलवे में नौकरी दी गई। भारतीय रेलवे ने व्यवस्थित और टेक्नोलॉजी-आधारित प्रक्रिया के जरिए भर्ती में तेजी लाई है। पिछले वित्त वर्ष में रेलवे ने 18,799 असिस्टेंट लोको पायलट, 14,298 टेक्नीशियन और 1,376 पैरामेडिकल स्टाफ की भर्ती की गई है।सालाना भर्ती कैलेंडर के तहत निकली वैकेंसी की जानकारी को उम्मीदवारों ने काफी पसंद किया गया है। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने भारतीय रेलवे के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ रेलवे भर्ती बोर्ड की भर्ती प्रक्रिया पर एक उच्च-स्तरीय समीक्षा बैठक की। उन्होंने ज्यादा पारदर्शी, सटीक और टेक्नोलॉजी-आधारित सिस्टम की जरूरत पर जोर दिया।भारतीय रेलवे ने वित्त वर्ष 2025-26 में भर्ती प्रक्रिया में तेजी लाते हुए, छह प्रमुख कैटेगरी में 47,084 वैकेंसी के लिए भर्ती प्रक्रिया पूरी करके 43,781 उम्मीदवारों को नौकरी दी है। इनमें असिस्टेंट लोको पायलट के लिए 18,799, टेक्नीशियन के लिए 14,298, सब-इंस्पेक्टर के लिए 452, कॉन्स्टेबल के लिए 4,208, जूनियर इंजीनियर, डीएमएस, सीएमए के लिए 7,951 और पैरामेडिकल कैटेगरी के लिए 1,376 वैकेंसी शामिल हैं।

संक्षिप्त खबरें

एनडीएमसी ने की 30 जून तक संपत्ति कर के भुगतान पर 10 प्रतिशत छूट की घोषणा

नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) ने अपने क्षेत्र के करदाताओं के लिए वित्तीय वर्ष 2026-27 के संपत्ति कर पर 10 प्रतिशत छूट (रिबेट) की घोषणा की है। यह छूट उन करदाताओं को प्रदान की जाएगी जो अपने संपत्ति कर का भुगतान 30 जून अथवा उससे पूर्व कर देंगे। एनडीएमसी क्षेत्र के सभी संपत्ति स्वामियों से आग्रह किया जाता है कि वे इस लाभकारी योजना का अधिकतम लाभ उठाते हुए समय पर अपने संपत्ति कर का भुगतान करें तथा एनडीएमसी द्वारा प्रदान की गई सुविधाओं के माध्यम से उल्लेखनीय बचत का लाभ प्राप्त करें। एनडीएमसी क्षेत्र के करदाता परिषद के ऑनलाइन भुगतान पोर्टल अथवा परिषद द्वारा अधिसूचित अन्य अधिकृत भुगतान माध्यमों के माध्यम से भी अपने संपत्ति कर का भुगतान कर सकते हैं।

96 हजार स्मार्ट एलईडी लाइट से रौशन होंगी दिल्ली की सड़कें

नई दिल्ली। दिल्ली की सड़कों को जगमग करने के लिए पीडब्ल्यूडी द्वारा लगभग 96 हजार स्मार्ट एलईडी लाइट लगाई जा रही हैं। इसके लिए पीडब्ल्यूडी द्वारा टेंडर जारी कर दिया गया है और जल्द ही यह कार्य शुरू होने की उम्मीद है। नई स्मार्ट एलईडी लाइट पुरानी लाइटों के मुकाबले ज्यादा रोशनी देती हैं और बिजली की खपत भी इसमें कम होती है। प्रत्येक वर्ष इस परियोजना से 4 करोड़ यूनिट बिजली और 25 करोड़ रुपये बचने का अनुमान है। पीडब्ल्यूडी सूत्रों ने बताया कि दिल्ली की सड़कों पर मौजूदा समय में एचपीएसवी (हाइप्रेशर सोडियम वेपर) एवं एलईडी लाइटें लगी हुई हैं। पीडब्ल्यूडी द्वारा अपनी 1400 किलोमीटर लंबी सड़कों पर लगी इन सभी लाइटों को स्मार्ट एलईडी लाइट से बदलने की योजना है। 51 हजार से ज्यादा पोल पर कुल 96 हजार स्मार्ट एलईडी लाइटें लगाई जाएंगी। इनमें पांच हजार अतिरिक्त पोल भी लगाए जाएंगे ताकि डार्क स्पॉट खत्म किए जा सके। इस परियोजना में कुल 473 करोड़ की लागत आने का अनुमान है। टेंडर पाने वाली कंपनी को छह माह के भीतर यह कार्य पूरा करना होगा और पांच वर्षों तक इसकी देखरेख भी वह करेंगे। स्मार्ट प्रणाली की विशेषताएँ वर्तमान व्यवस्था में किसी स्ट्रीट लाइट के खराब होने या किसी क्षेत्र में अंधेरा होने की जानकारी मुख्य रूप से शिकायतों के माध्यम से मिलती है, जिसके कारण कई बार समस्याओं के समाधान में अनावश्यक देरी होती है। नई स्मार्ट प्रणाली के तहत प्रत्येक स्ट्रीट लाइट की रियल-टाइम मॉनिटरिंग संभव होगी, जिससे खराबी की तत्काल पहचान कर उसे शीघ्र ठीक किया जा सकेगा।

दिल्ली भाजपा अध्यक्ष ने प्रधानमंत्री के 12 साल की उपलब्धियों पर की चर्चा

● मोदी सरकार युवाओं की कल्पना के नये आत्मनिर्भर भारत के निर्माण को संकल्पित है --हर्ष मल्होत्रा

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार के 12 वर्ष पूरे होने के साथ नरेन्द्र मोदी के सर्वाधिक चुने हुए कार्यकाल वाले प्रधानमंत्री बनने का रिकॉर्ड स्थापित होने पर भारतीय जनता पार्टी अन्य कार्यक्रमों के साथ ही समाज के विशिष्ट व्यक्तियों के बीच केन्द्र सरकार की 12 साल की उपलब्धियों की चर्चा को लेकर जा रही है और उन्हें उपलब्धियों की पुस्तक भी भेंट कर रही है। इसी श्रृंखला में दिल्ली भाजपा अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा ने शहीद राजगुरु कालेज आफ अप्लाइड साइंस की प्राध्यापिका प्रो. पायल मगगो एवं कालेज की कुछ वरिष्ठ अध्यापकों एवं उत्कृष्ट छात्राओं के ग्रुप से भेंट करके प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी सरकार की उपलब्धियों की पुस्तिका भेंट करके उन पर चर्चा की। हर्ष मल्होत्रा ने कालेज परिसर में लगाई गई विगत 12 साल की प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सरकार की उपलब्धियों एवं मशरूम स्किल डेवलपमेंट की प्रदर्शनी देखी और साथ कालेज के मैदान में पौधारोपण भी किया।इस अवसर पर दिल्ली भाजपा के नेता एवं विश्वविद्यालय में प्रोफेसर अभिषेक टंडन, मयूर विहार जिला भाजपा अध्यक्ष विजेन्द्र धामा एवं निगम पार्षद मुनिशा ढेडा भी प्रदेश अध्यक्ष के साथ प्राध्यापिका एवं कालेज ग्रुप से मिले। हर्ष मल्होत्रा ने एक बैठक में प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत के नवनिर्माण के विजन की कालेज ग्रुप से चर्चा की और कहा की मोदी जी की सरकार आज के युवाओं की कल्पना को भलीभांति समझती है और युवाओं की कल्पना के नये आत्मनिर्भर भारत के निर्माण को संकल्पित है।

राष्ट्रीय लोक मोर्चा के राष्ट्रीय अधिवेशन में उपेन्द्र कुशवाहा पुनः राष्ट्रीय अध्यक्ष निर्वाचित

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। राष्ट्रीय लोक मोर्चा (रालोमो) का राष्ट्रीय अधिवेशन आज कॉन्स्टीट्यूशन क्लब ऑफ इंडिया, नई दिल्ली में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। अधिवेशन में सर्वसम्मति से पार्टी के संस्थापक एवं वरिष्ठ नेता श्री उपेन्द्र कुशवाहा को आगामी कार्यकाल (2026-29) के लिए पुनः राष्ट्रीय अध्यक्ष निर्वाचित किया गया। राष्ट्रीय निवार्ची पदाधिकारी प्रमोद कुमार सुमन ने उपेन्द्र कुशवाहा को प्रमाण पत्र सौंप कर राष्ट्रीय अध्यक्ष पद पर पुन निर्वाचन की घोषणा की। अधिवेशन में देश की वर्तमान राजनीतिक, सामाजिक एवं आर्थिक परिस्थितियों पर व्यापक चर्चा करते हुए कई महत्वपूर्ण राजनीतिक प्रस्ताव पारित किए गए। राष्ट्रीय लोक मोर्चा ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में हुए विकास कार्यों की सराहना करते हुए विश्वास व्यक्त किया कि भारत आने वाले वर्षों में वैश्विक स्तर पर नई ऊंचाइयों को प्राप्त करेगा। अधिवेशन ने बिहार के मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि राज्य में शिक्षा, स्वास्थ्य, उद्योग और रोजगार के क्षेत्र में अभी और व्यापक कार्य किए जाने की आवश्यकता है। पार्टी ने बिहार में युवाओं के पलायन को रोकने तथा कृषि आधारित उद्योगों के विस्तार को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की मांग की। राष्ट्रीय लोक मोर्चा ने न्यायिक नियुक्तियों में पारदर्शिता सुनिश्चित करने हेतु वर्तमान कॉलेजियम व्यवस्था की समीक्षा तथा संघ लोक सेवा आयोग (UPSC) की तर्ज पर भारतीय न्यायिक सेवा (Indian Judicial Service - IJS) के गठन की मांग दोहराई। पार्टी ने कहा कि न्यायिक व्यवस्था में सामाजिक न्याय, पारदर्शिता और समान अवसर सुनिश्चित होना चाहिए। अधिवेशन में वर्ष 2026 में प्रस्तावित परिसीमन को लेकर भी चिंता व्यक्त की गई। पार्टी ने मांग की कि लोकसभा सीटों का निर्धारण वास्तविक जनसंख्या के आधार पर किया जाए तथा बिहार जैसे राज्यों को उनका न्यायसंगत राजनीतिक प्रतिनिधित्व मिले। साथ ही अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति समुदायों को उनकी वर्तमान जनसंख्या के अनुरूप प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने की मांग की गई।

दिल्ली में महंगी हुई बिजली, 500 यूनिट से अधिक पर देने होंगे ज्यादा पैसे

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में बिजली उपभोक्ताओं खासकर व्यापारिक और औद्योगिक क्षेत्रों को बड़ा झटका लगा है। दिल्ली इलेक्ट्रिसिटी रेगुलेटरी कमीशन ने बिजली वितरण कंपनियों को पावर परचेजिंग एडजस्टमेंट चार्ज में उल्लेखनीय बढ़ोतरी की मंजूरी दे दी हैं। 10 जून से लागू हुई नई दरों का असर जुलाई के बिजली बिलों में दिखाई देगा। इस फैसले के बाद दिल्ली में कमर्शियल और इंडस्ट्रियल बिजली की लागत पड़ोसी राज्यों हरियाणा और उत्तर प्रदेश की तुलना में 15 से 20 प्रतिशत तक अधिक हो गई है। व्यापारिक संगठनों का कहना है कि बढ़ती लागत के कारण उद्योगों और वेयरहाउस का पलायन दिल्ली से बाहर होने का खतरा बढ़ गया है। दिल्ली के अलग-अलग क्षेत्रों में सप्लाई करने वाली कंपनियों को बढ़ोतरी की मंजूरी दी है। बीआरपीएल (वेस्ट, सेंट्रल और दक्षिणी दिल्ली) को बिजली बिलों पर 17.94प्रतिशत की बढ़ोतरी, बीवाईपीएल (ट्रांस यमुना क्षेत्र) को बिजली बिलों पर 17.43 प्रतिशत की बढ़ोतरी और टाटा पावर डीडीएल (उत्तरी व बाहरी दिल्ली) को बिजली बिलों पर 16 प्रतिशत पावर परचेजिंग एडजस्टमेंट चार्ज बढ़ोतरी की मंजूरी दी गई हैं।दिल्ली सरकार की बिजली सब्सिडी अभी भी जारी है। दिल्ली में अभी भी 0-200 यूनिट तक खपत पर पात्र घरेलू उपभोक्ताओं को पूरा बिल सब्सिडी के जरिए माफ किया जाता है।

रविन्द्र इन्द्राज सिंह ने किया 20 करोड़ की विकास परियोजनाओं का शुभारंभ

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। बवाना विधानसभा क्षेत्र के दीप विहार में दिल्ली सरकार के समाज कल्याण मंत्री एवं बवाना विधानसभा क्षेत्र से विधायक रविन्द्र इन्द्राज सिंह ने शहरी विकास निधि के अंतर्गत लगभग 20 करोड़ की लागत से विभिन्न विकास परियोजनाओं का शुभारंभ किया। इस अवसर पर क्षेत्र में सड़कों एवं नालियों के निर्माण कार्यों की शुरूआत की गई, जिससे दीप विहार सहित आसपास के क्षेत्रों में आधारभूत सुविधाओं को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया। इस अवसर पर उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए रविन्द्र इन्द्राज सिंह ने कहा कि दीप विहार बवाना विधानसभा का अत्यंत महत्वपूर्ण हिस्सा है तथा यहां के निवासियों की लंबे समय से सड़कों एवं जल निकासी व्यवस्था को बेहतर बनाने की मांग रही है। उन्होंने कहा कि विधायक बनने के बाद उन्होंने क्षेत्रवासियों से किए गए वादों को पूरा करने की दिशा में निरंतर कार्य किया और आज इन महत्वपूर्ण विकास परियोजनाओं का शुभारंभ किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि शहरी विकास निधि के माध्यम से क्षेत्र की आधारभूत सुविधाओं को सुदृढ़ करने के लिए आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराए जा रहे हैं, ताकि जनता को स्थायी और गुणवत्तापूर्ण विकास का लाभ मिल सके। उन्होंने कहा कि बवाना विधानसभा के सभी क्षेत्रों में प्राथमिकता के आधार पर विकास कार्य कराए जा रहे हैं और सरकार की प्रतिबद्धता है कि प्रत्येक कॉलोनी तक विकास पहुंचे। दीप विहार में सड़कों एवं नालियों के निर्माण कार्य पूर्ण होने के बाद क्षेत्र के नागरिकों को बेहतर आवागमन, स्वच्छ वातावरण तथा जल निकासी की बेहतर सुविधा प्राप्त होगी।

हरी नगर के डी बी ब्लॉक की सड़क बदहाल

● दिजबो ने सीवर कार्य के चार माह बाद भी सड़क को नहीं किया दुरुस्त

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। हरी नगर विधानसभा क्षेत्र का डी बी ब्लॉक इन दिनों प्रशासनिक उदासीनता का दंश झेल रहा है। दिल्ली जल बोर्ड द्वारा यहां विकास कार्य के नाम पर खोदी गई सड़क को पिछले चार महीनों से भगवान भरोसे छोड़ दिया गया है। सीवर लाइन डालने का काम तो महीनों पहले पूरा हो चुका है, लेकिन विभाग और संबंधित ठेकेदार सड़क की सुध लेना पूरी तरह भूल गए हैं। इस कारण स्थानीय जनता में भारी रोष है। लोगों को आने-जाने में काफी परेशानी हो रही है। डी बी ब्लॉक आरडब्ल्यूए के महासचिव दिनेश जैन ने बताया कि डी बी ब्लॉक की यह सड़क न केवल रिहायशी इलाके को जोड़ती है, बल्कि यह स्थानीय मार्केट का मुख्य मार्ग भी है। सड़क पर जगह-जगह गहरे गड्ढे और बिखरी हुई गिट्टियों के कारण यहां से पैदल चलना भी मुश्किल हो गया है। डी बी ब्लॉक मार्केट में आने वाले ग्राहकों की संख्या में भारी गिरावट आई है, जिसका सीधा असर स्थानीय दुकानदारों के व्यापार पर पड़ रहा है। व्यापारियों का कहना है कि गाड़ियों से उड़ने वाली धूल-मिट्टी के कारण दुकानों में रखा सामान खराब हो रहा है और दिनभर डस्ट एलर्जी का सामना करना पड़ता है। दिनेश जैन ने बताया कि सड़क की बदहाली को लेकर जनता में भारी आक्रोश है। लगभग चार महीने पहले सीवर का काम खत्म हो चुका था। नियमानुसार सड़क को तुरंत दुरुस्त किया जाना चाहिए था। लंबे समय के बाद भी यहां स्थिति जस की तस बनी हुई है। आए दिन दुपहिया वाहन चालक इन गड्ढों में गिरकर चोटिल हो रहे हैं। रात के समय यह मार्ग किसी बड़े हादसे को आमंत्रण देता प्रतीत होता है। स्थानीय निवासियों का आरोप है कि इस संबंध में कई बार शिकायत की जा चुकी है, लेकिन अभी तक समस्या जस की तस बनी हुई है।

दिल्ली पुलिस कमिश्नर ने बेहतरीन उपलब्धियों के लिए किया सम्मानित

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस मुख्यालय के विमर्श कॉन्फ्रेंस हॉल में एक सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इसमें दिल्ली पुलिस कमिश्नर सतीश गोलचाने दिल्ली पुलिस के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों की मौजूदगी में पुलिस कर्मियों को उनकी बेहतरीन उपलब्धियों और ड्यूटी के दौरान सराहनीय काम के लिए सम्मानित किया। उनकी असाधारण कोशिशों को देखते हुए और सेवा में लगातार बेहतरीन काम करने के लिए प्रोत्साहित करने के मकसद से दिल्ली पुलिस कमिश्नर ने साउथ डिस्ट्रिक्ट के महरौली पुलिस स्टेशन के कॉन्स्टेबल (एक्जीक्यूटिव) अंगद सिंह मीणा और कॉन्स्टेबल (एक्जीक्यूटिव) मनीष कुमार को आउट-ऑफ-टर्न प्रमोशन दिया। उन्हें हेड कॉन्स्टेबल (एक्जीक्यूटिव) के अगले पद पर प्रमोट किया गया है। यह प्रमोशन उन्हें साउथ डिस्ट्रिक्ट में 30 मई को हुई एक इमारत गिरने की घटना के दौरान दिखाई गई बेहतरीन हिम्मत और ड्यूटी के प्रति समर्पण के लिए दिया गया। अपनी जान की भारी परवाह न करते हुए दोनों पुलिस कर्मी मलबे के अंदर गए और फंसे हुए लोगों को सफलतापूर्वक बचाया। साथ ही उन्होंने बचाव और लोगों को सुरक्षित बाहर निकालने के कामों में मदद की, जिससे कई लोगों की जान बचाई जा सकी, जबकि उनकी अपनी सुरक्षा को भी भारी खतरा था। दिल्ली पुलिस कमिश्नर ने साउथ डिस्ट्रिक्ट के पुलिस कर्मियों को प्रतिष्ठित असाधारण कार्य पुरस्कार और हर एक को 50,000/- का नकद इनाम भी दिया। यह सम्मान उन्हें 3 जून को मालवीय नगर इलाके में हौज रानी स्थित फ्लोरिश स्टे में लगी भीषण आग की घटना के दौरान दिखाई गई असाधारण हिम्मत, समर्पण और बेहतरीन सेवा के लिए दिया गया। आग बहुत भीषण थी, इसलिए कई लोग इमारत के अंदर फंस गए थे।

रोहिणी विधानसभा क्षेत्र में विभिन्न विकास कार्यों का शुभारंभ

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेन्द्र गुप्ता ने रोहिणी विधानसभा क्षेत्र में विभिन्न नागरिक अवसंरचना परियोजनाओं का उद्घाटन किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि किसी भी शहर का वास्तविक मूल्यांकन केवल उसकी भव्य अवसंरचना से नहीं, बल्कि नागरिकों को उपलब्ध कराई जाने वाली जीवन गुणवत्ता से होता है। उन्होंने कहा कि विकास सड़कों, सार्वजनिक सुविधाओं और सामुदायिक स्थलों में स्पष्ट रूप से दिखाई देना चाहिए, जो नागरिक जीवन को अधिक सुगम और बेहतर बनाते हैं। कार्यक्रम के दौरान गुप्ता ने सेक्टर-18 स्थित ग्रीन वैली अपार्टमेंट्स में नव निर्मित शौचालय सुविधा तथा सेक्टर-7, पॉकेट ल-18 स्थित लोटस अपार्टमेंट्स में एक मनोरंजन केंद्र (रिक्रिएशन सेंटर) का उद्घाटन किया। इसके अलावे उन्होंने नाहरपुर गांव में गोपाल जनरल स्टोर से जिंदल ट्रेडर्स तक निर्मित आरएमसी सड़क, सेक्टर-8 के पॉकेट एफ-19 में मकान संख्या 24 से 44 तक निर्मित सड़क तथा पॉकेट एफ-15 एवं एफ-16 में नव निर्मित आरएमसी सड़कों को भी जनता को समर्पित किया। ये परियोजनाएं क्षेत्र में नागरिक सुविधाओं को सुदृढ़ करने और सार्वजनिक अवसंरचना को बेहतर बनाने के निरंतर प्रयासों का हिस्सा हैं। इस अवसर पर उपस्थित स्थानीय निवासियों को संबोधित करते हुए गुप्ता ने कहा कि मोहल्ला स्तर की अवसंरचना का नागरिकों के दैनिक जीवन पर सबसे प्रत्यक्ष और स्थायी प्रभाव पड़ता है। उन्होंने कहा कि गुणवत्तापूर्ण सड़कें, स्वच्छता सुविधाएं और सामुदायिक स्थल एक सुव्यवस्थित शहरी वातावरण के अनिवार्य घटक हैं, जो जनसुविधा, सुगमता और सामाजिक कल्याण को सुदृढ़ करते हैं। उन्होंने कहा कि विकास केवल बड़ी परियोजनाओं तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि उसका प्रभाव स्थानीय समुदायों में स्पष्ट रूप से दिखाई देना चाहिए। अध्यक्ष ने विकास कार्यों के क्रियान्वयन में पारदर्शिता, गुणवत्ता नियंत्रण और जन जवाबदेही पर विशेष बल दिया।

बहु-करोड़ रियल एस्टेट धोखाधड़ी के 9 मामलों में फरार उद्घोषित अपराधी गिरफ्तार

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा ने एक महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई है। शाखा ने एक ऐसे फरार उद्घोषित अपराधी को गिरफ्तार किया है, जो कई वर्षों से गिरफ्तारी से बच रहा था और बहु-करोड़ रुपये की रियल एस्टेट धोखाधड़ी से जुड़े अनेक मामलों में वांछित था। वर्ष 2019 में विभिन्न पीड़ितों द्वारा दायर अलग-अलग शिकायतों के आधार पर माननीय मुख्य महानगर दण्डाधिकारी, शाहदरा जिला, कड़कड़डूमा न्यायालय के निदेशों पर कुल 9 एफआईआर दर्ज की गई थीं। शिकायतों की जांच से यह स्पष्ट हुआ कि सभी मामलों में आरोपियों द्वारा अपनाया गया तरीका समान था तथा इनमें एक ही कंपनी एवं उसके पदाधिकारियों की संलिप्तता पाई गई।आरोपियों ने जीआरपीएल ग्लोब रियलिटी प्राइवेट लिमिटेड के माध्यम से वर्ष 2013 में हरियाणा के ग्रेटर फरीदाबाद स्थित ग्राम तिलोरी खादर में कृष्ण कुंज टाउनशिप नामक आवासीय परियोजना शुरू की थी। आकर्षक विज्ञापनों, भ्रामक आश्वासनों तथा एक विकसित आवासीय टाउनशिप का सपना दिखाकर उन्होंने आम लोगों को आवासीय प्लॉट खरीदने हेतु अपनी मेहनत की कमाई निवेश करने के लिए प्रेरित किया। इस परियोजना में लगभग 10.26 एकड़ भूमि पर 496 आवासीय प्लॉट विकसित किए जाने का दावा किया गया था। जांच के दौरान यह सामने आया कि आरोपी कंपनी एवं उसके निदेशकों द्वारा परियोजना के संबंध में तथ्यों को गलत तरीके से प्रस्तुत किया गया था तथा प्रस्तावित टाउनशिप के विकास हेतु उनके पास पर्याप्त वैध भूमि उपलब्ध नहीं थी। निवेशकों से बड़ी मात्रा में धनराशि एकत्रित करने के पश्चात आरोपियों ने न तो वादा किए गए प्लॉट प्रदान किए और न ही निवेश की गई राशि वापस की। इसके बाद वे परियोजना को अधूरा छोड़कर फरार हो गए, जिससे निवेशकों को भारी आर्थिक नुकसान हुआ। मामले के प्रमुख आरोपियों में से एक शिव नंदन सिंह यादव पुत्र श्री बालक राम यादव वर्ष 2019 से ही कानूनी कार्यवाही से बचने के लिए फरार चल रहा था। उसे तलाशने के लिए लगातार प्रयास किए गए, किन्तु वह गिरफ्तारी से बचता रहा। परिणामस्वरूप वर्ष 2023 में न्यायालय द्वारा उपरोक्त सभी 09 मामलों में उसे उद्घोषित अपराधी घोषित किया गया। आर्थिक अपराध शाखा की टीम ने लगातार प्रयास जारी रखे और आरोपी के ठिकाने के संबंध में विशेष सूचना विकसित की।

पर्यावरण के अनुकूल उत्पादों के साथ हम तेजी से आगे बढ़ रहें हैं- आशीष पाण्डेय

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली/गाज़ियाबाद। वर्ष 1992 से निर्माण क्षेत्र में अपनी मजबूत पहचान बना चुकी ओसियन थर्मोप्लास्टिक इलास्टमर्स प्राइवेट लिमिटेड आज देशभर में गुणवत्तापूर्ण और आधुनिक डब्ल्यूपीसी (वुड प्लास्टिक कम्पोजिट) उत्पादों के लिए जानी जा रही है। कंपनी अपने इको-फ्रेंडली उत्पादों और मजबूत निर्माण गुणवत्ता के कारण लगातार ग्राहकों का भरोसा जीत रही है।दकंपनी के मालिक आशीष पांडेय ने बताया कि ओसियन ग्रुप का उद्देश्य हमेशा विकास, गुणवत्ता और ग्राहकों की संतुष्टि को प्राथमिकता देना रहा है। कंपनी द्वारा तैयार किए जाने वाले डोर एंड फ्रेम उत्पाद आधुनिक तकनीक और उच्च गुणवत्ता वाले मटेरियल से बनाए जाते हैं, जो कई विशेषताओं से लैस हैं। कंपनी के अनुसार उनके डब्ल्यूपीसी उत्पाद पूरी तरह वाटरप्रूफ, टरमाइट प्रूफ और फायर रिटारडेंट हैं, जिससे यह लंबे समय तक सुरक्षित और टिकाऊ बने रहते हैं। यही कारण है कि निर्माण और इंटीरियर सेक्टर में कंपनी की मांग लगातार बढ़ रही है।ओसियन थर्मोप्लास्टिक इलास्टमर्स प्राइवेट लिमिटेड का नेटवर्क देश के कई बड़े शहरों तक फैला हुआ है, जिनमें जीरकपुर, हैदराबाद, गुडगाँव, मऊ, वाराणसी, चेन्नई, रांची और गाजियाबाद शामिल हैं। कंपनी का दावा है कि उनके वेयरहाउस में हमेशा पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध रहता है, ताकि ग्राहकों को समय पर डिलीवरी मिल सके। निर्माण उद्योग में तेजी से बदलते दौर के बीच ओसियन ग्रुप अपने आधुनिक, सुरक्षित और पर्यावरण के अनुकूल उत्पादों के जरिए बाजार में नई पहचान बना रहा है।

संक्षिप्त खबरें

राजधानी के प्रवेश बिंदुओं का सौंदर्यीकरण काम होगा तेज

नई दिल्ली। दिल्ली के प्रवेश बिंदुओं का सौंदर्यीकरण जल्द शुरू होगा। राजधानी में आने वाले यात्रियों को बेहतर अनुभव देने और छवि को निखारने के उद्देश्य से इस परियोजना का खाका खींचा गया है। इस योजना के तहत प्रमुख प्रवेश बिंदुओं पर हरियाली बढ़ाने, सड़कों के किनारे लैंडस्केपिंग, फसाड लाइटिंग, सजावटी मूर्तियां और कलात्मक संरचनाएं स्थापित की जाएंगी। इसके साथ ही फुटपाथों की मरम्मत, सड़कों के गड्ढे भरने, साइन बोर्ड को व्यवस्थित करने का काम किया जाएगा। पीडब्ल्यूडी ने इसके लिए प्रक्रिया शुरू कर दी है। अगले माह से इस पर काम शुरू होने की संभावना है अधिकारियों का कहना है कि दिल्ली में रोजाना लाखों लोग सड़क मार्ग से प्रवेश करते हैं, और प्रवेश स्थलों की वर्तमान स्थिति शहर की छवि के अनुकूल नहीं है। उन्होंने बताया कि पीडब्ल्यूडी के पास पांच प्रवेश बिंदु हैं। इनमें से एक नोएडा से आने वाले मयूर विहार से दिल्ली में प्रवेश करते हैं इस प्रवेश बिंदु का सौंदर्यीकरण किया जाएगा। इसके लिए टेंडर प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

जेएनयू में पीजी और एडीओपी पाठ्यक्रमों के लिए आवेदन 15 जून तक

नई दिल्ली। जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) ने शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए स्नातकोत्तर (पीजी) और एडवांस डिप्लोमा ऑफ प्रोफिसिएंसी (एडीओपी) कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन 15 जून तक होंगे। विश्वविद्यालय ने यह प्रक्रिया राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) द्वारा सीयूईटी-पीजी 2026 के परिणाम घोषित होने के बाद शुरू की है। विश्वविद्यालय की ओर से जारी अधिसूचना के अनुसार पात्र अभ्यर्थी 15 जून 2026 रात 11:50 बजे तक ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। आवेदन प्रक्रिया विश्वविद्यालय की प्रवेश वेबसाइट के माध्यम से पूरी की जाएगी। विश्वविद्यालय प्रशासन ने बताया कि अभ्यर्थियों को आवेदन के लिए अपने एनटीए आवेदन संख्या और जन्मतिथि का उपयोग लॉगिन आईडी और पासवर्ड के रूप में करना होगा। सीटों की संख्या, पात्रता और अन्य महत्वपूर्ण जानकारी पीजी एवं एडीओपी कार्यक्रमों के ई-प्रॉस्पेक्टस में उपलब्ध है। विश्वविद्यालय ने छात्रों को आवेदन से पहले पात्रता मानदंड और अन्य दिशा-निर्देश ध्यान से पढ़ने की सलाह दी है। साथ ही आगे के अपडेट के लिए विश्वविद्यालय की वेबसाइट ३३जर://[illegible].ल्ल नियमित रूप से देखने को कहा गया है।

शाम 5 से 8 बजे तक मैदानी ड्यूटी अनिवार्य

नई दिल्ली। राजधानी में सुरक्षा व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाने और यातायात जाम की समस्या पर नियंत्रण के उद्देश्य से दिल्ली पुलिस ने व्यापक दिशा-निर्देश जारी किए हैं। उपराज्यपाल टी.एस. संधू के निर्देश के बाद पुलिस आयुक्त की ओर से जारी परिपत्र में स्पष्ट किया गया है कि अब वरिष्ठ अधिकारियों की जवाबदेही बढ़ाई जाएगी और उन्हें नियमित रूप से जनता के बीच रहकर समस्याओं का समाधान सुनिश्चित करना होगा। नई व्यवस्था के तहत शाम 5 से रात 8 बजे तक का समय पूरी तरह मैदानी ड्यूटी के लिए निर्धारित किया गया है। इस अवधि में किसी भी स्तर पर कार्यालयी कार्य, बैठक अथवा आंतरिक समीक्षा आयोजित नहीं की जाएगी। जिला और यातायात पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी स्वयं सड़कों पर मौजूद रहेंगे तथा सुरक्षा और यातायात व्यवस्था का प्रत्यक्ष निरीक्षण करेंगे। परिपत्र में कहा गया है कि सप्ताह के अतिरिक्त सप्ताह में दो अवकाश दिनों में जिला पुलिस और यातायात पुलिस संयुक्त पैदल गश्त करेंगी। इसका उद्देश्य अपराधियों पर अंकुश लगाने के साथ-साथ लोगों में सुरक्षा की भावना को मजबूत करना है।

एसओएल से एमबीए सहित अन्य प्रोफेशनल कोर्स में 17 जून से होगा दाखिला

नई दिल्ली। नौकरी के साथ पढ़ाई जारी रखनी हो, प्रबंधन की पढ़ाई कर बेहतर करियर बनाना हो या फिर विदेशी भाषाएं सीखकर वैश्विक अवसरों तक पहुंच बनानी हो, ऐसे विद्यार्थियों के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय का कैंपस ऑफ ओपन लर्निंग (सीओएल) बड़ा अवसर लेकर आया है। 17 जून से एमबीए सहित कई व्यावसायिक और रोजगारोन्मुख पाठ्यक्रमों में दाखिले शुरू होने जा रहे हैं। इसके साथ ही विदेशी भाषाओं के प्रमाणपत्र और डिप्लोमा पाठ्यक्रमों के लिए भी प्रवेश प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। सीओएल के अंतर्गत संचालित स्कूल ऑफ ओपन लर्निंग (एसओएल), दूरस्थ एवं सतत शिक्षा विभाग तथा मुक्त अधिगम विकास केंद्र ने विद्यार्थियों के लिए कई नए अवसर उपलब्ध कराए हैं। सीओएल की निदेशक प्रो. पायल मागो ने बताया कि आठ प्रमुख विदेशी भाषाओं में एक वर्षीय प्रमाणपत्र और डिप्लोमा पाठ्यक्रम शुरू किए जा रहे हैं।

दिल्ली में जनता की आवाज कांग्रेस तक पहुंच रही : देवेंद्र यादव

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने कहा कि राजधानी में लोग अपनी समस्याओं और संकटों को लेकर आम आदमी पार्टी की निष्क्रियता और भारतीय जनता पार्टी सरकार की अनदेखी से निराश होकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं का दरवाजा खटखटा रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि जनता के बीच कांग्रेस की स्वीकार्यता लगातार बढ़ रही है और पार्टी एक बार फिर मजबूत विकल्प के रूप में उभर रही है। देवेंद्र यादव शनिवार को पूर्वी दिल्ली के कृष्णा नगर और पटपड़गंज जिला कांग्रेस कमेटियों द्वारा आयोजित एसआईआर प्रक्रिया से संबंधित बीएलए-2 प्रशिक्षण शिविरों को संबोधित कर रहे थे। कृष्णा नगर जिला कांग्रेस कमेटी की ओर से प्रीत विहार स्थित पूर्वा संस्कृति केंद्र में प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया गया, जबकि पटपड़गंज जिला कांग्रेस कमेटी का प्रशिक्षण शिविर वसुंधरा एन्क्लेव स्थित पूर्वी दिल्ली नगर निगम सामुदायिक केंद्र में संपन्न हुआ। प्रशिक्षण शिविरों का शुभारंभ देवेंद्र यादव ने दीप प्रज्वलित कर और वंदे मातरम के गायन के साथ किया। बूथ प्रबंधन समिति के अध्यक्ष राजेश गर्ग और उनकी टीम ने बीएलए-2 कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण प्रदान किया। देवेंद्र यादव ने कहा कि 30 जून से दिल्ली में एसआईआर प्रक्रिया शुरू होने जा रही है, जो आगामी 3 महीनों तक चलेगी। उन्होंने कार्यकर्ताओं से इसे चुनौती के रूप में स्वीकार करने का आह्वान करते हुए कहा कि पार्टी को पूरी गंभीरता और प्रतिबद्धता के साथ काम करना होगा। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा कथित तौर पर वोटों की चोरी की साजिश कर रही है और कांग्रेस कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारी है कि वे लोकतांत्रिक प्रक्रिया की निगरानी करते हुए ऐसी किसी भी कोशिश को सफल न होने दें। देवेंद्र यादव ने कहा, आने वाला समय बदलाव का है। यदि हम अपने अधिकारों की लड़ाई मजबूती से लड़ेंगे तो निश्चित रूप से भविष्य हमारा होगा। दिल्ली के सभी 13026 मतदान केंद्रों पर बीएलए-2 की नियुक्ति कर कांग्रेस ने संगठनात्मक मजबूती का परिचय दिया है। इससे भाजपा विचलित है और वह आगामी चुनाव में कांग्रेस को अपनी प्रमुख प्रतिद्वंद्वी मानने लगी है। उन्होंने कहा कि चुनावी पराजय के बाद आम आदमी पार्टी जनता के बीच दिखाई नहीं दे रही है और लोगों की समस्याओं के समाधान के लिए सक्रिय भूमिका नहीं निभा रही। वहीं भाजपा सरकार भी आम नागरिकों की परेशानियों की अनदेखी कर रही है। ऐसे में लोग अपनी समस्याओं को लेकर कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं से संपर्क कर रहे हैं देवेंद्र यादव ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी का उल्लेख करते हुए कहा कि वह देश और नागरिकों के अधिकारों की लड़ाई सड़क से लेकर संसद तक मजबूती से लड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि जब भी देशहित, लोकतंत्र या नागरिक अधिकारों से जुड़े मुद्दे सामने आते हैं, राहुल गांधी मुखर होकर अपनी बात रखते हैं।

कृष्ण में रुका और रुझा मन ही रुक्मिणी : स्वामी राजेश्वरानंद

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। शाहदरा के गोरख पार्क स्थित श्री राजमाता झंडेवाला मंदिर में पुरुषोत्तम मास के अवसर पर आयोजित श्रीमद्भागवत कथा के छठवें दिन श्रद्धा और भक्ति का अनुपम संगम देखने को मिला। कृष्ण-रुक्मिणी मंगल प्रसंग पर प्रवचन देते हुए स्वामी राजेश्वरानंद जी महाराज ने कहा कि रुक्मिणी का वास्तविक अर्थ उस मन से है, जो भगवान श्रीकृष्ण में रुक जाए और उन्हीं में रुझ जाए। मन को प्रभु के चरणों में समर्पित कर देना ही जीव का परम कल्याण है। उन्होंने कहा कि केवल संसार का त्याग कर देना ही फकीरी नहीं है, बल्कि मन और स्वभाव में भी आध्यात्मिकता का समावेश होना चाहिए। सांसारिक कष्टों से पीड़ित होकर लोग दुनिया छोड़ने की बातें करते हैं, जबकि आवश्यकता परमात्मा से अपने संबंध को दृढ़ करने की है। स्वामी राजेश्वरानंद जी महाराज ने कहा, जब तक भगवद्प्राप्ति की राह में समर्पण और प्रेम के आंसू आंखों में न उतरें, तब तक फकीरी के वास्तविक अर्थों को समझा नहीं जा सकता। रुक्मिणी ने राजसी वैभव और सांसारिक सुखों का त्याग कर भगवान श्रीकृष्ण को पाने का संकल्प लिया और अडिग निश्चय के बल पर उन्हें प्राप्त किया। उन्होंने आगे कहा कि संतों का जीवन समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए होता है। संत बुराई को अच्छाई में परिवर्तित करने का कार्य करते हैं। उन्होंने नारद और वाल्मीकि, बुद्ध और अंगुलिमाल तथा अजामिल जैसे प्रसंगों का उल्लेख करते हुए कहा कि संतों की महिमा वहीं सिद्ध होती है, जहां पीड़ा, अज्ञान और दुष्ट प्रवृत्तियां होती हैं। स्वामी राजेश्वरानंद जी महाराज ने कहा कि जिस प्रकार चिकित्सक की उपयोगिता रोगी के लिए होती है, उसी प्रकार संतों की आवश्यकता दुख और अशांति से घिरे समाज को होती है। संत अपने विचारों और आचरण से दुख के वातावरण को भी शांति और सद्भाव में परिवर्तित कर देते हैं। स्वर्ग और नरक कोई स्थान नहीं, बल्कि मनुष्य के विचारों और कर्मों से निर्मित अवस्थाएं हैं। सद्गुरु राजदरबार के प्रबंधक राम वोहरा ने बताया कि दरबार के सेवादार राजीव शर्मा द्वारा एक ऐसी वेबसाइट तैयार की गई है, जिसमें श्री राजमाता झंडेवाला मंदिर समूह की देश-विदेश में संचालित धार्मिक, सामाजिक और आध्यात्मिक गतिविधियों की जानकारी उपलब्ध कराई गई है। वेबसाइट का शुभारंभ स्वामी राजेश्वरानंद जी महाराज और दिल्ली पुलिस की पूर्वी परिक्षेत्र इकाई के संयुक्त पुलिस आयुक्त डॉ. अजीत कुमार सिंगला ने संयुक्त रूप से किया।

अपहरण-हत्या मामले में वांछित दो बदमाशों को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने 11 और 12 जून की रात दक्षिण दिल्ली में हुई मुठभेड़ के बाद दो ऐसे अपराधियों को गिरफ़्तार किया है। पकड़े गये अपराधियों पर 50-50 हजार रुपये का इनाम था और जो गाज़ियाबाद पुलिस को अपहरण और हत्या के एक मामले में वांछित थे। मुठभेड़ के दौरान दोनों आरोपियों के पैरों में गोली लगी और उन्हें पुलिस सुरक्षा में अस्पताल ले जाया गया। विशेष पुलिस आयुक्त (अपराध) एच.जी.एस. धालीवाल ने बताया कि इस अभियान में बेहतरीन योजना , शानदार तालमेल और असाधारण व्यावसायिकता देखने को मिला, जिससे संदिग्धों के पास पुलिस की पकड़ से बचने का कोई मौका नहीं बचा। उन्होंने कहा कि हथियारों के स्रोत और आरोपियों की मदद करने वाले आपराधिक नेटवर्क की आगे की जांच चल रही है। अपराध शाखा के अनुसार, एक टीम को खास जानकारी मिली थी कि दो संदिग्ध दिल्ली में घुस आए हैं और पुरानी रंजिश के चलते किसी और हिंसक वारदात को अंजाम देने की योजना बना रहे हैं। इसके बाद वरिष्ठ अधिकारियों की देखरेख में एक विशेष टीम बनाई गई और दक्षिण दिल्ली में मालवीय नगर स्थित अरबिंदो कॉलेज के पास निगरानी रखी गई। पुलिस ने बताया कि दोनों लोग रात करीब दो बजे मोटरसाइकिल पर दिखे और उन्हें रुकने के लिए कहा गया। हालांकि, उन्होंने भागने की कोशिश की और सेमी-ऑटोमैटिक पिस्तौल से पुलिस टीम पर गोली चला दी। गोलीबारी के दौरान सहायक पुलिस आयुक्त सतेंद्र मोहन की बुलेट-प्रूफ जैकेट ने गोली का असर झेल लिया, जिससे अधिकारी को कोई चोट नहीं आई। पुलिस टीम ने जवाबी कार्रवाई की और दोनों आरोपियों को काबू कर लिया। अधिकारियों ने बताया कि उनके पास से इटली में बनी एक .32 बोर बेरेटा सेमी-ऑटोमैटिक पिस्तौल, एक .30 बोर सेमी-ऑटोमैटिक पिस्तौल, चार ज़िंदा कारतूस और एक चोरी की मोटरसाइकिल बरामद की गई है। आरोपियों की पहचान सौरभ उर्फ भोला उर्फ प्रिंस (25) और गोपाल (23) के तौर पर हुई है, जो उत्तर प्रदेश के गाज़ियाबाद ज़िले के लोनी के रहने वाले हैं।

अंग्रेजी माध्यम से हिंदी में बदलाव की जांच शुरू

नई दिल्ली। सरकारी विद्यालयों में कक्षा 11 के विद्यार्थियों को अंग्रेजी माध्यम से हिंदी माध्यम में स्थानांतरित किए जाने की शिकायतों पर शिक्षा निदेशालय ने औपचारिक जांच शुरू कर दी है। इस मामले ने अभिभावकों और विद्यार्थियों की चिंता बढ़ा दी है। अधिवक्ता अशोक अग्रवाल की ओर से दर्ज कराई गई शिकायत में आरोप लगाया गया है कि कुछ विद्यालयों में अंग्रेजी माध्यम की कक्षाओं को बंद किया जा रहा है या उन्हें हिंदी माध्यम के साथ मिला दिया गया है। इससे विद्यार्थियों को अपनी चुनी हुई भाषा में अध्ययन जारी रखने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।शिकायत के अनुसार, उत्तर-पूर्वी दिल्ली के कुछ सरकारी विद्यालयों में यह स्थिति सामने आई है। इनमें सीआर दास सर्वोदय कन्या विद्यालय का नाम भी शामिल है। बताया गया है कि 10वीं तक अंग्रेजी माध्यम से पढ़ने वाले विद्यार्थियों को 11वीं में उसी माध्यम में अध्ययन के पर्याप्त अवसर नहीं मिल रहे हैं।

विशेष विद्यालयों में प्रवेश का अवसर, 26 जून तक करें आवेदन

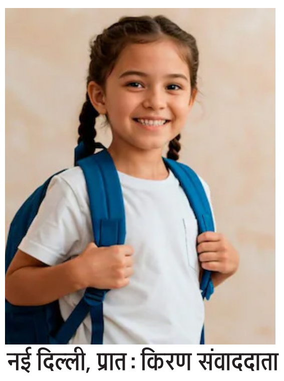

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। राजधानी के विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के लिए राहत भरी खबर है। शिक्षा निदेशालय ने शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए दिल्ली के 12 विशेष सरकारी विद्यालयों में प्रवेश प्रक्रिया का दूसरा चरण आरंभ कर दिया है। इच्छुक अभिभावक 26 जून को शाम 5 बजे तक आवेदन कर सकते हैं। यह प्रवेश प्रक्रिया दृष्टिबाधित, श्रवण बाधित, बौद्धिक दिव्यांगता से ग्रस्त तथा अन्य विकासात्मक विशेष आवश्यकताओं वाले बच्चों के लिए संचालित की जा रही है। इन विद्यालयों में नर्सरी से लेकर 12वीं कक्षा तक प्रवेश की सुविधा उपलब्ध है, ताकि बच्चों को उनकी आवश्यकता के अनुरूप शिक्षण वातावरण और सहयोग मिल सके। शिक्षा निदेशालय के अनुसार, ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया पूरी होने के बाद 27 जून से 30 जून तक संबंधित विशेष विद्यालयों में दस्तावेजों का भौतिक सत्यापन किया जाएगा। इस दौरान अभिभावकों को सभी मूल प्रमाणपत्रों के साथ उपस्थित होना अनिवार्य होगा।प्रवेश के लिए चयन सूची 7 जुलाई को जारी की जाएगी। यदि किसी कक्षा में उपलब्ध सीटों की तुलना में आवेदन अधिक प्राप्त होते हैं, तो चयन प्रक्रिया पारदर्शी तरीके से अभिभावकों की उपस्थिति में चिट्ठी निकालकर की जाएगी।

करोड़ों के घर, फिर भी पानी को तरसे 400 परिवार

नई दिल्ली। दक्षिणी दिल्ली के वसंत कुंज के डी-1 ब्लॉक में रहने वाले 400 से अधिक परिवार पिछले दो माह से गंभीर पेयजल संकट का सामना कर रहे हैं। भीषण गर्मी के बीच पानी की कमी ने लोगों की दैनिक दिनचर्या को बुरी तरह प्रभावित कर दिया है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि जलापूर्ति की पाइप लाइन में पानी का दबाव बेहद कम होने के कारण घरों तक पर्याप्त पानी नहीं पहुंच पा रहा है। समस्या के समाधान के लिए गेट संख्या 4 के पास लगाया गया भूमिगत पंप भी पिछले लगभग 3 माह से खराब पड़ा है, जिससे हालात और बिगड़ गए हैं। निवासियों ने दिल्ली जल बोर्ड, मुख्यमंत्री, उपराज्यपाल और जनप्रतिनिधियों से कई बार शिकायत की, लेकिन अब तक कोई ठोस समाधान नहीं निकल सका है।

डीयू के कैंपस ऑफ ओपन लर्निंग में विदेशी भाषा प्रोग्राम सहित कई प्रमुख प्रोफेशनल कोर्सों में दाखिले शुरू

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय के कैंपस ऑफ ओपन लर्निंग (सीओएल) के तहत स्कूल ऑफ ओपन लर्निंग (एसओएल), डिपार्टमेंट ऑफ डिस्टेंस एंड कंटिन्यूइंग एजुकेशन (डीडीसीई) और ओपन लर्निंग डेवलपमेंट सेंटर (ओएलडीसी) ने आठ विदेशी भाषाओं में एक साल के सर्टिफिकेट कोर्स और एक साल के डिप्लोमा कोर्स के लिए दाखिला प्रक्रिया शुरू करने की घोषणा कर दी है।सीओएल की निदेशक प्रो. पायल मागो ने शनिवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि ये प्रोग्राम जर्मन, फ्रेंच, स्पेनिश, इटैलियन, पुर्तगाली, चीनी, जापानी और कोरियाई भाषाओं में दिल्ली विश्वविद्यालय के डिपार्टमेंट ऑफ जर्मनिक एंड रोमांस स्टडीज और डिपार्टमेंट ऑफ ईस्ट एशियन स्टडीज के सहयोग से पेश किए जा रहे हैं। बेहतर भाषा शिक्षा तक पहुंच बढ़ाने के लिए ओएलडीसी जल्द ही इन प्रोग्राम को ऑनलाइन मोड में भी शुरू करेगा, जिससे देश भर के विद्यार्थी इनमें शामिल हो सकेंगे।उन्होंने कहा कि अपने अंतरराष्ट्रीय भाषा प्रोग्राम के पोर्टफोलियो को और मजबूत करते हुए, ओएलडीसी दिल्ली विश्वविद्यालय के डिपार्टमेंट ऑफ स्लावोनिक एंड फिनो-उग्रियन स्टडीज के सहयोग से रूसी भाषा में भी एक साल के सर्टिफिकेट और एक साल के डिप्लोमा कोर्स शुरू करने जा रहा है। रूसी भाषा का प्रोग्राम क्लासरूम और ऑनलाइन, दोनों मोड में पेश किया जाएगा। प्रो. पायल मागो ने बताया कि दिल्ली विश्वविद्यालय के कैंपस ऑफ ओपन लर्निंग के स्कूल ऑफ ओपन लर्निंग (एसओएल) और डिपार्टमेंट ऑफ डिस्टेंस एंड कंटिन्यूइंग एजुकेशन (डीडीसीई) द्वारा पेश किए जाने वाले प्रमुख प्रोग्रामों के लिए दाखिले 17 जून से शुरू होंगे।उन्होंने प्रमुख प्रोग्राम की जानकारी देते हुए बताया कि मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (एमबीए), मास्टर ऑफ लाइब्रेरी एंड इंफॉर्मेशन साइंस, बैचलर ऑफ लाइब्रेरी एंड इंफॉर्मेशन साइंस और पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन एडवरटाइजिंग एंड डिजिटल मीडिया लीडरशिप (पीजीडीएडीएलएम) है। प्रो. पायल मागो ने कहा कि इन प्रोग्राम का मकसद फ्लेक्सिबल लर्निंग के जरिए बेहतर उच्च शिक्षा, प्रोफेशनल डेवलपमेंट और करियर में आगे बढ़ने के मौके देना है।

शरजील इमाम और उमर खालिद की नई जमानत याचिकाओं पर कोर्ट ने जारी किया नोटिस

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने शनिवार को 2020 के दंगों से जुड़ी बड़ी साजिश के मामले में शरजील इमाम और उमर खालिद की ओर से दायर नई जमानत याचिकाओं पर दिल्ली पुलिस से जवाब मांगा है। कोर्ट ने जमानत याचिकाओं पर नोटिस जारी किया और दिल्ली पुलिस को अपना जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया। मामले की अगली सुनवाई 4 जुलाई को होगी।दोनों आरोपियों ने गैरकानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) और अन्य दंडात्मक प्रावधानों के तहत दर्ज मामले में नियमित जमानत याचिकाएं दायर की हैं। अपनी याचिका में शरजील इमाम ने कहा कि जनवरी में सुप्रीम कोर्ट द्वारा उनकी जमानत अर्जी खारिज किए जाने के छह महीने से ज्यादा समय बीतने के बावजूद, मुकदमे में कोई ठोस प्रगति नहीं हुई है। अर्जी में कहा गया है कि आरोप तय करने के सवाल पर बहस अभी पूरी नहीं हुई है और इमाम इस मामले में लगभग छह साल से जेल में बंद हैं।खालिद ने भी ट्रायल कोर्ट में नियमित जमानत की मांग की है। दोनों अर्जियों पर एक साथ सुनवाई हुई, जिसके बाद कोर्ट ने दिल्ली पुलिस का पक्ष जानना चाहा। इस साल की शुरूआत में सुप्रीम कोर्ट ने खालिद और इमाम की जमानत अर्जियां खारिज कर दी थीं। कोर्ट ने माना कि अभियोजन पक्ष के सबूतों से प्रथम दृष्टया ऐसे आधार सामने आए हैं, जिनके कारण यूएपीए की धारा 43डी(5) के तहत जमानत देने पर कानूनी रोक लागू होती है। इसी दौरान, सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में पांच अन्य आरोपियों, गुलफिशा फातिमा, मीरान हैदर, शिफा-उर-रहमान, मोहम्मद सलीम खान और शादाब अहमद, को जमानत दे दी।हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने तस्लीम अहमद और खालिद सैफी को छह महीने की अंतरिम जमानत दी। साथ ही, कोर्ट ने एक बड़ी बेंच को यह सवाल भी भेजा कि क्या यूएपीए की धारा 43डी(5) में दी गई पाबंदियों के बावजूद, लंबे समय तक जेल में रहने और ट्रायल में देरी के आधार पर जमानत दी जा सकती है।

त्रिलोकपुरी में घायल मिली मानसिक रूप से अस्वस्थ महिला, दुष्कर्म की आशंका

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

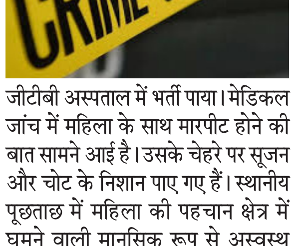

नई दिल्ली। त्रिलोकपुरी के 27 ब्लॉक क्षेत्र में मानसिक रूप से अस्वस्थ एक महिला के घायल अवस्था में मिलने के बाद इलाके में तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गई हैं। स्थानीय लोगों ने महिला के साथ दुष्कर्म किए जाने की आशंका जताई है। हालांकि पुलिस का कहना है कि अभी तक दुष्कर्म की पुष्टि नहीं हुई है और मामले की सभी पहलुओं से जांच की जा रही है। पुलिस के अनुसार 12 जून की सुबह करीब 6:30 बजे पीसीआर कॉल के माध्यम से सूचना मिली थी कि 27 ब्लॉक के पास एक महिला घायल अवस्था में पड़ी हुई है। सूचना मिलते ही मयूर विहार थाना पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन वहां महिला और कॉल करने वाला व्यक्ति नहीं मिला। बाद में पता चला कि एंबुलेंस महिला को अस्पताल लेकर जा चुकी है। पुलिस टीम ने तलाश के बाद महिला को जीटीबी अस्पताल में भर्ती पाया। मेडिकल जांच में महिला के साथ मारपीट होने की बात सामने आई है। उसके चेहरे पर सूजन और चोट के निशान पाए गए हैं। स्थानीय पूछताछ में महिला की पहचान क्षेत्र में घूमने वाली मानसिक रूप से अस्वस्थ और बेसहारा महिला के रूप में हुई है। घटना की जानकारी फैलने के बाद इलाके के कुछ लोगों ने महिला के साथ दुष्कर्म किए जाने की आशंका जताई। लोगों का कहना है कि महिला जिस हालत में मिली, उसे देखते हुए मामले की गंभीरता से जांच होनी चाहिए। हालांकि पुलिस अधिकारियों का कहना है कि अभी तक उपलब्ध मेडिकल दस्तावेजों में शारीरिक हमला होने का उल्लेख है और दुष्कर्म की पुष्टि संबंधी कोई अंतिम निष्कर्ष सामने नहीं आया है। महिला की मानसिक स्थिति ठीक नहीं होने के कारण वह घटना के संबंध में कोई स्पष्ट बयान देने में सक्षम नहीं है। डॉक्टरों के अनुसार वह होश में है, लेकिन मानसिक रूप से अस्वस्थ होने के कारण घटनाक्रम बताने की स्थिति में नहीं है। इसी वजह से जांच एजेंसियों को मामले की तह तक पहुंचने में कठिनाई हो रही है। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण करने के लिए क्राइम टीम और एफएसएल टीम को बुलाया। मौके से साक्ष्य जुटाए गए हैं और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि मेडिकल रिपोर्ट, एफएसएल जांच और अन्य साक्ष्यों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल आरोपित की पहचान नहीं हो सकी है।

पूर्वी दिल्ली के हाउस टैक्स शिविरों में उमड़ी भीड़

नई दिल्ली। नगर निगम पूर्वी जोन द्वारा आयोजित हाउस टैक्स सहायता एवं जमा शिविरों में आम लोगों और व्यापारियों का उत्साहजनक संख्या रहा। इन शिविरों के माध्यम से दिल्ली नगर निगम को कुल 37.30 लाख रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ, वहीं लोगों को कर संबंधी समस्याओं के समाधान और समय पर कर जमा करने के लिए प्रोत्साहित किया गया। ललिता पार्क स्थित ज्वाइंट एक्शन कमेटी (आरडब्ल्यूए), लक्ष्मी नगर द्वारा आयोजित हाउस टैक्स सहायता एवं जमा शिविर में 48 संपत्ति स्वामियों ने करीब 2.30 लाख रुपये का हाउस टैक्स जमा कराया। शिविर के दौरान नागरिकों को संपत्ति कर निर्धारण, बकाया राशि और आनलाइन भुगतान प्रक्रिया से संबंधित जानकारी भी उपलब्ध कराई गई। यह शिविर निगम अधिकारी रजत दहिया के सहयोग से संपन्न हुआ। आरडब्ल्यूए अध्यक्ष अनीश गर्ग ने कहा कि ऐसे शिविरों से नागरिकों का समय और संसाधनों की बचत होती है तथा सरकारी सेवाओं तक उनकी पहुंच आसान बनती है।

चोरी के मोबाइल अनलॉक कर बेचने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की पूर्वी जिला स्पेशल स्टाफ ने मोबाइल चोरी और अवैध तस्करी से जुड़े एक संगठित गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 45 एंड्रॉयड मोबाइल फोन, 22 मोबाइल फोन बॉडी, एक लैपटॉप और मोबाइल फोन की सुरक्षा प्रणाली को तोड़ने में इस्तेमाल होने वाला चीनी एएमपी (एएमपी) टूल बरामद किया है। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी करोल बाग के गफ्फार मार्केट स्थित एक मोबाइल रिपेयरिंग और सॉफ्टवेयर सर्विसिंग केंद्र का संचालन करते थे। आरोप है कि वे चोरी या संदिग्ध तरीके से प्राप्त मोबाइल फोन खरीदकर अत्याधुनिक सॉफ्टवेयर टूल्स की मदद से उनके सुरक्षा लॉक और फैक्ट्री रीसेट प्रोटेक्शन (एफआरपी) को बायपास करते थे, जिससे उन्हें दोबारा बेचने में आसानी हो सके। पूर्वी जिला पुलिस को मोबाइल फोन बरामदगी अभियान के दौरान इस नेटवर्क के बारे में विशेष सूचना मिली थी। इसके बाद स्पेशल स्टाफ की टीम ने तकनीकी जांच, स्थानीय स्तर पर पूछताछ और निगरानी के जरिए जानकारी की पुष्टि की। पर्याप्त साक्ष्य मिलने पर करोल बाग के बीडन पुरा इलाके में स्थित केजीएन सॉफ्टवेयर एंड मोबाइल रिपेयरिंग इंस्टीट्यूट पर छापा मारा गया। छापेमारी के दौरान पुलिस ने बड़ी संख्या में मोबाइल फोन और इलेक्ट्रॉनिक उपकरण बरामद किए। मौके पर मौजूद व्यक्तियों से बरामद मोबाइल फोनों के स्वामित्व से संबंधित दस्तावेज मांगे गए, लेकिन वे कोई संतोषजनक रिकॉर्ड प्रस्तुत नहीं कर सके। इसके बाद दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान 29 वर्षीय मोहम्मद जलाल और 27 वर्षीय इमरान के रूप में हुई है। मोहम्मद जलाल उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद के लोनी क्षेत्र का निवासी है, जबकि इमरान नई दिल्ली के राजपुर खुर्द एक्सटेंशन का रहने वाला है। दोनों 12वीं पास हैं और मोबाइल सॉफ्टवेयर तकनीशियन के रूप में कार्य कर रहे थे। पूछताछ में आरोपियों ने स्वीकार किया कि वे चीनी एएमपी टूल का उपयोग कर मोबाइल फोनों के एफआरपी और अन्य सुरक्षा फीचर्स को हटाते थे।

कोर्ट परिसरों में लगेंगे आधुनिक फायर अलार्म सिस्टम

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। राजधानी के कोर्ट परिसरों में आग से सुरक्षा के इंतजामों को आधुनिक बनाने की दिशा में लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) बड़ा कदम उठाने जा रहा है। इसकी शुरूआत कड़कड़डूमा कोर्ट से होगी, जहां लगे पुराने पारंपरिक फायर अलार्म सिस्टम को हटाकर ऑटोमेटिक एड्रेसेबल इंटेलिजेंट फायर अलार्म सिस्टम लगाया जाएगा। इसके लिए टेंडर प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इस पर करीब 36.55 लाख रुपये की लागत आएगी। पीडब्ल्यूडी के एक अधिकारी ने बताया कि पारंपरिक फायर अलार्म सिस्टम की सबसे बड़ी कमी यह है कि इसमें एक ही जोन के सभी डिटेक्टर एक सर्किट से जुड़े होते हैं। अलार्म बजने पर सिर्फ यह पता चलता है कि किस जोन में आग लगी है, लेकिन सटीक स्थान का पता नहीं चलता। इससे आग बुझाने और बचाव कार्य में देरी हो सकती है, साथ ही फॉल्ट या खराबी की अलग-अलग जानकारी भी नहीं मिल पाती। इसके विपरीत ऑटोमेटिक एड्रेसेबल इंटेलिजेंट सिस्टम में हर डिटेक्टर का अपना यूनिक एड्रेस होता है। इससे कंट्रोल पैनल पर ठीक-ठीक पता चलता है कि किस डिटेक्टर यानी किस कमरा या स्थान पर आग लगी है। इससे आग पर तेज और सटीक प्रतिक्रिया संभव होती है। इसकी निगरानी व मेंटेनेंस भी आसान हो जाती है।

200 यूनिट से ज्यादा खपत वालों पर बढ़ेगा बिजली बिल का बोझ

नई दिल्ली। डीईआरसी द्वारा पीपीएसी (पावर परचेज एडजसटमेंट कॉस्ट) बढ़ाए जाने का असर दिल्ली सरकार से बिजली सब्सिडी (200 यूनिट तक) का लाभ लेने वाले उपभोक्ताओं पर नहीं पड़ेगा। वहीं इससे ज्यादा बिजली इस्तेमाल करने वालों पर पीपीएसी शुल्क लगभग 3 फीसदी बढ़ाया गया है। शनिवार को ऊर्जा मंत्री आशीष सूद ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि पश्चिम एशिया में चल रहे संकट और अन्य अंतरराष्ट्रीय कारणों से ईंधन की कीमतों में भारी वृद्धि हुई है, जिससे बिजली खरीद की लागत लगभग 31 प्रतिशत बढ़ गई है। दिल्ली के ऊर्जा मंत्री आशीष सूद ने कहा कि पीपीएसी कोई नई व्यवस्था नहीं है। यह बिजली कानूनों के तहत पहले से मौजूद एक प्रावधान है, जिसके माध्यम से बिजली कंपनियां ईंधन और बिजली खरीद की बढ़ी हुई लागत बिल में समायोजित करती है। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार के प्रयासों से उपभोक्ताओं पर इसका प्रभाव बहुत कम रखा गया है। बिजली खरीद की लागत 31 प्रतिशत बढ़ने के बावजूद दिल्ली विद्युत विनियामक आयोग (डीईआरसी) ने औसतन केवल 2.5 से 3 प्रतिशत पीपीएसी वृद्धि की अनुमति दी है।

मैथिली रंगमंच ने समाज और संस्कृति को दी नई दिशा : उदय नारायण सिंह नचिकेता

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। मैथिली रंगमंच आंदोलन की बहुत दीर्घ तो नहीं, लेकिन स्वतंत्र भारत में एक सतत परंपरा रही है। जैसा कि अन्य कई भाषाओं में रंगकर्म की शुरूआत पहले अनुवाद से हुई, उसी तरह मैथिली में रंगमंच आंदोलन को गति देने के लिए अनुवाद के साथ-साथ मौलिक नाटकों का भी लेखन हुआ। मैथिली रंगमंच ने समाज और संस्कृति को नई दिशा दी। हालांकि मैथिली में गोरक्ष विजय और धूर्तसमागम जैसे मौलिक नाटक पहले से मौजूद रहे हैं। यह बात प्रमुख नाटककार, कवि और भाषाविद उदय नारायण सिंह नचिकेता ने साहित्य अकादमी और मैथिली लोक रंग (मैलोरंग) के संयुक्त तत्वावधान में राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय के अंतर्मुख सभागार में आयोजित मैथिली रंगमंच आंदोलन पर परिसंवाद में कहा। बीज वक्तव्य देते हुए प्रदीप बिहारी ने कहा कि अनेक रंग आंदोलनों से गुजरते हुए आज मैथिली रंगमंच का परिदृश्य बहुत समृद्ध हुआ है और मिथिला के विभिन्न शहरों से लेकर ग्रामीण इलाकों तक में हो रहे नाटकों और रंगकर्म की चुनौतियों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि मिथिला समाज को रंगकर्मियों को प्रोत्साहित करने के लिए कदम उठाना चाहिए और नाटकों में अभिनय प्रदर्शन करने वालों को बढ़ावा देने के लिए पुरस्कार और सम्मान की व्यवस्था करनी चाहिए।नमोनारायण मिश्र ने कोलकाता में रंगमंच से जुड़ी संस्थाओं और रंगकर्मियों के रंगमंच आंदोलन को आगे बढ़ाने के लिए किए गए योगदान की चर्चा की। किसलय कृष्ण ने मिथिला और नेपाल में मैथिली रंगमंच की गतिविधियों पर शोधपूर्ण आलेख का पाठ किया।

नीट यूजी पुनर्परीक्षा 21 को, सभी इंतजाम पुख्ता करने के निर्देश

- -डीसी ने विभागीय अधिकारियों और मुख्य सचिव समेत एनटीए महानिदेशक ने उपायुक्तों के साथ की बैठक

प्रात : किरण संवाददाता

गुरुग्राम। आगामी 21 जून को होने वाली राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट-यूजी) 2026 की पुनर्परीक्षा को लेकर प्रशासन अलर्ट मोड पर है। विभागों को सभी इंतजाम पुख्ता करने के निर्देश दिए गए हैं। परीक्षा को निष्पक्ष, पारदर्शी और शांतिपूर्ण ढंग से कराने के लिए जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। डीसी उत्तम सिंह ने शनिवार को लघु सचिवालय में आयोजित समीक्षा बैठक में संबंधित विभागों के अधिकारियों को परीक्षा से जुड़ी सभी व्यवस्थाएं समय पर पूरी करने और बेहतर समन्वय के साथ काम करने के निर्देश दिए। इससे पहले राज्य के मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी और एनटीए के महानिदेशक अभिषेक सिंह ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए प्रदेश के सभी जिलों के उपायुक्तों के साथ समीक्षा बैठक की। इस दौरान परीक्षा केंद्रों पर सुरक्षा व्यवस्था, अभ्यर्थियों की सुविधा, गोपनीयता बनाए रखने तथा विभिन्न विभागों के बीच समन्वय को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। डीसी उत्तम सिंह ने नीट जैसी परीक्षाओं की विश्वसनीयता बनाए रखना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता बताया। उन्होंने अधिकारियों को कहा कि परीक्षा केंद्रों पर सुरक्षा व्यवस्था मजबूत रखी जाए तथा सुनिश्चित हो कि किसी भी प्रकार की अनियमितता की संभावना न हो। उपायुक्त ने परीक्षा केंद्रों पर अभ्यर्थियों के सुगम आवागमन, यातायात प्रबंधन, पार्किंग व्यवस्था, पेयजल, स्वच्छ शौचालय, निर्बाध विद्युत आपूर्ति तथा अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। साथ ही पुलिस विभाग को परीक्षा केंद्रों और उनके आसपास विशेष निगरानी रखने तथा कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए आवश्यक कदम उठाने को कहा। उन्होंने कहा कि परीक्षा से संबंधित किसी भी प्रकार की अफवाह, भ्रामक सूचना या अनुचित गतिविधि पर प्रशासन की कड़ी नजर रहेगी और दोषियों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

फर्रुखनगर अस्पताल में स्वास्थ्य सुविधाओं का होगा विस्तार

- स्वास्थ्य विभाग और मेदांता फाउंडेशन के बीच एमओयू, लोगों ने मिठाई बांटकर मनाई खुशी

प्रात : किरण संवाददाता

गुरुग्राम। जिले के फर्रुखनगर उपमंडल नागरिक अस्पताल में स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार की घोषणा की गई है। यह विस्तार हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव की पहल पर स्वास्थ्य विभाग और मेदांता फाउंडेशन के बीच हुए एमओयू के तहत होगा। इस घोषणा के बाद क्षेत्र में खुशी का माहौल देखा गया। भाजपा नेता हंसराज यादव अपने समर्थकों के साथ अस्पताल पहुंचे, जहां केंद्रीय मंत्री एवं गुरुग्राम सांसद राव इंद्रजीत सिंह के समर्थकों ने भी इस निर्णय का स्वागत किया। सभी ने एक-दूसरे को फूलमालाएं पहनाकर तथा लड्डू बांटकर खुशी का इजहार किया। भाजपा नेता हंसराज यादव ने इस पहल को फर्रुखनगर क्षेत्र के लिए एक बड़ी सौगात बताया। उन्होंने कहा कि अस्पताल के उन्नयन से हजारों लोगों को बेहतर और आधुनिक स्वास्थ्य सेवाएं स्थानीय स्तर पर मिलेंगी, जिससे उन्हें इलाज के लिए गुरुग्राम या अन्य बड़े शहरों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। अस्पताल में आधुनिक लेबर रूम, सिजेरियन ऑपरेशन थिएटर, अल्ट्रासाउंड और अन्य डायग्नोस्टिक सुविधाएं उपलब्ध होंगी। इसके अतिरिक्त, एनीमिया स्क्रीनिंग क्लीनिक, महिलाओं के लिए कैंसर स्क्रीनिंग, विशेषज्ञ ओपीडी सेवाएं, नवजात शिशुओं के लिए कंगारू मदर केयर (केएमसी), एम्बुलेंस सहायता और नियमित स्वास्थ्य शिविर भी आयोजित किए जाएंगे। स्त्री रोग विशेषज्ञ, बाल रोग विशेषज्ञ, एनेस्थेटिस्ट और रेडियोलॉजिस्ट जैसे विशेषज्ञ चिकित्सकों की सेवाएं भी सुनिश्चित की जाएंगी। कार्यक्रम में उपस्थित जिला उपप्रमुख संजीव यादव, पूर्व नपा चेयरमैन हरचंद सैनी, नरेश लम्बरदार, एडवोकेट नरेश यादव, एडवोकेट जितेंद्र सैनी, विजय पंडित और देशराज यादव सहित अन्य वक्ताओं ने भी इस पहल को ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। उन्होंने कहा कि इससे गर्भवती महिलाओं, नवजात शिशुओं और आम मरीजों को बेहतर उपचार सुविधाएं मिलेंगी। उपस्थित लोगों ने स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव, केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह और हरियाणा सरकार का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के अंत में कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने मिठाई बांटकर खुशी मनाई और इस जनहितकारी निर्णय का स्वागत किया।

गुरुग्राम नगर निगम में लागू होगी प्रशासनिक क्लस्टर व जोन व्यवस्था

- -बेहतर प्रशासन, त्वरित शिकायत निवारण और नागरिक सेवाओं की प्रभावी डिलीवरी के लिए निगम का बड़ा फैसला

प्रात : किरण संवाददाता

प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 15 लाभार्थियों को मिले प्रमाणपत्र

गुरुग्राम, 12 जून (वेब वार्ता)। प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 2.0 के अंतर्गत शुक्रवार को नगर निगम कार्यालय में 15 लाभार्थियों को एलओआई पत्र जारी किए गए हैं। अतिरिक्त निगम आयुक्त जयवीर यादव ने योजना के तहत चयनित लाभार्थियों को लेटर ऑफ इंटेंट (एलओआई) वितरित किए। कार्यक्रम में मौजूद अधिकारियों ने लाभार्थियों को योजना के विभिन्न प्रावधानों, पात्रता मानदंडों और मकान निर्माण के निर्धारित मानकों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। अतिरिक्त आयुक्त जयवीर यादव ने योजना की जानकारी देते हुए बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 2.0 के तहत आर्थिक रूप से कमजोर पात्र परिवारों को अपना पक्का मकान बनाने के लिए कुल 2.50 लाख रुपए की वित्तीय सहायता दी जाती है। पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए यह सहायता राशि डीबीटी के माध्यम से तीन चरणों में सीधे लाभार्थियों के बैंक खातों में हस्तांतरित की जाएगी। इसके तहत निर्माण कार्य की प्रगति के आधार पर प्रथम किश्त एक लाख रुपए, द्वितीय किश्त एक लाख और अंतिम किश्त के रूप में 50 हजार रुपए की राशि जारी की जाएगी। अतिरिक्त निगम आयुक्त ने पात्रता स्पष्ट करते हुए बताया कि गुरुग्राम के शहरी क्षेत्र में रहने वाले ऐसे नागरिक, जिनके पास अपने नाम पर भूमि की वैध रजिस्ट्री है और वह भूमि किसी अधिकृत कॉलोनी या क्षेत्र में स्थित है, वे आवेदन के पात्र हैं। इसके साथ ही, नगर निगम क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले गांवों के लाल डोरा क्षेत्र में रहने वाले परिवार भी लाल डोरा प्रमाण पत्र बनवाकर इस योजना का लाभ ले सकते हैं। इच्छुक आवेदक अपने नजदीकी कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। राहत की बात यह है कि सरकार द्वारा वर्तमान में इस योजना के लिए आवेदन करने की कोई अंतिम तिथि निर्धारित नहीं की गई है, जिससे पात्र नागरिक बिना किसी जल्दबाजी के अपने आवश्यक दस्तावेज तैयार कर आवेदन प्रक्रिया पूरी कर सकते हैं। हालांकि, निगम ने

गुरुग्राम में हथौड़ा मारकर पत्नी की हत्या

- पति ने खुद फोन कर पुलिस बुलाई, लाश के पास बैठा मिला; चरित्र पर शक करता था

प्रात : किरण संवाददाता

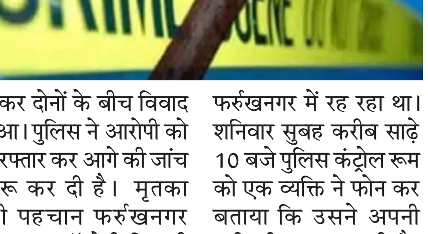

गुरुग्राम। में एक व्यक्ति ने हथौड़े से हमला कर अपनी पत्नी की हत्या कर दी। आरोपी ने पत्नी के सिर पर कई वार किए, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद आरोपी ने खुद गुरुग्राम पुलिस को फोन कर इसकी सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची तो आरोपी पति लाश के पास ही बैठा हुआ था। पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए अस्पताल में भेज दिया। पुलिस की शुरूआती जांच में सामने आया है कि आरोपी अपनी पत्नी के चरित्र पर शक करता था। शनिवार को इसी बात को लेकर दोनों के बीच विवाद हुआ। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर आगे की जांच शुरू कर दी है। मृतका की पहचान फर्रुखनगर में प्रताप कॉलोनी निवासी पूजा (30) के रूप में हुई है। पूजा मूल रूप से कैथल की रहने वाली थी और करीब 15 साल पहले उसकी शादी नायब से हुई थी। नायब ईंट सप्लाई का काम करता है। दंपती का एक 10 वर्षीय बेटा भी है। परिवार काफी समय से फर्रुखनगर में रह रहा था। शनिवार सुबह करीब साढ़े 10 बजे पुलिस कंट्रोल रूम को एक व्यक्ति ने फोन कर बताया कि उसने अपनी पत्नी की हत्या कर दी है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके के लिए रवाना हो गई। पत्नी के शव के पास बैठा मिला आरोपी पुलिस जब मौके पर पहुंची तो घर के अंदर पूजा का शव पड़ा हुआ था और आरोपी नायब वहीं मौजूद था। कमरे में कई जगह खून के निशान मिले, जबकि कुछ घरेलू सामान भी बिखरा पड़ा था। पूछताछ के दौरान नायब ने पत्नी की हत्या करने की बात स्वीकार कर ली। उसने बताया कि पहले दोनों के बीच झगड़ा हुआ था और बाद में उसने हथौड़े से पूजा के सिर पर वार किए, जिससे उसकी मौत हो गई। चरित्र पर शक को लेकर चल रहा था विवाद पुलिस की प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि नायब अपनी पत्नी पूजा के चरित्र पर शक करता था। इसी बात को लेकर पति-पत्नी के बीच लंबे समय से विवाद और तनाव की स्थिति बनी हुई थी। दोनों के बीच पहले भी इस मुद्दे को लेकर कहासुनी होती रहती थी। शनिवार को भी इसी बात को लेकर विवाद हुआ।

गुरुग्राम के मॉल के सामने महिला की सड़ी-गली लाश मिली

- कपड़े गल चुके, बॉडी डिकंपोज हो रही; बदबू आने पर पता चला

प्रात : किरण संवाददाता

गुरुग्राम। हरियाणा के गुरुग्राम में पॉश एरिया के सामने जंगल में एक महिला की सड़ी गली लाश मिली। महिला की बॉडी की भी डीकंपोज होनी शुरू हो चुकी थी। सभी कपड़े भी गल चुके हैं। सूचना मिलते ही गुरुग्राम पुलिस की कई टीमें और फोरेंसिक एक्सपर्ट मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। प्राइमरी इन्वेस्टिगेशन में सामने आया है कि लाश करीब 3-4 दिन पुरानी है। अधिक गर्मी होने की वजह से बॉडी जल्दी ही डीकंपोज होने शुरू हो गई। पुलिस मर्डर और रेप के एंगल से भी जांच में जुटी है। गुरुग्राम के सेक्टर-89 स्थित ऐलान मॉल के सामने जंगल एरिया से शुक्रवार रात कुछ लोग गुजर रहे थे। उन्हें वहां अचानक बदबू आने लगी। लोगों ने पाश जाकर देखा तो नग्न अवस्था में महिला की लाश पड़ी थी। लोगों ने तुरंत स्थानीय पुलिस को शव की जानकारी दी। गुरुग्राम पुलिस की कई टीमें और फोरेंसिक एक्सपर्ट्स ने मौके पर पहुंचकर लाश को कब्जे में लिया। फोरेंसिक एक्सपर्ट का कहना है कि महिला की उम्र करीब 42 वर्ष है। शव की स्थिति बेहद खराब और गली-सड़ी हालत में है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवा दिया। गुरुग्राम पुलिस की कई टीम मृतका की पहचान के लिए आसपास के गांवों, कॉलोनियों और सोसाइटियों में पूछताछ कर रही है। आसपास के थानों में महिलाओं की किडनैपिंग के रिकॉर्ड को भी खंगाला जा रहा है। महिला की पूरी बॉडी डीकंपोज हो चुकी है। पुलिस अब नेचुरल डेथ और मर्डर मानकर जांच में जुटी है। महिला के शव पर कपड़ें तक नहीं मिले हैं। ऐसे में यह भी आशंका जताई जा रही है कि किसी ने रेप कर महिला का मर्डर कर दिया। इसके बाद बॉडी को जंगल में फेंक दिया। पुलिस ने अब पूरे एरिया को सील कर दिया है। पुलिस ने शव को नागरिक अस्पताल के शवगृह में 72 घंटे तक सुरक्षित रखवा दिया है।

फरीदाबाद में बारिश से मकान की दीवार ढही

- बाल-बाल बची गुजर रही महिला, 30 साल पुरानी इमारत, धमाके की आवाज सुन भागे लोग

प्रात : किरण संवाददाता

फरीदाबाद। के बल्लभगढ़ स्थित आजाद नगर में देर शाम एक पुराने और जर्जर मकान का छज्जा दीवार सहित अचानक भरभराकर नीचे गिर गया। इस पूरी घटना का खौफनाक मंजर पास में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया। वीडियो में साफ दिखाई दे रहा है कि छज्जा गिरने से महज कुछ सेकंड पहले एक महिला वहां से गुजर रही थी। जैसे ही उसने ऊपर से मिट्टी गिरते हुए देखी, वह तुरंत पीछे हट गई। उसके हटते ही पूरा छज्जा जोरदार आवाज के साथ गली में आ गिरा। यदि महिला कुछ सेकंड भी देर कर देती तो वह मलबे की चपेट में आ सकती थी और बड़ा हादसा हो सकता था। मकान मालिक खेमराज ने बताया कि यह मकान करीब 25 से 30 साल पुराना है। मकान के स्वामित्व को लेकर उनका और उनके भाई अश्वनी का मामला कोर्ट में विचाराधीन है। उन्होंने बताया कि मकान दो हिस्सों में बंटा हुआ था। नीचे वाले हिस्से में वह रहते थे जबकि ऊपर वाले हिस्से में उनका भाई रहता था। हालांकि मकान की खराब हालत को देखते हुए काफी समय पहले यहां रहना लगभग छोड़ दिया गया था। खेमराज का आरोप है कि मकान की जर्जर स्थिति के लिए उनका भाई जिम्मेदार है। उन्होंने बताया कि दीवारों में कई जगह ड्रिल मशीन से छेद किए गए थे, जिससे बरसात का पानी अंदर जाता रहा। लगातार नमी रहने के कारण दीवारें कमजोर हो गईं और उनमें गहरी दरारें पड़ गईं।

उषा प्रियदर्शिनी ने सोशल मीडिया इनफ्लुएंसर्स को दी चेतावनी

- गुरुग्राम में बोलीं- कॉमेडी में महिलाओं का अपमान बर्दाश्त नहीं, डिस्क्लेमर से नहीं मिलेगी छूट

प्रात : किरण संवाददाता

हरियाणा। राज्य महिला आयोग की नवनियुक्त अध्यक्ष उषा प्रियदर्शनी ने गुरुग्राम में हाल ही में सामने आए 370 बिरयानी विवाद पर कड़ा रुख अपनाया है। सोशल मीडिया पर एक स्टैंड-अप कॉमेडियन के विवादित वीडियो से उपजे इस मामले पर संज्ञान लेते हुए अध्यक्ष ने कलाकारों, गायकों और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स को सीधी चेतावनी दी है। उन्होंने स्पष्ट किया है कि मनोरंजन और अभिव्यक्ति की आजादी के नाम पर महिलाओं को मजाक का पात्र बनाना और उन पर अभद्र टिप्पणियां करना अब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उषा प्रियदर्शनी ने स्टैंड-अप शोज में महिलाओं पर बढ़ते अभद्र कटाक्षों पर गहरी चिंता व्यक्त की। उन्होंने वीडियो और शोज में दिखाए जाने वाले डिस्क्लेमर पर सख्त आपत्ति जताते हुए कहा कि वीडियो की शुरूआत में ह्ययह केवल मनोरंजन के लिए है का डिस्क्लेमर डाल देने मात्र से कलाकार अपने आपत्तिजनक और गरिमाहीन बयानों की जिम्मेदारी से बच नहीं सकते। कला के नाम पर अश्लीलता और अपमान परोसने की इजाजत किसी को नहीं है। उषा प्रियदर्शनी ने भारतीय संस्कृति का हवाला देते हुए समाज में महिलाओं के प्रति सम्मान बनाए रखने की अपील की। उन्होंने कहा कि महिलाएं देवी, दुर्गा और मां का रूप हैं। उनका अपमान करने वाली मानसिकता को किसी भी सभ्य समाज में स्वीकार नहीं किया जा सकता। आयोग अब ऐसे कॉमेडियन, गायक और फिल्मकारों के खिलाफ सख्त कदम उठाने की तैयारी में है जो समाज की इस मयार्दा को ठेस पहुंचा रहे हैं। उन्होंने कहा कि, यह चेतावनी केवल स्टैंड-अप कॉमेडी तक सीमित नहीं है। उन्होंने हरियाणवी गायकों और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स को भी आड़े हाथों लिया। कहा कि गानों और रील्स के जरिए समाज में नकारात्मकता और महिलाओं के प्रति गलत संदेश भेजने वाले कलाकारों पर अंकुश लगाया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि कला और संगीत को अपनी आजीविका का जरिया जरूर बनाएं, लेकिन इसके साथ-साथ कलाकारों की यह नैतिक जिम्मेदारी भी है कि वे समाज को एक सही, स्वस्थ और सकारात्मक दिशा दें।

जेलों में आईटीआई और ओपन जेल मॉडल का होगा विस्तार

फरीदाबाद नीमका जेल में पहुंचे जेल डीजीपी, आत्महत्या के मामले चिंता का विषय

फरीदाबाद। हरियाणा के डीजीपी (जेल) आईपीएस आलोक मित्तल ने फरीदाबाद नीमका जेल का दौरा कर जेल व्यवस्था का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि जेलों का उद्देश्य केवल सजा देना नहीं, बल्कि कैदियों को सुधार कर उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ना भी है। इसी दिशा में जेल विभाग लगातार नई योजनाओं पर काम कर रहा है। डीजीपी आलोक मित्तल ने जेलों में बढ़ रहे आत्महत्या के मामलों पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि इन घटनाओं को रोकने के लिए विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि कई बार जेल में आने के बाद कैदी मानसिक तनाव और अवसाद का शिकार हो जाते हैं। ऐसे में उनके मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखा जा रहा है। बीमार कैदियों के लिए डॉक्टरों की उपलब्धता सुनिश्चित की गई है और दवाइयों की पर्याप्त व्यवस्था भी की गई है। उन्होंने बताया कि कैदियों को आत्मनिर्भर बनाने और दोबारा अपराध की दुनिया में लौटने से रोकने के लिए जेलों के भीतर आईटीआई की सुविधा शुरू की गई है। इससे कैदी जेल में रहते हुए विभिन्न व्यावसायिक प्रशिक्षण प्राप्त कर सकेंगे और रिहा होने के बाद रोजगार के माध्यम से सम्मानजनक जीवन जी सकेंगे।

फरीदाबाद में सीवर सफाई में मौत पर राष्ट्रीय आयोग सख्तनिगम अधिकारियों को कार्रवाई के आदेश

फरीदाबाद। के सेक्टर-19 में सीवर की सफाई के दौरान जहरीली गैस की चपेट में आकर नगर निगम के सफाई कर्मचारी जोगिंदर पहलवान की मौत के मामले में राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी आयोग ने गंभीर रुख अपनाया है। केंद्र सरकार के सदस्य करम सिंह कर्मा ने नगर निगम अधिकारियों को इस मामले में सख्त कार्रवाई करने के आदेश दिए हैं। नगर निगम हर वर्ष सफाई संसाधनों और सुरक्षा उपकरणों पर करीब 50 लाख रुपए खर्च करने का दावा करता है। पिछले पांच वर्षों में यह राशि करीब ढाई करोड़ रुपए तक पहुंच चुकी है, लेकिन इसके बावजूद दम घुटने जैसी घटनाओं में 13 सफाईकर्मियों की जान जा चुकी है। नियमों के अनुसार सीवर में उतरने वाले कर्मचारियों को ऑक्सीजन मास्क, गैस सिलेंडर, हेलमेट, सुरक्षा जैकेट, दस्ताने, जूते और रस्सी जैसे उपकरण उपलब्ध कराए जाने चाहिए, लेकिन घटनास्थलों पर इनका अभाव लगातार सामने आ रहा है। नगर निगम में सुरक्षा उपकरणों और अन्य संसाधनों की खरीद के लिए अलग शाखा बनाई गई है। हर साल सेफ्टी किट और अन्य उपकरण खरीदे जाते हैं तथा संबंधित जोन की इंजीनियरिंग शाखाओं को उपलब्ध भी कराए जाते हैं। इसके बावजूद मौके पर कर्मचारियों को बिना सुरक्षा किट के ही सीवर में उतार दिया जाता है। आरोप है कि जेई और एसडीओ स्तर के अधिकारी सुरक्षा उपकरण उपलब्ध कराने में गंभीरता नहीं दिखाते। नगर निगम द्वारा सीवर सफाई का कार्य निजी एजेंसियों को भी दिया जाता है, लेकिन इन एजेंसियों के सुरक्षा मानकों का कोई नियमित ऑडिट नहीं किया जाता।

फरीदाबाद में लाइनमैन 5 हजार रिश्वत लेते गिरफ्ता रबिजली चोरी छिपाने के लिए मांगे थे 8 हजार रुपए

फरीदाबाद। में स्टेट विजिलेंस एवं एंटी करप्शन ब्यूरो टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम के छायंसा उपमंडल कार्यालय में तैनात सहायक लाइनमैन (अछट) सोनू राम को 5 हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। आरोपी शिकायतकर्ता से बिजली चोरी का मामला दबाने के एवज में कुल 8 हजार रुपए की रिश्वत मांग रहा था। विजिलेंस को दी गई शिकायत में पीड़ित ने बताया कि वर्ष 2020 में बिजली विभाग की टीम ने उसके घर पर बिजली चोरी के संदेह में छापेमारी की थी। उस दौरान जेई धर्मेंद्र के साथ आए कर्मचारी सोनू राम ने कथित तौर पर जुमार्ना कम कराने के नाम पर 18 हजार रुपए की मांग की थी। हालांकि, उस समय शिकायतकर्ता ने रिश्वत देने से इनकार कर दिया था। शिकायतकर्ता के अनुसार, 10 जून 2026 को सोनू राम का दोबारा फोन आया। उसने दावा किया कि विभागीय टीम ने फिर से उसके घर पर बिजली चोरी पकड़ी है और उसकी तस्वीरें भी खींची गई हैं। आरोपी ने कहा कि यदि वह केस से बचना चाहता है तो कार्यालय आकर उससे मिले। इसके बाद सोनू राम ने व्हाट्सएप पर बिजली चोरी से संबंधित तस्वीरें भी शिकायतकर्ता को भेज दीं। इसके बाद अगले दिन शिकायतकर्ता छायंसा स्थित बिजली विभाग के कार्यालय पहुंचा, जहां सोनू राम ने उससे 3 हजार रुपए कैश ले लिए और कहा कि मामले में कई लोग शामिल हैं, इसलिए उसे 5 हजार रुपए और देने होंगे।इसके बाद शिकायतकर्ता ने विजिलेंस ब्यूरो से संपर्क कर पूरी घटना की जानकारी दी। शिकायत की पुष्टि होने पर विजिलेंस टीम ने जाल बिछाया और 12 जून को आरोपी सोनू राम को छायंसा उपमंडल कार्यालय के पास स्थित एक निजी परचून की दुकान से शिकायतकर्ता से 5 हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। जांच के दौरान विजिलेंस टीम ने आरोपी के कब्जे से पहले लिए गए 3 हजार रुपए भी बरामद कर लिए। इस संबंध में आरोपी के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम (पीसी एक्ट) की धारा-7 में मामला दर्ज किया गया है। विजिलेंस अधिकारियों का कहना है कि मामले की जांच जारी है और जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उनके आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

11 ट्यूबवेलों की देखरेख करने का जिम्मा दो पंचायतों को मिला

प्रात : किरण संवाददाता

सोहना। जनस्वास्थ्य विभाग ने केंद्र की जल जीवन मिशन 2.0 को अमलीजामा पहनाना शुरू कर दिया है। विभाग ने योजना की शुरूआत खंड की ग्राम पंचायत बहलपा और गढ़ीबाजीदपुर से की है। दोनों ग्राम पंचायतों में लगे 11 ट्यूबवेलों की देखरेख करने का जिम्मा ग्राम पंचायतों को सौंप दिया है। जनस्वास्थ्य विभाग ने केंद्र सरकार द्वारा लागू की गई जल जीवन मिशन 2.0 को ग्राम पंचायतों में लागू करना शुरू कर दिया है। केंद्र सरकार की हर घर में नल से जल योजना मिशन 1.0 की शुरूआत की थी। जिसके तहत लोगों को नल से जल उपलब्ध कराना था। लेकिन उक्त योजना को समाप्त करते हुए केंद्र सरकार ने अब मिशन 2.0 को लागू करने के आदेश जारी किए है। उक्त योजना को सभी राज्य सरकारों को जल्द से जल्द अमल में लाने के आदेश दिए गए है। ताकि हर नागरिक को पर्याप्त मात्रा में पीने का पानी उपलब्ध हो सकेगा। जनस्वास्थ्य विभाग ने गुरुवार को खंड की ग्राम पंचायत बहलपा और गढ़ीबाजीदपुर में लगे ट्यूबवेलों को ग्राम पंचायतों को सौंप दिया है। ग्राम पंचायत बहपला में पांच और गढ़ीबाजीदपुर में 6 टयबवेलों से ग्रामीणों को पेयजल आपूर्ति की जाती है। अभी तक जनस्वास्थ्य विभाग का कर्मचारी ग्रामीणों को सुबह व शाम को पेयजल आपूर्ति की पूर्ति करा रहा था।

गुरुग्राम में कल रात को बंद रहेगा जेनपैक्ट अंडरपास

- ट्रैफिक पुलिस की एडवाइजरी जारी, स्पीड रडार और नंबर प्लेट रीडर कैमरे लगेंगे

प्रात : किरण संवाददाता

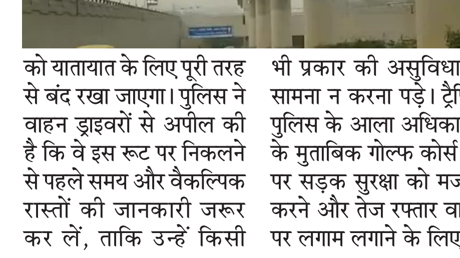

गुरुग्राम। शहर में गोल्फ कोर्स रोड से सफर करने वाले वाहन ड्राइवरों के लिए एक जरूरी खबर है। ट्रैफिक पुलिस ने जेनपैक्ट अंडरपास को लेकर एक महत्वपूर्ण ट्रैफिक एडवाइजरी जारी की है। कल यानि रविवार 14 जून को रात के समय इस अंडरपास को यातायात के लिए पूरी तरह से बंद रखा जाएगा। पुलिस ने वाहन ड्राइवरों से अपील की है कि वे इस रूट पर निकलने से पहले समय और वैकल्पिक रास्तों की जानकारी जरूर कर लें, ताकि उन्हें किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। ट्रैफिक पुलिस के आला अधिकारियों के मुताबिक गोल्फ कोर्स रोड पर सड़क सुरक्षा को मजबूत करने और तेज रफ्तार वाहनों पर लगाम लगाने के लिए यह फैसला लिया गया है। इस दौरान अंडरपास के भीतर अत्याधुनिक स्पीड मापने वाले रडार और एएनपीआर (अ४३ड्ढें३ ठ्वें१ ढ'३ी फ्ीड्ढल्ल्र ३ड्ढल्ल) कैमरे लगाने का काम किया जाएगा। ये कैमरे न सिर्फ वाहनों की गति सीमा पर नजर रखेंगे, बल्कि यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों के नंबर प्लेट को ऑटोमैटिक स्कैन कर उनका ऑनलाइन चालान भी जेनरेट करेंगे। ट्रैफिक पुलिस द्वारा साझा की गई जानकारी के अनुसार, जेनपैक्ट अंडरपास में कैमरों को इंस्टॉल करने का कार्य रात को शुरू होगा। यातायात को प्रभावित होने से बचाने के लिए यह काम रात के समय किया जा रहा है। अंडरपास रात 11:00 बजे से लेकर अगले दिन सोमवार सुबह 04:00 बजे तक पूरी तरह से बंद (नो एंट्री) रहेगा। इस 5 घंटे की अवधि के दौरान किसी भी वाहन को अंडरपास के अंदर जाने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

किशोर स्वास्थ्य क्लीनिक में शारीरिक व मानसिक परिवर्तनों के बारे में बताया

गुरुग्राम। पीएचसी गुड़गांव गांव में शनिवार को किशोर स्वास्थ्य क्लीनिक के तहत किशोर-किशोरियों के लिए स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में 10 से 19 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों ने भाग लिया। डॉ. पुष्पा ने बताया कि शिविर का उद्देश्य किशोरावस्था के दौरान होने वाले शारीरिक व मानसिक परिवर्तनों के प्रति बच्चों को जागरूक करना और उनके स्वास्थ्य की जांच करना था। कार्यक्रम के दौरान चिकित्सकों की ओर से बच्चों की सामान्य स्वास्थ्य जांच की गई। उन्हें संतुलित आहार, स्वच्छता और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के बारे में जानकारी दी गई। जिला किशोर स्वास्थ्य सलाहकार संदीप उपस्थित बच्चों की काउंसलिंग करते हुए किशोरावस्था में होने वाले बदलावों, मानसिक स्वास्थ्य और व्यक्तिगत स्वच्छता के महत्व पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने बच्चों को नशे से दूर रहने और किसी भी स्वास्थ्य समस्या होने पर चिकित्सकीय सलाह लेने के लिए प्रेरित किया।

फरीदाबाद में बंधवाड़ी-नूनेरा टोल से नहीं मिली राहत

- 2 जुलाई तक जारी रहेगी वसूली; सरकार ने अवधि बढाई

प्रात : किरण संवाददाता

फरीदाबाद।-गुरुग्राम रोड स्थित बंधवाड़ी टोल प्लाजा और सोहना-बल्लभगढ़ मार्ग पर बने नूनेरा टोल प्लाजा से लोगों को फिलहाल राहत नहीं मिलने वाली है। राज्य सरकार ने दोनों टोल प्लाजा पर शुल्क वसूली की अवधि बढ़ाकर अब 2 जुलाई तक कर दी है। इससे पहले 12 जून तक ही टोल संचालन जारी रहने की बात कही गई थी। नई समयावधि बढ़ाने के पीछे कोरोना महामारी के दौरान टोल संचालन बंद रहने को आधार बताया जा रहा है। वर्ष 2009 में शुरू हुई गुरुग्राम-फरीदाबाद टोल रोड परियोजना के तहत रिलायंस इंफ्रा द्वारा फरीदाबाद से गुरुग्राम और बल्लभगढ़ से सोहना तक सड़क का निर्माण किया गया था। परियोजना पूरी होने के बाद कंपनी ने गुरुग्राम में बंधवाड़ी और नूनेरा तथा फरीदाबाद में पाखल और पाली क्रेशर जोन में टोल प्लाजा स्थापित कर टोल वसूली शुरू की थी। इन सड़कों के रखरखाव की जिम्मेदारी भी कंपनी के पास ही है। टोल वसूली की मूल अवधि 31 मई 2026 तक निर्धारित थी। इसके बाद कंपनी के अनुरोध पर इसे 12 जून तक बढ़ा दिया गया। टोल अधिकारियों के अनुसार, पहले नोटबंदी के दौरान प्रभावित हुए संचालन का हवाला देते हुए 11 दिन का अतिरिक्त समय दिया गया था। 12 जून की समयसीमा पूरी होने के बाद सरकार ने एक बार फिर टोल वसूली की अवधि बढ़ाकर 2 जुलाई कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि कोरोना महामारी के दौरान टोल प्लाजा बंद रहने से हुए नुकसान की भरपाई के लिए यह अतिरिक्त समय दिया गया है। हालांकि, अब भी यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि 2 जुलाई के बाद टोल वसूली पूरी तरह बंद होगी या फिर अवधि को आगे भी बढ़ाया जा सकता है। लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के अधीन संचालित इन दोनों टोल प्लाजा का अनुबंध समाप्त होने के कारण इनके बंद होने की चचार्एं लंबे समय से चल रही थीं। बड़खल से विधायक धनेश अदलखा ने भी मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर टोल समाप्त करने की मांग की थी। उनका कहना है कि टोल प्लाजा पर लगने वाले जाम के कारण प्रतिदिन हजारों वाहन चालक प्रभावित होते हैं, जिससे समय और ईंधन दोनों की बबार्दी होती है। बंधवाड़ी टोल प्लाजा से प्रतिदिन हजारों वाहन गुजरते हैं। सुबह और शाम के व्यस्त समय में यहां लंबी कतारें लगना आम बात हो गई है। कई बार एंबुलेंस, स्कूल बसें और दफ्तर जाने वाले कर्मचारी भी जाम में फंस जाते हैं। ऐसे में स्थानीय लोग जल्द से जल्द टोल प्लाजा बंद किए जाने की मांग कर रहे हैं। अब सभी की निगाहें 2 जुलाई पर टिकी हैं कि इसके बाद लोगों को राहत मिलेगी या टोल ली का सिलसिला आगे भी जारी रहेगा।

आईटीआई सोहना में 12 ट्रेडों में दाखिला शुरू

प्रात : किरण संवाददाता

सोहना। स्थानीय राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में 12 अलग-अलग ट्रेडो में 396 सीटों पर दाखिला प्रक्रिया शुरू हो गई है। आईटीआई में दाखिला के लिए ऑनलाइन आवेदन 15 जून तक भरे जाएंगे। शहर के आंबेडकर बाईपास स्थित राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान इस बार 396 अलग-अलग ट्रेडों दाखिले होंगे। आईटीआई की प्रधानाचार्य सोनिका तक्षक ने बताया कि सभी ट्रेडों में दाखिला प्रक्रिया के लिए आवेदन ऑनलाइन लेने की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। आवेदन करने की अंतिम तिथि 15 जून तय की गई है। इस बार भी 12 अलग-अलग ट्रेडों में दाखिलें होंगे। कौन सी ट्रेड में कितनी सीटःस्थानीय राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान की ट्रेडों में सबसे ज्यादा सीट कंप्यूटर ऑपरेटर व प्रोग्रामिंग असिसटेंट में 72, सबसे कम ड्राफ्टसमैन मैकेनिकल में 20 है।

सामर्रा, इराक की ऐतिहासिक मलवीया मीनार

कुलदीप चंद अग्निहोत्री

पिछले दिनों इराक के कई ऐतिहासिक स्थानों का भ्रमण करने का अवसर मिला। इराक का इतिहास प्राचीन मेसोपोटामिया की सभ्यताओं से शुरू होता है, जिसे विश्व की सबसे प्राचीन सभ्यताओं का उद्गम माना जाता है। इसी मेसोपोटामिया सभ्यता से निकली सुमेर, बेबीलोन और असीरिया सभ्यतायें भी यहीं परवान चढ़ीं। यह क्षेत्र कभी फारसी कभी यूनानी तो कभी रोमन साम्राज्यों के अधीन रहा। सातवीं सदी में जब अरबों द्वारा यहाँ इस्लाम का प्रसार किया गया उस समय बगदाद, अब्बासी खिलाफत की राजधानी बना और 16वीं सदी में यह उस ओटोमन या उस्मानिया साम्राज्य का हिस्सा बन गया जोकि इतिहास के सबसे शक्तिशाली और लंबे समय तक शासन करने वाले साम्राज्यों में से एक था। गौरतलब है कि 1299 से 1923 तक अर्थात लगभग 600 वर्षों तक उस्मानिया साम्राज्य का एशिया, यूरोप और अफ्रीका जैसे महाद्वीपों के विस्तृत भू-भाग पर नियंत्रण रहा। इसी दौर में इराक भी ओटोमन या उस्मानिया साम्राज्य के अधीन रहा। बाद में प्रथम विश्व युद्ध के बाद ब्रिटिश शासन के अधिदेश के तहत आधुनिक इराक का गठन हुआ और 1932 में इराक एक स्वतंत्र राजतंत्र बना। 1958 में यहाँ गणराज्य की स्थापना हुई। 1979 में सद्दाम हुसैन के सत्ता में आने के बाद से इराक 1980 से 1988 तक ईरान के साथ युद्धरत रहा इसके बाद 1991 में कुवैत पर आक्रमण के बाद खाड़ी युद्ध में उलझा रहा। आखिरकार 2003 में अमेरिका ने इराक पर आक्रमण कर सद्दाम की सत्ता को उखाड़ फेंका। देश में इसके बाद एक नई लोकतांत्रिक सरकार तो जरूर स्थापित हुई परन्तु उसके बाद भी इसे लंबे समय तक आतंकवाद और राजनीतिक अस्थिरता का सामना भी करना पड़ा। इराक में अमेरिकी हमलों व अलकायदा व आई एस आई एस द्वारा किये गये हमलों व तबाही के निशान अभी भी देखे जा सकते हैं। इराक का ही एक प्राचीन व ऐतिहासिक शहर है सामर्रा। यहाँ एक प्राचीन मीनार है जिसे मलवीया मीनार के नाम से जाना जाता है। अरबी भाषा के शब्द मलवीया का अर्थ घोंघे का खोल या सर्पिलाकार (स्त्र्') होता है, जो इसके अनोखे घुमावदार डिजाइन को दर्शाता है। इसकी ऊंचाई 52 मीटर यानी 171 फीट और इसका आधार लगभग 33 मीटर अर्थात 108 फीट चौड़ा है। यह मीनार सामर्रा की महान मस्जिद यानी ग्रेट मॉस्क ऑफ सामर्रा का एक बचा हुआ भाग है। इस ऐतिहासिक मीनार का निर्माण अब्बासी खिलाफत के प्रसिद्ध खलीफा अल-मुतवक्किल द्वारा 848 ईस्वी से 851 ईस्वी के बीच कराया गया था। अल-मुतवक्किल ने सामर्रा को अपनी राजधानी के रूप में विकसित किया था। उस दौर में सामर्रा की यह महान मस्जिद पूरी दुनिया की सबसे बड़ी मस्जिद हुआ करती थी, जहाँ लगभग 80,000 लोग एक साथ नमाज पढ़ सकते थे। परन्तु जब 1278 ईस्वी में चंगेज खान के पोते हलाकू खान के नेतृत्व में मंगोल सेना ने इराक पर हमला किया। उसी आक्रमण में मंगोल सेना ने इस विशाल मस्जिद को नष्ट कर दिया था। इस हमले में केवल मस्जिद की बाहरी दीवारों का हिस्सा और यह अद्भुत मलवीया मीनार ही सुरक्षित बच सकीं। यह मीनार नीचे से चौड़ी और ऊपर की ओर जाते हुए संकरी यानी शंकु अथवा घोंघे का खोल के आकार की होती जाती है। इसके चारों ओर नीचे से ऊपर तक एक घुमावदार /सीढ़ीदार रास्ता बना है जो ऊपर की तरफ जाता है। इसे पूरी तरह से बलुआ पत्थर और पकी हुई लाल ईंटों से बनाया गया है। इतिहासकारों का मानना है कि इसका डिजाइन प्राचीन मेसोपोटामिया के ज़िगुरात से प्रेरित था। इस मीनार को इतनी ऊंचाई पर इसलिए बनाया गया था ताकि नमाज से पूर्व यहाँ से दी जाने वाली अजान की आवाज पूरे सामर्रा शहर में दूर-दूर तक स्पष्ट सुनाई दे सके। वर्ष 2005 में इराक युद्ध के दौरान अमेरिका विरोधी समूह द्वारा किये गये एक बम विस्फोट में इस मीनार का ऊपरी हिस्सा मामूली रूप से क्षतिग्रस्त हो गया था।

विचारों का पृथक होना ही तो संवाद का आधार है

राजीव थेपडा

होता क्या है ? जब भी हमारे विचारों के खिलाफ कोई बात हमारे सम्मुख आती है ,तो सबसे पहले हम क्या करते हैं ?क्योंकि वह बात हमें पचती नहीं , इसलिए एकबारगी हम उसे सिरे से खारिज करते हैं ,बिल्कुल ही काट देते हैं और तत्परता से उसकी आलोचना में लग जाते हैं !! लेकिन ऐसा क्यों होता है ?? बस इसीलिए कि वह बात हमारे संस्कार या हमारी मानसिकता के खिलाफ होती है ,किंतु हमारी मानसिकता के खिलाफ हुई हर बात क्या गलत ही होती है ??क्या उसे गलत ही होना चाहिए ?? यह बात मुझे नहीं पचती !!मेरी हर बात सही ही हो यह जरूरी तो नहीं किंतु एक बात अवश्य है कि सही या गलत तो अपनी जगह पर कोई भी बात नहीं है ,कभी कोई मुद्दा निकलने पर ही कोई बात की जाती है और जब बात शुरू होती है तो बात बढ़ती जाती है ,बहस का विषय हो जाती है ,कभी इस बहस में कुछ सार्थक भी घट जाता है ,तो कभी यह बेहूदा दिशा की तरफ भी चली जाती है !! तो जिसका जो ख्याल है ,वह उसे कहता है ,अब यह बात अलग है कि कोई भी कहने वाला अपने सामने वाले को कितना समझते हुए कुछ कहता है और फिर वो सामने वाला भी अपने उस सामने वाले को कितना समझता हुआ उसका जवाब देता है !! इसी प्रकार बातें चलती रहती हैं और अच्छा-बुरा घटता रहता है ,शुभ-अशुभ का विचार बनता-बिगड़ता रहता है !! विचारों का घर्षण ही एक किस्म का विकास भी है और जब कोई चीज घर घर्षित होती है तो वह निःसंदेह अच्छी तो कतई नहीं लगती ,क्योंकि उससे एक विष-वमन -सा होता हुआ दिखाई देता है !! परिणाम हमेशा आखरी में आता है ,अच्छा हो या बुरा ,यह एक दीगर बात है ,लेकिन हम सब एक सार्थक संवाद करते हैं और उसी की उम्मीद भी करते हैं !! इस दृष्टिकोण से आपका समूचा विचार मेरे लिए गृहणीय है और मैं आपकी सारी बात का बराबर समर्थन करता हूँ। यह जानते हुए कि कहीं ना कहीं आप भी वही कह रहे हैं ,जो दरअसल मेरी ही बात का दूसरा आयाम है और कहीं ना कहीं मैं भी वही बात कह रहा हूं ,जो दरअसल आप ही की बात का दूसरा आयाम है !! इसमें बहस की तो कोई गुंजाइश ही नहीं ,लेकिन यह भाषा की सीमितता है कि हम बहस कर बैठते हैं और हमें ऐसा लगता है कि हम एक दूसरे के विरोधी हैं ,हालांकि ऐसा हर बार नहीं होता !! किसी की बात को समझने की चेष्टा भी न करना संवाद का सबसे बड़ा अंतर्विरोध है और जब तक हम इस तरह के अंतर्विरोधों में जीते हैं किसी भी संवाद का कोई सार्थक सिरा कभी नहीं पकड़ में आता !! किसी की ऐसी की तैसी करना जैसे कोई विचार किसी के मन में आ गए, तो भी उसे संवाद की आपसी संप्रेषण क्षमता समाप्त हो जाती है। बल्कि कोशिश तो यही रहनी चाहिए कि हम किसी के भी विचारों को पर्याप्त खुलेपन के साथ सम्यक ढंग से समझें और न केवल समझें, बल्कि उन्हीं चीजों को स्वयं में, अपने जीवन में आत्मसात करें ,जिन्हें हम कहते हैं! एक्चुअली हमारी सबसे बड़ी आवश्यकता किसी भी प्रकार के विचारों के साथ आपसी सामंजस्यता और साहचर्य के साथ जीने की होनी चाहिए।एक बेहतर से बेहतर इंसान होने की ,बस इतनी सी चेष्टा हम अपने लिए कर लें तो कोई भी संवाद शत्रुता का भाव तो कम से कम नहीं उत्पन्न कर सकता। भले ही हो सकता है कि उसके बावजूद भी बहुत सारी चूकें अथवा भूलें हमसे भी हो जाएं। लेकिन वो भी तो हमारी नैसर्गिकता ही है ना !? तो उन्हें पहचान कर उन्हें सुधारना यही हमारा स्वभाव होना चाहिए। बाकी सब कुछ तो अपने आप ठीक हो जाता है। बस हमारे मन में किसी के प्रति दुर्भाव ना हो। कुल मिलाकर समस्त मत-मतांतरों के बावजूद यह धरती हम में से हर एक की है। यह कहने का तात्पर्य भी केवल मनुष्यों से नहीं है। हम समस्त जीवों की है यह धरती। हमारी धरती पर वैविध्य भरा यह जीवन इसकी सुंदरता बढ़ाने के लिए है। धरती की यह विविधता किसी प्रकार का विलोम नहीं, बल्कि आपसी तालमेल ही है।

भारत-बांग्लादेश संबंधों में बढ़ता अविश्वास

बांग्लादेश के कुछ राजनीतिक समूहों में यह धारणा बनी कि भारत किसी विशेष राजनीतिक शक्ति के प्रति अधिक सहानुभूति रखता है, जबकि भारत अपनी ओर से स्थिरता और विकास को प्राथमिकता देने की बात करता रहा है। इस प्रकार की धारणाएँ चाहे तथ्यात्मक रूप से सही हों या नहीं, वे विश्वास के वातावरण को प्रभावित करती हैं और संबंधों में मनोवैज्ञानिक दूरी उत्पन्न करती हैं। तीस्ता नदी के जल बँटवारे का मुद्दा लंबे समय से दोनों देशों के बीच एक प्रमुख विवाद का विषय बना हुआ है। बांग्लादेश के लिए तीस्ता नदी का जल कृषि और आजीविका की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। कई वर्षों से प्रस्तावित समझौता विभिन्न कारणों से लंबित है, जिससे बांग्लादेश में यह भावना विकसित हुई है कि उसकी चिंताओं को अपेक्षित प्राथमिकता नहीं मिल रही। भारत की संघीय व्यवस्था में राज्यों की भूमिका भी इस विषय को जटिल बनाती है, लेकिन समाधान में देरी ने अविश्वास को बढ़ावा दिया है। जल संसाधनों के न्यायसंगत और टिकाऊ प्रबंधन के बिना दीर्घकालिक विश्वास निर्माण कठिन प्रतीत होता है। सीमा संबंधी मुद्दे भी संबंधों में तनाव का कारण बने हैं। तस्करी, अवैध आव्रजन और सीमा सुरक्षा की चुनौतियों के कारण कई बार सीमा पर अप्रिय घटनाएँ हुई हैं।

डॉ. सत्यवान सौरभ
लेखक

भारत और बांग्लादेश के संबंध दक्षिण एशिया की कूटनीति में विशेष महत्व रखते हैं। वर्ष 1971 में बांग्लादेश की स्वतंत्रता के समय भारत ने जिस प्रकार राजनीतिक, सैन्य और मानवीय सहयोग प्रदान किया, उसने दोनों देशों के बीच मैत्री और विश्वास की मजबूत नींव रखी। पिछले पाँच दशकों में व्यापार, सुरक्षा, ऊर्जा, संपर्क, जल संसाधन और सांस्कृतिक आदान-प्रदान जैसे अनेक क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। भारत की पड़ोसी प्रथम नीति तथा बांग्लादेश की विकासोन्मुख विदेश नीति ने भी संबंधों को नई ऊँचाइयाँ प्रदान की हैं। इसके बावजूद हाल के वर्षों में दोनों देशों के संबंधों में तनाव और अविश्वास के संकेत दिखाई दिए हैं। यह स्थिति इस तथ्य को रेखांकित करती है कि पड़ोसी देशों के साथ संबंध केवल रणनीतिक हितों से संचालित नहीं होते, बल्कि उनमें संवेदनशीलताओं, जनभावनाओं और पारस्परिक सम्मान का भी महत्वपूर्ण स्थान होता है। भारत और बांग्लादेश लगभग 4,096 किलोमीटर लंबी सीमा साझा करते हैं, जो भारत की किसी भी पड़ोसी देश के साथ सबसे लंबी स्थलीय सीमा है। दोनों देशों के बीच गहरे सांस्कृतिक, भाषाई और ऐतिहासिक संबंध मौजूद हैं। पिछले एक दशक में भूमि सीमा समझौता, सीमा प्रबंधन, आतंकवाद विरोधी सहयोग, ऊर्जा व्यापार तथा क्षेत्रीय संपर्क परियोजनाओं में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त हुई है। बांग्लादेश आज भारत का एक प्रमुख व्यापारिक साझेदार है और भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र को मुख्य भूमि से जोड़ने में भी उसकी महत्वपूर्ण भूमिका है। इसलिए दोनों देशों के बीच विश्वास और सहयोग केवल द्विपक्षीय नहीं बल्कि पूरे दक्षिण एशिया की स्थिरता और समृद्धि के लिए आवश्यक है। हाल के समय में बांग्लादेश की आंतरिक राजनीति में हुए बदलावों ने द्विपक्षीय संबंधों को प्रभावित किया है। सत्ता परिवर्तन, राजनीतिक अस्थिरता और विभिन्न राजनीतिक दलों के बीच प्रतिस्पर्धा के कारण भारत की भूमिका को लेकर अलग-अलग धारणाएँ विकसित हुई हैं। बांग्लादेश के कुछ राजनीतिक समूहों में यह धारणा बनी कि भारत किसी विशेष राजनीतिक शक्ति के प्रति अधिक सहानुभूति रखता है, जबकि भारत अपनी ओर से स्थिरता और विकास को प्राथमिकता देने की बात करता रहा है। इस प्रकार की धारणाएँ चाहे तथ्यात्मक रूप से सही हों या नहीं, वे विश्वास के वातावरण को प्रभावित करती हैं और संबंधों में मनोवैज्ञानिक दूरी उत्पन्न करती हैं। तीस्ता नदी के जल बँटवारे का मुद्दा लंबे समय से दोनों देशों के बीच एक प्रमुख विवाद का विषय बना हुआ है। बांग्लादेश के लिए तीस्ता नदी का जल कृषि और आजीविका की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। कई वर्षों से प्रस्तावित समझौता विभिन्न कारणों से लंबित है, जिससे बांग्लादेश में यह भावना विकसित हुई है कि उसकी चिंताओं को अपेक्षित प्राथमिकता नहीं मिल रही। भारत की संघीय व्यवस्था में राज्यों की भूमिका भी इस विषय को जटिल बनाती है, लेकिन समाधान में देरी ने अविश्वास को बढ़ावा दिया है। जल संसाधनों के न्यायसंगत और टिकाऊ प्रबंधन के बिना दीर्घकालिक विश्वास निर्माण कठिन प्रतीत होता है। सीमा संबंधी मुद्दे भी संबंधों में तनाव का कारण बने हैं। तस्करी, अवैध आव्रजन और सीमा सुरक्षा की चुनौतियों के कारण कई बार सीमा पर अप्रिय घटनाएँ हुई हैं। नागरिक हताहतों की घटनाओं ने बांग्लादेश में व्यापक प्रतिक्रिया उत्पन्न की है और भारत की छवि पर भी प्रभाव डाला है। यद्यपि दोनों देशों की सीमा सुरक्षा एजेंसियाँ समन्वय बढ़ाने के प्रयास कर रही हैं, फिर भी ऐसी घटनाएँ आम लोगों के मन में नकारात्मक भावनाएँ पैदा करती हैं। पड़ोसी देशों के बीच सीमा केवल सुरक्षा का विषय नहीं होती, बल्कि मानवीय और सामाजिक संबंधों से भी जुड़ी होती है। नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) और राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (एनआरसी) जैसे मुद्दों ने भी बांग्लादेश में कुछ आशंकाएँ उत्पन्न कीं। यद्यपि भारत ने बार-बार स्पष्ट किया कि ये उसकी आंतरिक नीतियाँ हैं, फिर भी बांग्लादेश में यह चिंता व्यक्त की गई कि इनका अप्रत्यक्ष प्रभाव भविष्य में दोनों देशों के संबंधों पर पड़ सकता है। अंतरराष्ट्रीय संबंधों में नीतियों की वास्तविकता के साथ-साथ उनकी सार्वजनिक धारणा भी महत्वपूर्ण होती है और यही कारण है कि ऐसे मुद्दे कभी-कभी कूटनीतिक विमर्श का हिस्सा बन जाते हैं। दक्षिण एशिया में चीन की बढ़ती सक्रियता भी भारत-बांग्लादेश संबंधों को प्रभावित करने वाला एक महत्वपूर्ण कारक है। बांग्लादेश ने अपनी विकास आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए चीन सहित कई देशों के साथ आर्थिक और अवसंरचनात्मक सहयोग बढ़ाया है। भारत के लिए यह स्वाभाविक चिंता का विषय है कि क्षेत्र में किसी बाहरी शक्ति का अत्यधिक प्रभाव उसके रणनीतिक हितों को प्रभावित कर सकता है। दूसरी ओर बांग्लादेश अपनी विदेश नीति में संतुलन बनाए रखते हुए विभिन्न देशों से निवेश और तकनीकी सहयोग प्राप्त करना चाहता है। इस स्थिति में दोनों देशों के लिए पारदर्शिता और संवाद अत्यंत आवश्यक हो जाते हैं। व्यापारिक असंतुलन भी अविश्वास के कारकों में शामिल है। यद्यपि द्विपक्षीय व्यापार लगातार बढ़ रहा है, लेकिन इसका लाभ अपेक्षाकृत अधिक भारत को मिलता हुआ दिखाई देता है। बांग्लादेश लंबे समय से भारतीय बाजार में अपने उत्पादों की बेहतर पहुँच तथा गैर-शुल्क बाधाओं में कमी की मांग करता रहा है। आर्थिक संबंधों में असंतुलन की भावना यदि लंबे समय तक बनी रहे तो वह राजनीतिक संबंधों को भी प्रभावित कर सकती है। इसलिए आर्थिक साझेदारी को अधिक संतुलित और समावेशी बनाना समय की आवश्यकता है। सोशल मीडिया और डिजिटल माध्यमों ने भी संबंधों को प्रभावित किया है। आज गलत सूचनाएँ, भ्रामक प्रचार और राष्ट्रवादी भावनाओं को भड़काने वाली सामग्री बहुत तेजी से फैलती है। कई बार छोटी घटनाएँ भी डिजिटल मंचों पर बढ़ा-चढ़ाकर प्रस्तुत की जाती हैं, जिससे दोनों देशों के नागरिकों के बीच गलतफहमियाँ उत्पन्न होती हैं।

ऑपरेशन मिलाप: बिछड़ों को अपनों से मिलाने का मानवीय अभियान

इस अभियान में 852 महिलाओं, 342 पुरुषों तथा 276 नाबालिग बच्चों और किशोरियों को खोजकर उनके परिजनों तक पहुंचाया गया। विशेष रूप से यह तथ्य महत्वपूर्ण है कि बड़ी संख्या में किशोरियां और महिलाएं अपने परिवारों से बिछड़ गई थीं। ऐसे मामलों में समय के साथ परिवारों की चिंता कई गुना बढ़ जाती है। उन्हें हर पल किसी अनहोनी की आशंका सताती रहती है। ऐसे में पुलिस द्वारा इन लोगों को सुरक्षित ढूंढ़ निकालना निश्चित रूप से सराहनीय कार्य है। गुजरात पुलिस ने केवल औपचारिक जांच तक स्वयं को सीमित नहीं रखा, बल्कि पुराने और लंबित मामलों को दोबारा खोलकर नए सिरे से जांच की। आधुनिक तकनीक, मोबाइल फोन विश्लेषण, सोशल मीडिया गतिविधियों की निगरानी, विभिन्न राज्यों की पुलिस के साथ समन्वय, सार्वजनिक परिवहन केंद्रों और आश्रय गृहों की जांच जैसे अनेक माध्यमों का उपयोग किया गया। शिकायतकर्ताओं और गवाहों से दोबारा संपर्क कर नए सुराग जुटाए गए। यह दशार्ता है कि यदि इच्छाशक्ति और संवेदनशीलता हो तो वर्षों पुराने मामलों में भी सकारात्मक परिणाम प्राप्त किए जा सकते हैं।

कांतिलाल मांडोत
लेखक

किसी घर का बेटा, बेटी, बहन, भाई या माता-पिता अचानक लापता हो जाएं तो उस परिवार पर क्या गुजरती है, इसका अंदाजा वही लगा सकता है जिसने इस पीड़ा को करीब से महसूस किया हो। गुमशुदगी केवल किसी व्यक्ति का घर से दूर हो जाना नहीं है, बल्कि यह पूरे परिवार की खुशियों, उम्मीदों और मानसिक शांति के खो जाने जैसा होता है। हर गुजरते दिन के साथ परिजनों की चिंता बढ़ती जाती है। हर दरवाजे की आहट उन्हें उम्मीद देती है कि शायद उनका अपना लौट आया हो। हर फोन कॉल उन्हें चौंका देती है। ऐसे में जब वर्षों या महीनों से बिछड़ा कोई व्यक्ति अचानक परिवार से मिल जाता है तो वह क्षण किसी चमत्कार से कम नहीं होता। गुजरात पुलिस द्वारा चलाया गया ह्लऑपरेशन मिलापह्व इसी मानवीय संवेदना का उत्कृष्ट उदाहरण बनकर सामने आया है। इस विशेष अभियान के अंतर्गत मात्र एक महीने में 1470 गुमशुदा व्यक्तियों को खोजकर उनके परिवारों से मिलाया गया। यह केवल एक प्रशासनिक उपलब्धि नहीं, बल्कि हजारों टूटते हुए परिवारों के जीवन में आशा, विश्वास और खुशियों की वापसी का अभियान है। इस अभियान में 852 महिलाओं, 342 पुरुषों तथा 276 नाबालिग बच्चों और किशोरियों को खोजकर उनके परिजनों तक पहुंचाया गया। विशेष रूप से यह तथ्य महत्वपूर्ण है कि बड़ी संख्या में किशोरियां और महिलाएं अपने परिवारों से बिछड़ गई थीं। ऐसे मामलों में समय के साथ परिवारों की चिंता कई गुना बढ़ जाती है। उन्हें हर पल किसी अनहोनी की आशंका सताती रहती है। ऐसे में पुलिस द्वारा इन लोगों को सुरक्षित ढूंढ़ निकालना निश्चित रूप से सराहनीय कार्य है। गुजरात पुलिस ने केवल औपचारिक जांच तक स्वयं को सीमित नहीं रखा, बल्कि पुराने और लंबित मामलों को दोबारा खोलकर नए सिरे से जांच की। आधुनिक तकनीक, मोबाइल फोन विश्लेषण, सोशल मीडिया गतिविधियों की निगरानी, विभिन्न राज्यों की पुलिस के साथ समन्वय, सार्वजनिक परिवहन केंद्रों और आश्रय गृहों की जांच जैसे अनेक माध्यमों का उपयोग किया गया। शिकायतकर्ताओं और गवाहों से दोबारा संपर्क कर नए सुराग जुटाए गए। यह दशार्ता है कि यदि इच्छाशक्ति और संवेदनशीलता हो तो वर्षों पुराने मामलों में भी सकारात्मक परिणाम प्राप्त किए जा सकते हैं। सूरत पुलिस द्वारा सर्वाधिक 341 गुमशुदा व्यक्तियों का पता लगाना भी इस बात का प्रमाण है कि स्थानीय स्तर पर समर्पित प्रयास किस प्रकार बड़े परिणाम दे सकते हैं। पुलिस और प्रशासन की यह सक्रियता उन परिवारों के लिए राहत का कारण बनी है जो वर्षों से अपने प्रियजनों की प्रतीक्षा में दिन गिन रहे थे। इस अभियान का एक और महत्वपूर्ण पहलू यह है कि इससे समाज के सामने गुमशुदगी के वास्तविक कारण भी उजागर हुए हैं। पुलिस के विश्लेषण में सामने आया कि 14 से 17 वर्ष की आयु वर्ग की अनेक किशोरियां प्रेम संबंधों, पारिवारिक विवादों, अभिभावकों की डांट-फटकार अथवा पढ़ाई में असफलता जैसी परिस्थितियों के कारण घर छोड़कर चली गई थीं। कुछ मामले रोजगार की तलाश में पलायन करने वाले परिवारों से भी जुड़े पाए गए। यहां एक गंभीर सामाजिक संदेश छिपा हुआ है। जीवन में कठिनाइयां, असफलताएं, पारिवारिक मतभेद या भावनात्मक उलझनें आना स्वाभाविक है। किशोरावस्था में भावनाएं अधिक संवेदनशील होती हैं और कई बार छोटी घटनाएं भी बहुत बड़ी लगने लगती हैं। लेकिन घर छोड़ देना किसी समस्या का समाधान नहीं है। यह निर्णय क्षणिक आवेश में लिया जा सकता है, पर उसके परिणाम बहुत गंभीर होते हैं। कई बार बच्चों और किशोरों को लगता है कि उनके जाने से परिवार को कोई फर्क नहीं पड़ेगा या कुछ दिनों बाद सब सामान्य हो जाएगा। वास्तविकता इसके बिल्कुल विपरीत होती है। जिस दिन कोई बच्चा या किशोर घर से लापता होता है, उसी दिन से उसके माता-पिता का चैन और नींद समाप्त हो जाती है। मां की आंखें दरवाजे पर लगी रहती हैं। पिता बाहर से मजबूत दिखने का प्रयास करता है, लेकिन भीतर से टूट चुका होता है। भाई-बहन चिंता और असुरक्षा के बीच जीते हैं। पूरा परिवार हर संभावित स्थान पर तलाश करता है, पुलिस थानों के चक्कर लगाता है और अनिश्चितता के अंधेरे में जीवन बिताता है। गुमशुदगी का दर्द केवल भावनात्मक नहीं होता, बल्कि सामाजिक और आर्थिक रूप से भी परिवारों को प्रभावित करता है। अनेक परिवार अपनी बचत तक खर्च कर देते हैं। कई लोग कामकाज छोड़कर अपने प्रियजन की तलाश में जुट जाते हैं। मानसिक तनाव के कारण स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं भी उत्पन्न होने लगती हैं। इसलिए किसी भी परिस्थिति में घर छोड़कर चले जाना न तो समझदारी है और न ही समस्याओं का समाधान। आज आवश्यकता इस बात की है कि परिवारों और बच्चों के बीच संवाद को मजबूत बनाया जाए। अभिभावक बच्चों की भावनाओं को समझें और बच्चे अपने माता-पिता पर विश्वास करें। यदि पढ़ाई में असफलता मिली है, किसी बात पर डांट पड़ी है या जीवन में कोई परेशानी आई है, तो उसका समाधान बातचीत से निकाला जा सकता है। परिवार ही वह स्थान है जहां व्यक्ति को सबसे अधिक सुरक्षा, प्रेम और सहयोग मिलता है। ऑपरेशन मिलाप की सफलता केवल आंकड़ों में नहीं मापी जा सकती। इसकी वास्तविक सफलता उन हजारों मुस्कानों में दिखाई देती है जो बिछड़ने के बाद फिर से लौट आईं।

वैश्विक संकट - अल-नीनो और भारत की चुनौतियाँ

जितेन्द्र कुमार सिन्हा

मानव सभ्यता आज ऐसे मोड़ पर खड़ी है जहाँ विज्ञान, तकनीक और आर्थिक प्रगति के अभूतपूर्व युग के बावजूद असुरक्षाएँ कम होने के बजाय बढ़ती दिखाई दे रही है। विश्व राजनीति में तनाव है, अर्थव्यवस्था अस्थिर है, युद्धों की आशंकाएँ बढ़ रही हैं और जलवायु परिवर्तन मानव जीवन के सामने सबसे बड़ी चुनौती बनकर उभरा है। एक समय था जब देशों की शक्ति का आकलन केवल उनकी सैन्य क्षमता और आर्थिक संसाधनों से किया जाता था, लेकिन आज परिस्थितियाँ बदल चुकी है। अब किसी राष्ट्र की वास्तविक ताकत इस बात से आँकी जाती है कि वह संकट के समय स्वयं को कितना संभाल पाता है। महामारी, युद्ध, आर्थिक मंदी और प्राकृतिक आपदाएँ आज राष्ट्रों की परीक्षा लेने वाले सबसे बड़े कारक बन चुके हैं। भारत भी इस वैश्विक परिदृश्य से अछूता नहीं है। एक ओर देश विश्व की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है, तो दूसरी ओर उसे अनेक चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। वैश्विक युद्धों का प्रभाव, तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव, खाद्यान्न सुरक्षा, रोजगार, ऊर्जा संकट और जलवायु परिवर्तन जैसे मुद्दे लगातार चिंता बढ़ा रहे हैं। इसी बीच अल-नीनो का खतरा एक नई चुनौती के रूप में सामने आ रहा है। यदि इसके प्रभाव अपेक्षा से अधिक गंभीर हुए, तो भारत को मानसून की कमी, सूखे, जल संकट और कृषि उत्पादन में गिरावट जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है।आज दुनिया कई मोर्चों पर संघर्षों का सामना कर रही है। यूरोप से लेकर मध्य पूर्व तक युद्ध और भू-राजनीतिक टकराव जारी हैं। रूस-यूक्रेन संघर्ष ने वैश्विक खाद्यान्न और ऊर्जा बाजार को प्रभावित किया है। इसके कारण गेहूँ, उर्वरक और पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतों में अस्थिरता बनी हुई है। दूसरी ओर पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव ने तेल बाजार को अस्थिर कर दिया है। तेल की कीमतों में थोड़ी-सी वृद्धि भी भारत जैसे आयात-निर्भर देशों की अर्थव्यवस्था पर सीधा प्रभाव डालती है। इसके अलावा अमेरिका और चीन के बीच बढ़ती प्रतिस्पर्धा भी वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए चिंता का विषय है। तकनीकी वर्चस्व, व्यापारिक प्रतिबंध और रणनीतिक प्रतिस्पर्धा के कारण वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला प्रभावित हो रही है। इन परिस्थितियों में भारत को अपनी आर्थिक गति बनाए रखने के साथ-साथ खाद्य और ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने की चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। यदि हम पिछले कुछ वर्षों पर नजर डालें तो पाएँगे कि प्राकृतिक आपदाओं की आवृत्ति और तीव्रता दोनों बढ़ी हैं। कहीं अभूतपूर्व बाढ़ आ रही है, तो कहीं वर्षों तक सूखे की स्थिति बनी हुई है। हिमनद तेजी से पिघल रहे हैं, समुद्र का स्तर बढ़ रहा है और तापमान लगातार नए रिकॉर्ड बना रहा है। वैज्ञानिकों का मानना है कि वैश्विक तापमान में वृद्धि का सबसे बड़ा कारण मानवीय गतिविधियाँ हैं। जीवाश्म ईंधनों का अत्यधिक उपयोग, जंगलों की कटाई और औद्योगिक प्रदूषण ने पृथ्वी की जलवायु प्रणाली को प्रभावित किया है। परिणामस्वरूप मौसम के पारंपरिक पैटर्न बदल रहे हैं। मानसून, जो भारतीय कृषि और अर्थव्यवस्था की जीवनरेखा माना जाता है, अब पहले की तुलना में अधिक अनिश्चित होता जा रहा है। अल-नीनो प्रशांत महासागर के भूमध्यरेखीय क्षेत्र में समुद्री सतह के तापमान में असामान्य वृद्धि की स्थिति को कहा जाता है। सामान्य परिस्थितियों में प्रशांत महासागर के पश्चिमी भाग में गर्म पानी और पूर्वी भाग में अपेक्षाकृत ठंडा पानी रहता है। लेकिन अल-नीनो के दौरान यह संतुलन बिगड़ जाता है और समुद्री तापमान बढ़ जाता है। यह परिवर्तन केवल महासागर तक सीमित नहीं रहता बल्कि पूरी दुनिया के मौसम को प्रभावित करता है। भारत के लिए इसकी सबसे बड़ी चिंता यह है कि अल-नीनो अक्सर कमजोर मानसून से जुड़ा होता है। चूँकि भारत की लगभग आधी कृषि वर्षा पर निर्भर है, इसलिए मानसून में थोड़ी-सी कमी भी व्यापक प्रभाव डाल सकती है। भारतीय मानसून विश्व की सबसे जटिल मौसम प्रणालियों में से एक है। देश के लगभग 60 प्रतिशत कृषि क्षेत्र की सिंचाई मानसून पर निर्भर करती है। इसके अलावा पेयजल, जलाशय, बिजली उत्पादन और ग्रामीण अर्थव्यवस्था भी मानसून से जुड़ी हुई है। इतिहास बताता है कि भारत में कई बड़े सूखे वाले वर्ष अल-नीनो से जुड़े रहे हैं। हालाँकि हर अल-नीनो वर्ष में सूखा नहीं पड़ता, लेकिन मानसून कमजोर होने की संभावना बढ़ जाती है। यदि मानसून सामान्य से कम रहता है तो सबसे पहले कृषि क्षेत्र प्रभावित होता है।

संक्षिप्त खबरें

पेंशन अदालत में पारिवारिक पेंशन की गुहार लेकर पहुंचे आश्रित

लखनऊ। मध्यांचल विद्युत वितरण निगम मुख्यालय में शनिवार को ह्यपेंशन अदालतह्न आयोजित किया गया। इस दौरान अलीगंज के पवन कुमार शुक्ला और राजाजीपुरम की पूनम कश्यप अपनी पारिवारिक पेंशन और चिकित्सा व्यय प्रतिपूर्ति की गुहार लेकर वहां पहुंचे, तो माहौल में एक बेबसी का दर्द साफ महसूस किया जा सकता था। जीवन भर विभाग को अपनी सेवाएं देने वाले कर्मचारी व उनके परिवार आज अपनी ही गाढ़ी कमाई के हक के लिए दफ्तरों के चक्कर काटने को मजबूर थे। इन आश्रितों की व्यथा और आंखों की नमी को देखकर निदेशक (का.प्र. एवं प्रशा.) का दिल भी पसीज गया। उन्होंने इस दर्द को समझा और अधिकारियों को सख्त लहजे में निर्देश दिए कि इन सभी भावुक और लंबित मामलों का समयबद्ध तरीके से तुरंत निस्तारण किया जाए, ताकि शिकायतकर्ताओं की समस्याओं का समाधान हो सकें।

आरआरबी एनटीपीसी परीक्षा के लिए चलेंगी स्पेशल ट्रेन

लखनऊ। रेल प्रशासन ने आगामी रेलवे भर्ती बोर्ड (आरआरबी) एनटीपीसी परीक्षा में शामिल होने वाले अभ्यर्थियों की सुविधा के लिए गोरखपुर और लखनऊ जंक्शन के बीच दो जोड़ी विशेष अनारक्षित ट्रेनें चलाने का निर्णय लिया है। गाड़ी संख्या 05005/05006 गोरखपुर-लखनऊ जं. स्पेशल ट्रेन 05005 नंबर ट्रेन 14 से 22 जून तक गोरखपुर से दोपहर 12:45 बजे चलकर शाम 17:45 बजे लखनऊ पहुंचेगी। वापसी में 05006 नंबर ट्रेन 13 से 21 जून तक लखनऊ जं. से शाम 18:15 बजे प्रस्थान कर रात 23:55 बजे गोरखपुर पहुंचेगी। वहीं 05031/05032 गोरखपुर-लखनऊ जं. स्पेशल ट्रेन 05031 नंबर ट्रेन 13 से 21 जून तक गोरखपुर से शाम 19:00 बजे चलकर देर रात 00:55 बजे लखनऊ पहुंचेगी। वहीं 05032 नंबर ट्रेन 14 से 22 जून तक लखनऊ जं. से दोपहर 12:45 बजे चलकर शाम 18:20 बजे गोरखपुर पहुंचेगी। ये ट्रेनें खलीलाबाद, बस्ती, बभनान, मनकापुर, गोण्डा, करनैलगंज, बाराबंकी और बादशाहनगर स्टेशनों पर रुकेंगी।

आईआरसीटीसी 29 जून से 10 जुलाई तक दक्षिण भारत यात्रा कराएगा

लखनऊ। आईआरसीटीसी द्वारा आगामी 29 जून से 10 जुलाई तक (11 रात व 12 दिन) दक्षिण भारत के प्रमुख धार्मिक स्थलों की यात्रा के लिए ह्यभारत गौरव पर्यटक ट्रेनह्न का संचालन किया जा रहा है। इस दौरान तिरुपति बालाजी, रामेश्वरम, मदुरै (मीनाक्षी मंदिर), कन्याकुमारी और मल्लिकार्जुन ज्योतिर्लिंग सहित अन्य प्रमुख दर्शनीय स्थल शामिल है। यह ट्रेन योगनगरी ऋषिकेश से चलकर मुरादाबाद, बरेली, लखनऊ, और प्रयागराज संगम होते हुए जाएगी। इसमें स्लीपर (इकोनॉमी 24,350 रुपये), 3एसी (स्टैंडर्ड 41,800 रुपये) और 2एसी (कम्फर्ट 55,750 रुपये) श्रेणियां उपलब्ध हैं। पैकेज में यात्रा, भोजन, ठहरने और स्थानीय भ्रमण की व्यवस्था शामिल है। इसमें एलटीसी और ईएमआई की सुविधा भी मिलेगी। ह्यपहले आओ पहले पाओह्न के आधार पर गोमती नगर स्थित कार्यालय या ६६६.१ूउञ्ञ४९२.्ञ्ञ पर ऑनलाइन बुकिंग कराई जा सकती है।

अवध शिल्पग्राम के कन्वेंशन सेंटर का काम तेज करने के निर्देश

लखनऊ। आवास आयुक्त ने वृंदावन और अवध विहार योजना का औचक निरीक्षण कर विकास एवं निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अवध शिल्पग्राम परिसर में निर्माणाधीन कन्वेंशन सेंटर, फूड कोर्ट, एम्फीथियेटर, प्रदर्शनी हॉल, ग्रीन बेल्ट, पार्कों के लिए चिन्हित स्थलों और दुकानों का जायजा लिया तथा निर्माणाधीन कन्वेंशन सेंटर के कार्यों में तेजी लाने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने शिल्पग्राम में विकसित की गई दुकानों के आवंटन की प्रक्रिया को टेंडर के माध्यम से जल्द पूरा करने के निर्देश दिए, ताकि परिसर की व्यावसायिक गतिविधियों को गति मिल सके। उन्होंने वृंदावन और अवध विहार योजनाओं में स्थित वाणिज्यिक भूखंडों का रेरा पंजीकरण शीघ्र कराने के निर्देश भी दिए। इसके अलावा विकास और निर्माण से जुड़े सभी लंबित कार्यों को निर्धारित समयसीमा के भीतर पूरा करने के लिए संबंधित अधिकारियों को जवाबदेही तय करते हुए कार्य करने को कहा। आवास आयुक्त ने दोनों योजनाओं में सौंदर्यीकरण, स्वच्छता और रखरखाव व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों को यह भी निर्देशित किया गया कि सार्वजनिक उपयोग की सुविधाओं, पार्कों और ग्रीन बेल्ट के विकास कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जाए, जिससे क्षेत्र के निवासियों को बेहतर शहरी सुविधाएं मिल सकें। इस अवसर पर अपर आवास आयुक्त एवं सचिव, मुख्य वास्तुविद नियोजक, अधीक्षण अभियंता वृंदावन एवं अवध विहार वृत्त तथा उप आवास आयुक्त सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

बेटी के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी स्वीकार नहीं: मुख्यमंत्री

- सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव की बेटी पर अभद्र टिप्पणी करने वालों को सीएम की कड़ी चेतावनी, मामला संज्ञान में आते ही कराई गई एफआईआर
- सीएम की घोषणा: विश्वविद्यालय में महाराजा सुहेलदेव की भव्य अश्वारोही प्रतिमा स्थापित होगी
- विपरीत मौसम में उमड़ी भीड़ को देख बोले सीएम- सेना अडिग है तो सेनापति भी मजबूती से लड़ाई लड़ेगा

प्रातः किरण संवाददाता

आजमगढ़। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव की बेटी पर टिप्पणी करने वालों को आड़े हाथ लेते हुए कहा कि पिछले दिनों कुछ लोगों ने समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव की पुत्री के खिलाफ गलत टिप्पणी की थी। जैसे ही यह मेरे संज्ञान में आया, मैंने तत्काल पुलिस को एफआईआर दर्ज करने का निर्देश दिया। बेटी के खिलाफ कोई भी अपमानजनक टिप्पणी स्वीकार नहीं होनी चाहिए। हर बेटी का सम्मान होना चाहिए। हम उन संस्कार में पले-बढ़े हैं, जहां कहा जाता है कि गांव की बेटी-बहन, सबकी बेटी-बहन। अखिलेश यादव दूसरों को उपदेश देते हैं, वह अपने चेलों-चपाटों को भी उपदेश दें कि भाषा संयमित कर लें। उनके लोग बहन-बेटियों, बुजुर्गों, दिवंगत लोगों व वरिष्ठ नेताओं के प्रति कैसी टिप्पणी करते हैं, उन्हें अपने लोगों को संस्कारित करने की आवश्यकता है। अच्छा होगा कि उन्हें समझाएं, नहीं समझा सकते तो हमारे हवाले कर दें, हम समझा देंगे। सीएम योगी शनिवार को आजमगढ़ में 955 करोड़ से अधिक लागत की 39 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण/शिलान्यास करने के बाद जनसमूह को संबोधित कर रहे थे। मंत्रियों व जनप्रतिनिधियों की मांग पर सीएम ने घोषणा की कि महाराजा सुहेलदेव विश्वविद्यालय में उनकी भव्य अश्वारोही प्रतिमा लगेगी। मुख्यमंत्री ने प्रशासन को पुरानी जेल को कन्वेंशन सेंटर के रूप में तैयार करने के लिए कार्ययोजना बनाने का भी निर्देश दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि आजमगढ़ का गौरवशाली इतिहास रहा है। ऋषि-मुनियों की साधना से पवित्र यह धरती साहित्यिक साधना का केंद्रबिंदु रही है। देश को स्वतंत्र कराने का जज्बा इस जनपद में रहा है। जिस जनपद में हस्तशिल्प, कारीगर, किसान, ऊर्जावान युवा हैं, वह जनपद पहचान के लिए क्यों मोहताज हुआ। यह प्रश्न/पीड़ा लेकर मैं बार-बार आजमगढ़ आता हूं। जिन्होंने हमें बांटा और विभाजित किया, वे लगातार आपका समर्थन पाते थे, लेकिन वे कभी आपके हितैषी नहीं थे। सीएम ने कहा कि 2017 के पहले आजमगढ़ पहचान के लिए मोहताज था। तब यहां विश्वविद्यालय, पूर्वांचल एक्सप्रेसवे, हरिहरपुर में संगीत महाविद्यालय नहीं था। एयरपोर्ट भी ठीक से काम नहीं कर पा रहा था।

अनुशासन में रहें, वरना बाहर रहें: अखिलेश यादव के निर्देश पर हरदोई सपा संगठन भंग

प्रातः किरण संवाददाता

हरदोई। समाजवादी पार्टी ने संगठन में अनुशासन और मयार्दा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए हरदोई जिले की पूरी जिला कार्यकारिणी को तत्काल प्रभाव से भंग कर दिया है। यह कार्रवाई राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश पर प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल द्वारा की गई है। जारी आदेश के अनुसार मुख्य जिला कार्यकारिणी के साथ-साथ हरदोई के सभी प्रकोष्ठों और फ्रंटल संगठनों की कमेटियों को भी समाप्त कर दिया गया है। पार्टी के इस फैसले को अनुशासनहीनता के खिलाफ सख्त संदेश के रूप में देखा जा रहा है।

बताया जा रहा है कि पूर्व सपा जिलाध्यक्ष शराफत अली का एक कथित ऑडियो और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। वायरल सामग्री में उन पर पार्टी की वरिष्ठ महिला नेताओं के खिलाफ अभद्र और आपत्तिजनक टिप्पणियां करने के आरोप लगे हैं। कथित तौर पर उन्होंने तीन बार की पूर्व सांसद ऊषा वर्मा तथा दो बार की पूर्व विधायक राजेश्वरी देवी के संबंध में अमर्यादित भाषा का प्रयोग किया था।

पार्टी नेतृत्व ने मामले को गंभीरता से लेते हुए संगठनात्मक कार्रवाई की। राजनीतिक हलकों में इस फैसले को अखिलेश यादव की अनुशासन को लेकर अपनाई गई सख्त नीति के रूप में देखा जा रहा है। माना जा रहा है कि इसके माध्यम से पार्टी ने स्पष्ट संदेश दिया है कि किसी भी नेता या पदाधिकारी को संगठन की गरिमा और वरिष्ठ नेताओं के सम्मान के खिलाफ जाने की छूट नहीं दी जाएगी।

सपा नेता वीरेंद्र सिंह ह्यवीरेह्न ने राष्ट्रीय अध्यक्ष के इस निर्णय की सराहना करते हुए कहा कि समाजवादी पार्टी में अनुशासन सर्वोपरि है। उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि पार्टी हित और संगठन की मयार्दा से बड़ा कोई व्यक्ति नहीं है। उन्होंने कहा कि जो लोग संगठन की गरिमा को ठेस पहुंचाएंगे, उनके खिलाफ इसी तरह की कार्रवाई आगे भी होती रहेगी। हरदोई की राजनीति में ऊषा वर्मा और राजेश्वरी देवी का महत्वपूर्ण जनाधार और प्रभाव माना जाता है। ऐसे में उनके खिलाफ कथित अमर्यादित टिप्पणी को लेकर पार्टी कार्यकर्ताओं और समर्थकों में भी नाराजगी देखी गई थी। पार्टी की इस कार्रवाई को उसी नाराजगी के जवाब और संगठनात्मक अनुशासन की स्थापना की दिशा में उठाया गया बड़ा कदम माना जा रहा है।

ओवरलोडिंग और अवैध खनन पर बड़ा एक्शन: 84 वाहनों का चालान, 7 सीज, 6.47 लाख का जुमार्ना

प्रातः किरण संवाददाता

कानपुर। आरटीओ प्रवर्तन, पुलिस, राजस्व और खनन विभाग की संयुक्त टास्क फोर्स ने देर रात एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। आरटीओ प्रवर्तन राहुल श्रीवास्तव के नेतृत्व में चलाई गई इस संयुक्त कार्रवाई से नियम तोड़ने वाले वाहन चालकों में हड़कंप मच गया। अभियान के दौरान ओवरलोडिंग, दोषपूर्ण नंबर प्लेट और अवैध खनन जैसे मामलों में कुल 84 वाहनों का चालान किया गया, जबकि 7 वाहनों को मौके पर ही सीज कर दिया गया। इस पूरी कार्रवाई में कुल 6.47 लाख रुपये का जुमार्ना लगाया गया है। एआरटीओ विंध्यांचल गुप्ता ने बताया कि यह विशेष सघन अभियान शुक्रवार की शाम 8 बजे से रात 12 बजे के बीच चलाया गया। रात के अंधेरे में अवैध खनन और ओवरलोडिंग के इस खेल को नाकाम करने की तैयारी में पूरा अमला जुटा रहा। उन्होंने कहा कि देर रात के समय ओवरलोडिंग का एक बड़ा खेल चलता है, जिसे पूरी तरह नाकाम करने के लिए यह संयुक्त अभियान शुरू किया गया है। यह कार्रवाई यहीं नहीं रुकेगी, बल्कि 15 जून, 2026 तक लगातार जारी रहेगी। इस बड़े ऑपरेशन को सफल बनाने के लिए कई विभागों के आला अधिकारी भारी पुलिस बल के साथ जमीन पर उतरे थे। संयुक्त टीम में मुख्य रूप से एसडीएम (घाटमपुर), एसीपी (घाटमपुर), पीटीओ दीपक सिंह, जिला खनन अधिकारी, कानपुर नगर आसपास की सभी चौकियों के प्रभारी एवं भारी पुलिस बल।

कछौना के पुरवा गाँव का आरोग्य मंदिर खुद बीमार, ग्रामीणों को नहीं मिल रहा उपचार

प्रातः किरण संवाददाता

हरदोई। ग्रामीण अंचलों में बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं का सपना संजोकर स्थापित किए गए आरोग्य मंदिर आज स्वयं उपेक्षा के शिकार नजर आ रहे हैं। विकास खंड कछौना की ग्राम सभा पुरवा स्थित स्वास्थ्य उपकेंद्र एवं आरोग्य मंदिर की स्थिति ऐसी है कि वह स्वयं उपचार की प्रतीक्षा करता दिखाई देता है। यहां नियमित स्वास्थ्य सेवाएं न मिलने से ग्रामीणों में निराशा व्याप्त है। ग्रामीणों के अनुसार, कई महीनों से स्वास्थ्य कर्मियों की नियमित उपस्थिति नहीं हो रही है। परिणामस्वरूप परिसर में गंदगी का अंबार लग गया है। भवन के दरवाजों के पल्ले टूट चुके हैं, चारों ओर झाड़ियां उग आई हैं और परिसर में पशु बांधे जाने लगे हैं। कभी जनस्वास्थ्य के संरक्षण के लिए निर्मित यह केंद्र आज बदहाली की मूक कहानी कह रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि स्वास्थ्य सुविधाओं के अभाव में उन्हें छोटी-बड़ी बीमारियों के उपचार के लिए दूर-दराज के अस्पतालों का रुख करना पड़ता है। कई बार मजबूरी में लोग झोलाछाप चिकित्सकों की शरण लेने को विवश हो जाते हैं, जिससे स्वास्थ्य संबंधी जोखिम और बढ़ जाता है। सरकार की महत्वाकांक्षी स्वास्थ्य योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के उद्देश्य से स्थापित आरोग्य मंदिर यदि इसी प्रकार उपेक्षित रहे, तो ग्रामीण स्वास्थ्य व्यवस्था का उद्देश्य अधूरा ही रह जाएगा। स्थानीय लोगों का आरोप है कि जिम्मेदार अधिकारियों की उदासीनता के कारण केंद्र की दशा दिन-प्रतिदिन खराब होती जा रही है। इस संबंध में ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से शिकायत कर केंद्र में नियमित स्वास्थ्य सेवाएं बहाल कराने तथा भवन की मरम्मत कराने की मांग की है। उधर, मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने मामले को गंभीरता से लेते हुए कहा कि शिकायत की स्थलीय जांच कराई जाएगी।

सड़क हादसे में दो सगे भाइयों की मौत

प्रातः किरण संवाददाता

फिरोजाबाद। जसराना क्षेत्र में अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार दो सगे भाइयों की मौत हो गई। इस दर्दनाक हादसे के बाद परिवार में कोहराम मच गया, जबकि पूरे गांव में शोक और सन्नाटा पसरा हुआ है। जानकारी के अनुसार, जसराना थाना क्षेत्र के गांव खड़ीत मिलावली निवासी 35 वर्षीय बंटू और उसका 28 वर्षीय भाई बृजेश शुक्रवार को बाइक से शिकोहाबाद गए थे। देर रात दोनों भाई घर लौट रहे थे। इसी दौरान नवादा गांव के समीप तेज गति से आए एक अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी, जिससे दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही परिजन मौके पर पहुंचे और दोनों को उपचार के लिए सरकारी आघात केंद्र लेकर गए। वहां चिकित्सकों ने परीक्षण के बाद बृजेश को मृत घोषित कर दिया, जबकि बंटू को प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर हालत में आगरा भेज दिया गया। आगरा में उपचार के दौरान बंटू ने भी दम तोड़ दिया। परिजन दोनों के शव जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां उन्हें परीक्षण गृह में रखा गया।

बीएचयू में निर्माणाधीन नेशनल सेंटर फॉर एजिंग का सीएम योगी ने किया स्थलीय निरीक्षण

- 200 बेड व अत्याधुनिक सुविधाओं के साथ बुजुर्गों को मिलेगा समर्पित इलाज, मुख्यमंत्री ने गुणवत्ता व समयबद्ध निर्माण के दिए निर्देश
- देश का तीसरा व उत्तर भारत का प्रमुख जरा (वृद्धावस्था) चिकित्सा केंद्र निर्माण के अंतिम चरण में
- मेमोरी क्लीनिक, गठिया क्लीनिक, आईसीयू, मॉड्यूलर ओटी व शोध सुविधाएं होंगी उपलब्ध

प्रातः किरण संवाददाता

वाराणसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को काशी हिन्दू विश्वविद्यालय (बीएचयू) के चिकित्सा विज्ञान संस्थान परिसर में लगभग 150 करोड़ रुपये की लागत से निर्माणाधीन 200 बिस्तरों वाले अत्याधुनिक ह्यनेशनल सेंटर फॉर एजिंगह्न का स्थलीय निरीक्षण किया। सात मंजिला इस महत्वाकांक्षी परियोजना के निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने निर्माण कार्य की प्रगति की समीक्षा की और कार्यदायी संस्था के अधिकारियों को युद्धस्तर पर अभियान चलाकर निर्धारित समय सीमा में निर्माण कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने निर्माण कार्य में गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता न करने पर विशेष जोर देते हुए कहा कि सभी कार्य निर्धारित मानकों के अनुरूप उच्च गुणवत्ता के साथ पूरे किए जाएं। उन्होंने बीएचयू प्रशासन के अधिकारियों को भी परियोजना की नियमित निगरानी करने और निर्माण कार्य की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बुजुर्गों को समर्पित यह अत्याधुनिक ह्यनेशनल सेंटर फॉर एजिंगह्न देश का तीसरा तथा उत्तर भारत का प्रमुख जरा (वृद्धावस्था) चिकित्सा केंद्र होगा। इसका निर्माण कार्य अंतिम चरण में पहुंच चुका है। केंद्र में बुजुर्गों के लिए मल्टी-स्पेशियलिटी जेरिएट्रिक (वृद्धावस्था चिकित्सा) ओपीडी संचालित की जाएगी। इसके अलावा मेमोरी क्लीनिक, गठिया (अर्थराइटिस) क्लीनिक समेत वृद्धावस्था से जुड़ी विभिन्न बीमारियों के उपचार हेतु विशेष सुविधाएं उपलब्ध होंगी। इस केंद्र में मॉड्यूलर ऑपरेशन थिएटर, अत्याधुनिक रेडियोलॉजी एवं जांच सुविधाएं, पुनर्वास सेवाएं, डे-केयर सेंटर, आईसीयू तथा प्राइवेट वार्ड की व्यवस्था भी होगी। इसके साथ ही यह संस्थान जरा चिकित्सा के क्षेत्र में क्षमता निर्माण और मानव संसाधन विकास का प्रमुख केंद्र बनेगा। शैक्षणिक गतिविधियों के तहत यहां जेरिएट्रिक मेडिसिन विभाग में डॉक्टरों और नर्सों को बुजुर्गों की विशेष देखभाल के लिए प्रशिक्षित किया जाएगा। वरिष्ठ चिकित्सकों एवं सीनियर रेजिडेंट की सीटों में वृद्धि के साथ-साथ एमडी जेरिएट्रिक मेडिसिन की स्नातकोत्तर सीटें भी बढ़ाई जाएंगी। वृद्धावस्था संबंधी रोगों पर अनुसंधान, उपचार पद्धतियों का विकास तथा बुजुर्गों के लिए विशेष चिकित्सा दिशानिर्देश तैयार करने का कार्य भी इस केंद्र में किया जाएगा। नेशनल सेंटर फॉर एजिंग के शुरू होने के बाद पूर्वांचल सहित उत्तर भारत के लाखों बुजुर्ग मरीजों को एक ही छत के नीचे आधुनिक और विशेषज्ञ चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध हो सकेंगी।

आंधी-पानी में जर्जर दीवार गिरने से मासूम की मौत, दादी घायल

प्रातः किरण संवाददाता

लखनऊ। मदेयगंज इलाके में शनिवार सुबह आंधी-पानी से एक जर्जर दीवार गिरने से एक मासूम और उसकी दादी दब गई। जोरदार आवाज सुनकर परिजन और आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। लोगों ने मलबे में दबी और बुजुर्ग दादी को बाहर निकाला और पास के अस्पताल लेकर पहुंचे। वहां डॉक्टर ने बच्ची को मृत घोषित कर दिया। बुजुर्ग का प्राथमिक इलाज करने के बाद उनकी छुट्टी कर दी। भांडुटोला पुरानी बांसमंडी निवासी छोटू चाय का होटल किए है। परिवार में पत्नी हसरतुल, दो बच्चे और सास नाजो के साथ रहती है। छोटू ने बताया कि बड़ी बेटी जोया (6) और बेटा अरमान हैं शनिवार सुबह करीब सात बजे तेज आंधी के साथ पानी गिरने लगा। इस दौरान पड़ोस में एक खाली प्लाट की जर्जर दीवार अचानक भरभराकर गिर गई। दीवार के नीचे जोया और उसकी दादी को दबा देखकर लोगों की भीड़ लग गई। परिजनों ने क्षेत्रीय लोगों की मदद से मलबे दोनों को बाहर निकाला। इस बीच किसी ने हादसे की जानकारी पुलिस कंट्रोल रूम पर दी। सूचना पर मदेयगंज थाने की फोर्स मौके पर पहुंची। पुलिस ने दोनों को गंभीर हालत में पास के राजधानी अस्पताल लेकर पहुंचीं। वहां डॉक्टर ने जोया को मृत घोषित कर दिया और बुजुर्ग का इलाज करने के बाद उनकी छुट्टी कर दी। पुलिस ने परिजनों से पूछताछ कर शव का पंचनामा भरा और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतका के पिता छोटू ने बताया कि शनिवार सुबह तेज हवा चल रही थी। अचानक आंधी और पानी आ गया। इस दौरान जोया पास की दुकान में कोई सामान लेने के लिए घर से निकली थी। थोड़ी देर बाद एक तेज धमाका हुआ। आवाज सुनकर वह भी अपने घर से बाहर निकले। वहां देखा कि उनकी मां नाजो और बेटी दीवार के मलबे में दबी है।

घर से निकली किशोरी को जीआरपी ने सकुशल परिजनों से मिलाया

प्रातः किरण संवाददाता

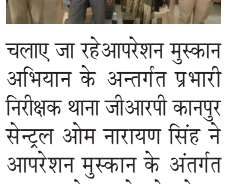

कानपुर। रेलवे पुलिस महानिदेशक के मार्गदर्श में चलाए जा रहे ऑपरेशन मुस्कान के तहत एक 15 वर्षीय किशोरी जो घर से नाराज हो कर स्टेशन आ गई थी, उसे जीआरपी पुलिस परिजनोंको बुला कर उनके सुपुर्द के दिया। पुलिस महानिदेशक रेलवे प्रकाश डी० द्वारा दिये गये मार्गदर्शन के क्रम में पुलिस महानिरीक्षक रेलवे प्रयागराज एन. कोलान्ची के निर्देशन में पुलिस अधीक्षक रेलवे अनुभाग प्रयागराज प्रशान्त वर्मा के लगातार मानिटरिंग व निर्देशन के क्रम में, पुलिस उपाधीक्षक कानपुर दुष्यन्त कुमार सिंह के निकट पर्यवेक्षण में भूले भटके व्यक्ति ,गुमशुदा बच्चो के लिए चलाए जा रहेआपरेशन मुस्कान अभियान के अन्तर्गत प्रभारी निरीक्षक थाना जीआरपी कानपुर सेन्ट्रल ओम नारायण सिंह ने आपरेशन मुस्कान के अंतर्गत कानपुर सेन्ट्रल रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म सकुर्लेटिंग एरिया, टिकट घर, यात्री प्रतीक्षालय पर भ्रमण चेकिंग के दौरान एक बालिका पूजा (काल्पनिक) पुत्री सुनील चौहान निवासिनी हथियानी जिला चन्दौली उम्र करीब 15 वर्ष, अकेली प्लेटफार्म पर बैठी मिली।

बिलग्राम तहसील में जमीन विवाद का अनोखा मामला, कार्रवाई के बाद बदले निष्कर्ष

हरदोई। बिलग्राम तहसील के ग्राम श्यामपुर स्थित गाटा संख्या 75 से जुड़ा भूमि विवाद इन दिनों चर्चा का विषय बना हुआ है। मामले में पहले राजस्व विभाग की पैमाइश रिपोर्ट के आधार पर थाकबंदी आदेश पारित हुआ, फिर प्रशासन ने मौके पर मेड़बंदी कराकर कब्जा दिलाया, लेकिन बाद में प्रस्तुत जांच रिपोर्टों ने पूरे घटनाक्रम पर सवाल खड़े कर दिए हैं। ग्राम श्यामपुर निवासी दिवाकर मिश्रा द्वारा उपजिलाधिकारी बिलग्राम न्यायालय में दायर थाकबंदी वाद के बाद राजस्व विभाग ने गाटा संख्या 75 की पैमाइश कराई थी। पैमाइश में राजस्व अभिलेखों में दर्ज 0.2710 हेक्टेयर के मुकाबले मौके पर केवल 0.1792 हेक्टेयर भूमि पाई गई, जिससे 0.0918 हेक्टेयर भूमि का घाटा सामने आया। वहीं आसपास के कई गाटों में क्षेत्रफल की बढ़त दर्ज की गई। इस रिपोर्ट के आधार पर एसडीएम न्यायालय ने 28 मई 2025 को थाकबंदी आदेश पारित कर दिया। दिवाकर मिश्रा का आरोप है कि आदेश के बावजूद लंबे समय तक उसका अनुपालन नहीं हुआ। बाद में जिलाधिकारी को शिकायत देने पर प्रशासन ने राजस्व अधिकारियों की मौजूदगी में मेड़बंदी कराकर उन्हें भूमि पर कब्जा दिलाया। कब्जा दिलाने के बाद विवाद और बढ़ गया। आरोप है कि विपक्षी पक्ष ने मेड़ तोड़कर भूमि को पुनः अपने खेत में मिला लिया तथा विरोध करने पर धमकियां दीं। इस संबंध में आईजीआरएस पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई गई। शिकायत की जांच में राजस्व निरीक्षक द्वारा प्रस्तुत पहली रिपोर्ट में मेड़ तोड़े जाने तथा थाकबंदी आदेश के अनुरूप की गई मेड़बंदी को न माने जाने की पुष्टि की गई। इसके बावजूद संबंधित लोगों के खिलाफ कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। बाद में की गई दूसरी शिकायत की जांच में प्रस्तुत रिपोर्ट ने पूरे मामले को नया मोड़ दे दिया। आरोप है कि इस बार रिपोर्ट में कहा गया कि आवेदक का भू-चित्र छोटा बना हुआ है, इसलिए उसे पूरी

आंखों में मिर्ची का पाउडर डालकर ज्वेलर्स से नगदी और आभूषण लूटे, बदमाशों की गिरफ्तारी के लिए 6टी में गठित

प्रातः किरण संवाददाता

फिरोजाबाद। जनपद के थाना शिकोहाबाद क्षेत्र में शुक्रवार रात को दुकान बंद करके घर बाइक से जा रहे ज्वेलर्स को तीन बाइक सवार बदमाशों द्वारा फायरिंग कर नगदी आभूषण का थैला लूट लिया गया। घटना से व्यापारियों में भयऔर आक्रोश है एस एसपी द्वारा बदमाशो को चिन्हित कर पकड़ने के लिए 6 टीमों का गठन किया गया फिलहाल दूसरे दिन बदमाशों का कोई सुराग नहीं लग सका है। शिकोहाबाद के कुरैशी मार्केट में जय मां काली ज्वेलर्स के मालिक हरिओम वर्मा शुक्रवार रात को अपनी दुकान बंद करके बाइक से घर जा रहे थे। तभी रास्ते में घर पहुंचने से पहले से बाइक सवार तीन बदमाशों द्वारा उनकी आंख में मिर्च का पाउडर डाला गया जिससे वह घबराकर रुक गए बदमाशों द्वारा फायरिंग भी की गई किंतु वह बाल बाल बच गए। इसी दौरान बदमाश बाइक पर टंगे हुए उनके थैले को लेकर फरार हो गए। ज्वेलर्स के चीखने चिल्लाने का शोर सुनकर मोहल्ले के लोग बाहर निकले तब उन्हें ज्वेलर्स के साथ लूट की घटना की जानकारी हुई सूचना पर थाना पुलिस मौके पर पहुंच गई पुलिस ने मौके पर पहुंचकर क्षेत्र के सीसी टीवी देख कर बदमाशों को चिन्हित करने का प्रयास किया गया है वही वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक आदित्य लाग्है सहित अन्य अधिकारी भी मौके पर पहुंचे। घटनास्थल के साक्ष्य संकलन किए गए। व्यापारी के अनुसार बैग में एक लाख45 हजार की नगदी और 450 ग्राम सोने तथा चांदी के भी आभूषण थे। ज्वेलर्स के साथ लूट की घटना से व्यापारियों में आक्रोश के साथ-साथ बदमाशों का भय भी व्याप्त हो गयाहै। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक आदित्य लॉ ग्है ने लूट के आरोपी बदमाशों की गिरफ्तारी का भरोसा दिलाते हुए कहां है उनकी गिरफ्तारी के लिए एस ओ जी ,सर्विस लांस और पुलिस की संयुक्त 6 टीमों का गठन कर दिया गया है घटना का शीघ्र ही खुलासा कर दिया जाएगा।

गो संरक्षण विशेष: उत्तर प्रदेश में गांवों के एक लाख घरों में लगेंगे मिनी बायोगैस प्लांट

- -25 से 50 हजार रुपये में घरों में लग सकेंगे संयंत्र, गो सेवा आयोग ने तैयार की योजना
- -सीएम योगी के नेतृत्व में गो सेवा से समृद्धि की ओर बढ़ता उत्तर प्रदेश

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में गो संरक्षण को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए अब गो सेवा को ग्रामीण समृद्धि और स्वच्छ ऊर्जा से जोड़ने की दिशा में बड़ा कदम उठाने की तैयारी है। प्रदेश में गांवों के एक लाख से अधिक घरों में मिनी बायोगैस प्लांट स्थापित करने की योजना तैयार की गई है। इस पहल का उद्देश्य गो संरक्षण को बढ़ावा देने के साथ-साथ ग्रामीण परिवारों को ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाना और उनकी घरेलू बचत बढ़ाना है। योगी सरकार का विजन है कि ग्रामीण परिवार कम लागत में अपने घरों पर ही मिनी बायोगैस संयंत्र लगाकर रसोई गैस के खर्च में बड़ी कमी ला सकें। गो सेवा आयोग की इस योजना के अनुसार 25 हजार से 50 हजार रुपये की लागत में मिनी बायोगैस प्लांट स्थापित किए जा सकेंगे। इससे गोबर और अन्य जैविक अपशिष्ट का उपयोग कर स्वच्छ ईंधन तो तैयार होगा ही साथ में किसानों को जैविक खाद भी बड़े पैमाने पर प्राप्त होगी। इसके साथ ग्रामीणों को रसायनमुक्त भोजन मिलेगा। गो संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विजन के अनुरूप ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को प्राथमिकता के आधार पर आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में यह योजना महत्वपूर्ण साबित होगी। स्वच्छ ऊर्जा, ग्रामीण आत्मनिर्भरता और गो पालन को एक साथ जोड़ने वाली इस पहल से गांवों की अर्थव्यवस्था को नई मजबूती मिलने की उम्मीद है। उत्तर प्रदेश गो सेवा आयोग ने इस संबंध में प्रस्ताव तैयार किया है। आयोग के अध्यक्ष श्याम बिहारी गुप्ता ने बताया कि योजना के लागू होने पर रसोईघरों में एलपीजी की खपत में भी कमी आएगी, जिससे घरेलू खर्च में उल्लेखनीय बचत होगी। उन्होंने बताया कि मिनी बायोगैस प्लांट के माध्यम से किसान बायोगैस तैयार करेंगे और उससे निकलने वाली स्लरी का उपयोग जैविक खाद के रूप में कर सकेंगे। इससे खेती की लागत घटेगी और अतिरिक्त आय के अवसर भी पैदा होंगे। इस योजना के तहत बड़ी संख्या में ग्रामीण परिवार कम खर्च में अपने घरों पर संयंत्र स्थापित कर सकेंगे। यह पहल ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई गति देने के साथ-साथ आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को भी मजबूत करेगी। साथ ही गो संरक्षण को आर्थिक गतिविधियों से जोड़कर गो पालकों के लिए आय के नए स्रोत भी विकसित होंगे। उत्तर प्रदेश गो सेवा आयोग के अध्यक्ष श्याम बिहारी गुप्ता ने बताया कि योगी सरकार की इस महत्वाकांक्षी पहल से उत्तर प्रदेश में ह्यगो सेवा से समृद्धिह्न का नया मॉडल विकसित हो रहा है, जहां गो संरक्षण, स्वच्छ ऊर्जा और ग्रामीण आत्मनिर्भरता एक साथ आगे बढ़ेंगे।

मानसून से पूर्व बलरामपुर में युद्ध स्तर पर नाला सफाई अभियान शुरू

- जलभराव से मुक्ति दिलाना प्राथमिकता: डॉ धीरेन्द्र प्रताप सिंह धीरू

04

बलरामपुर। आगामी मानसून के आगमन को देखते हुए बलरामपुर शहर को जलभराव की समस्या से निजात दिलाने के लिए नगर पालिका परिषद ने कमर कस ली है। अध्यक्ष नगर पालिका परिषद डॉ.धीरेन्द्र प्रताप सिंह ह्यधीरूह्न के कड़े निर्देशन में पूरे नगर के समस्त वार्डों और प्रमुख मार्गों पर एक व्यापक नाला एवं नाली सफाई अभियान युद्ध स्तर पर संचालित किया जा रहा है। अभियान की प्रगति और रूपरेखा की जानकारी देते हुए अध्यक्ष प्रतिनिधि डीपी सिंह बैंस ने बताया कि नगर पालिका प्रशासन का मुख्य उद्देश्य मानसून के दौरान होने वाले जलभराव, गंदगी और इससे पनपने वाली संभावित बीमारियों से नगरवासियों को सुरक्षित रखना है। उन्होंने स्पष्ट किया कि नागरिकों की सुविधा और स्वच्छता को प्रशासन ने सर्वोच्च प्राथमिकता पर रखा है, जिसके तहत बिना किसी बाधा के निरंतर कार्य किया जा रहा है। नगर पालिका की सफाई टीमें आधुनिक उपकरणों और अतिरिक्त सफाईकर्मियों के साथ शहर के मुख्य नालों और तंग गलियों की नालियों की सिल्ट (कीचड़) निकालने में जुटी हुई हैं। जाम नालों की विशेष सफाई: उन संवेदनशील इलाकों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है जहाँ हर साल मामूली बारिश में भी पानी लग जाता है। सिल्ट का तुरंत उठान: नालों से निकाली जा रही गंदगी को सड़कों पर छोड़ने के बजाय तुरंत डंपिंग ग्राउंड भेजने के निर्देश दिए गए हैं ताकि राहगीरों को परेशानी न हो। अध्यक्ष प्रतिनिधि डीपी सिंह बैंस ने नगर पालिका की प्रतिबद्धता को दोहराते हुए कहा: एक स्वच्छ, सुंदर और व्यवस्थित बलरामपुर का निर्माण ही हमारा मुख्य लक्ष्य है। इसके लिए हमारी पूरी टीम धरातल पर उतरकर पूरी निष्ठा से काम कर रही है। मानसून से पहले शहर की जल निकासी व्यवस्था को पूरी तरह दुरुस्त कर लिया जाएगा ताकि नागरिकों को किसी भी तरह की असुविधा का सामना न करना पड़े। इसके साथ ही उन्होंने नगरवासियों से भी अपील की है कि वे नालों और नालियों में प्लास्टिक, पॉलिथीन या अन्य कचरा न फेंकें, जिससे पानी का बहाव बाधित होता है। शहर को साफ-सुथरा रखने में सभी का सहयोग अत्यंत अनिवार्य है।

संक्षिप्त खबरें

युवाओं में अपार शक्ति, बनाएंगे आत्मनिर्भर भारत : योगी

वाराणसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को बीएचयू में कहा कि युवाओं में अपार शक्ति है। इन्हीं के संकल्पों से आत्मनिर्भर भारत का निर्माण होगा। विज्ञान भारती के राष्ट्रीय अधिवेशन में शामिल हुए मुख्यमंत्री ने स्वदेशी विज्ञान को केंद्र में रखकर शोध के लिए युवाओं का आह्वान किया। स्वतंत्रता भवन में आयोजित विज्ञान भारती के सातवें राष्ट्रीय अधिवेशन में मुख्यमंत्री ने वैज्ञानिक अनुसंधान, नवाचार और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में युवाओं की भूमिका पर जोर दिया। कार्यक्रम में देश के विभिन्न राज्यों से आए 1200 से ज्यादा वैज्ञानिकों, शिक्षाविदों, शोधार्थियों तथा विज्ञान भारती के पदाधिकारियों ने भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन और वंदे मातरम् के सामूहिक गान से हुआ। सभागार में मौजूद प्रतिभागियों को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर, कुलपति प्रो अजित कुमार चतुर्वेदी सहित अन्य विशिष्टजन ने संबोधित किया।

रामसागर मिश्र अस्पताल में नर्सिंग स्टाफ की कमी

लखनऊ,।साढ़ामऊ स्थित रामसागर मिश्र अस्पताल में नर्सिंग स्टाफ की कमी से मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं देने की चुनौती बढ़ रही है। राजकीय नर्सेस संघ के महामंत्री अशोक कुमार ने अस्पताल पहुंचे। नर्सिंग संवर्ग से मुलाकात की। उनकी समस्याओं की जानकारी ली। उन्होंने अस्पताल की व्यवस्थाओं को लेकर मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. वीके शर्मा से चर्चा की। महामंत्री अशोक कुमार ने बताया कि सीएमएस से वार्ता में सामने आया कि अस्पताल में नर्सिंग संवर्ग के स्वीकृत पदों और तैनात कर्मियों की संख्या में बड़ा अंतर है। मैट्रन के दो स्वीकृत पदों पर कोई तैनाती नहीं है। वहीं सीनियर नर्सिंग ऑफिसर के छह पदों में से चार खाली हैं। नर्सिंग ऑफिसर के नियमित पद सृजित नहीं होने के कारण 15 नर्सिंग ऑफिसर एजेंसी के माध्यम से काम कर रहे हैं। एनएचएम के आठ स्वीकृत पदों के सापेक्ष भी केवल छह नर्सों की तैनाती है। महामंत्री ने कहा कि सीमित स्टाफ में नर्सिंग कर्मियों पर मरीजों की देखभाल का अतिरिक्त दबाव पड़ रहा है। उन्होंने सरकार से अस्पतालों और जानकीपुरम ट्रॉमा सेंटर में पर्याप्त नर्सिंग मैनपावर उपलब्ध कराने की मांग की, ताकि मरीजों को समय पर और बेहतर इलाज मिल सके। उन्होंने कहा कि मजबूत नर्सिंग व्यवस्था ही गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं की आधारशिला है। इस पर सीएमएस डॉ. वीके शर्मा ने कहा कि व्यवस्थाओं को और बेहतर बनाने की दिशा में लगातार प्रयास किया जा रहा है। उच्च अधिारियों से भी भरभूर सहयोग मिल रहा है। जल्द ही नर्सों की कमी पूरी होगी।

अपर नगर आयुक्त ने सामने चलवाकर देखे बाढ़ नियंत्रण के पंप

लखनऊ। मानसून से पहले बाढ़ और जलभराव से निपटने की तैयारियों का जायजा लेने के लिए अपर नगर आयुक्त पंकज श्रीवास्तव ने शनिवार को जोन-1 के नालों और बाढ़ पंपिंग स्टेशनों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने गोमती नगर और बटलर पैलेस स्थित बाढ़ पंपिंग स्टेशनों पर पंपों को अपने सामने चलवाकर उनकी कार्यक्षमता जांची और अधिकारियों को सभी मशीनों को 24 घंटे अलर्ट मोड में रखने के निर्देश दिए। अपर नगर आयुक्त ने बैरल नंबर-20 के पास बालू अड्डा से आने वाले नाले का निरीक्षण किया, जहां सफाई कार्य चल रहा था। इसके बाद उन्होंने विक्रमादित्य मार्ग स्थित मार्टिनपुरवा नाला और पुलिया की स्थिति का जायजा लिया। अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि बरसात से पहले सभी अवरोध हटाकर जल प्रवाह को सुचारु बनाया जाए। उन्होंने गोल्फ क्लब और लोरेटो स्कूल के पास स्थित नालों की सफाई भी देखी। निर्देश दिए कि नालों से निकाली गई सिल्ट का तत्काल उठान कराया जाए। अपर नगर आयुक्त ने कहा कि नाला सफाई और बाढ़ नियंत्रण व्यवस्थाओं में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

उपलब्धियों के बीच जमीनी सवालों की गूंज, विकास और स्वास्थ्य सेवाओं पर पत्रकारों ने मांगे जवाब

- भाजपा सरकार के 12 वर्ष पूरे होने पर आयोजित प्रेस वार्ता में जनहित के मुद्दे रहे चर्चा के केंद्र में

प्रात : किरण अवनीश त्यागी

बिजनौर। भाजपा सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर आयोजित प्रेस वार्ता में सरकार की उपलब्धियों और विकास कार्यों का विस्तार से उल्लेख किया गया। प्रभारी मंत्री कपिलदेव अग्रवाल ने केंद्र और प्रदेश सरकार की विभिन्न योजनाओं, जनकल्याणकारी कार्यक्रमों तथा विकास परियोजनाओं की जानकारी दी। लेकिन कार्यक्रम का सबसे चर्चित हिस्सा वह रहा, जब पत्रकारों ने जिले से जुड़े जमीनी मुद्दों पर सवाल उठाए। प्रेस वार्ता के दौरान पत्रकारों ने विकास कार्यों के वास्तविक प्रभाव को लेकर सवाल किए। उनका कहना था कि सरकार लगातार विकास के दावे कर रही है, ऐसे में आम जनता यह जानना चाहती है कि पिछले एक वर्ष में जिले में ऐसा कौन-सा बड़ा बदलाव हुआ है, जिसे लोग अपने दैनिक जीवन में स्पष्ट रूप से महसूस कर रहे हों। पत्रकारों ने यह भी जानने का प्रयास किया कि प्रभारी मंत्री के रूप में उनके द्वारा कितनी नियमित समीक्षा बैठकों और विभागीय निगरानी के बाद जिले में कौन-कौन से ठोस परिणाम सामने आए हैं। यह सवाल पूरे कार्यक्रम के दौरान चर्चा का विषय बना रहा। प्रेस वार्ता में स्वास्थ्य व्यवस्था का मुद्दा भी प्रमुखता से उठा। पत्रकारों ने मेडिकल कॉलेज, जिला अस्पतालों और सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों में डॉक्टरों की उपलब्धता को लेकर सवाल किए। उनका कहना था कि स्वास्थ्य क्षेत्र में भवन और संस्थान तो विकसित हो रहे हैं, लेकिन यदि पर्याप्त संख्या में चिकित्सक और विशेषज्ञ उपलब्ध नहीं होंगे तो मरीजों को अपेक्षित लाभ कैसे मिलेगा। चर्चा के दौरान ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति, डॉक्टरों की कमी और मरीजों को होने वाली परेशानियों का विषय भी सामने आया। पत्रकारों ने इस दिशा में सरकार की भविष्य की योजनाओं और प्रयासों के बारे में जानकारी मांगी। कार्यक्रम में मौजूद कई लोगों का मानना था कि जनता अब केवल घोषणाएं नहीं, बल्कि उनके परिणाम भी देखना चाहती है। सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली और पेयजल जैसी मूलभूत सुविधाओं में सुधार का सीधा असर लोगों के जीवन पर पड़ता है। इसलिए विकास कार्यों की सफलता का आकलन भी इसी आधार पर किया जाता है कि उनका लाभ आम नागरिकों तक कितना पहुंच रहा है। प्रेस वार्ता के दौरान पूछे गए कई सवालों ने मौजूद लोगों का ध्यान आकर्षित किया। विकास, स्वास्थ्य सेवाओं और प्रशासनिक निगरानी से जुड़े मुद्दों पर हुई चर्चा ने कार्यक्रम का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा बन गया। कई लोगों का मानना था कि ऐसे सवाल लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत करते हैं और जनप्रतिनिधियों तथा प्रशासन को जनता की अपेक्षाओं से अवगत कराते हैं। भाजपा सरकार के 12 वर्ष पूरे होने पर आयोजित यह कार्यक्रम उपलब्धियों की जानकारी देने के साथ-साथ उन चुनौतियों को भी सामने लेकर आया, जिनका सामना आम नागरिक आज भी कर रहे हैं। स्वास्थ्य सेवाओं, विकास कार्यों और जनसुविधाओं को लेकर उठे सवालों ने यह स्पष्ट कर दिया कि जनता अब योजनाओं की घोषणा के साथ-साथ उनके प्रभावी क्रियान्वयन और परिणाम भी देखना चाहती है। जनपदवासियों की उम्मीद है कि जिन मुद्दों को प्रेस वार्ता में उठाया गया, उन पर आने वाले समय में और अधिक गंभीरता से काम होगा तथा लोगों को उनके सवालों के संतोषजनक जवाब और समस्याओं का समाधान मिलेगा।

भूमि, जल, पौधे और जानवर वस्तु नहीं, बल्कि जीवित समुदाय का हिस्सा हैं : मांगे राम चौहान

प्रात : किरण संवाददाता

मुरादाबाद। आधुनिक सभ्यता ने प्रकृति को संसाधनों की खान मान लिया है। जल को पाइपलाइन में बहने वाला पानी, जमीन को प्लॉट और स्क्वायर फीट, पौधों को फसल या लकड़ी तथा जानवरों को मांस, दूध या मनोरंजन का साधन समझा जाने लगा है। यही वस्तु-दृष्टि आज बढ़ते पर्यावरणीय संकट की प्रमुख वजह बनती जा रही है। यह विचार पर्यावरण चिंतक मांगे राम चौहान ने व्यक्त करते हुए कहा कि भूमि, जल, पौधे और जानवर अलग-अलग वस्तुएँ नहीं, बल्कि एक जीवित समुदाय के अभिन्न सदस्य हैं। उन्होंने कहा कि पर्यावरण विज्ञान, पारिस्थितिकी और आदिवासी ज्ञान परंपराएँ हमें सिखाती हैं कि प्रकृति का प्रत्येक तत्व एक-दूसरे से गहराई से जुड़ा हुआ है। प्रसिद्ध पर्यावरणविद् एल्डो लियोपोल्ड ने अपनी चर्चित पुस्तक अ रंल्ली उड्ड४ल्ल३८ अ'ल्लू में ह्ललैंड एथिकह्व की अवधारणा प्रस्तुत करते हुए बताया था कि भूमि केवल मिट्टी नहीं, बल्कि उसमें रहने वाले पौधों, कीटों, पक्षियों, स्तनधारियों और सूक्ष्म जीवों का एक जटिल समुदाय है, जिसमें हर सदस्य की अपनी भूमिका और योगदान होता है। मांगे राम चौहान ने कहा कि नदी केवल पानी की धारा नहीं होती, बल्कि उसमें मौजूद बैक्टीरिया, शैवाल, मछलियाँ, जलपक्षी और तटवर्ती वनस्पतियाँ मिलकर एक जीवंत पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण करती हैं। जब नदियों को प्रदूषित किया जाता है या उनकी प्राकृतिक धारा को अवरुद्ध किया जाता है, तो पूरे समुदाय पर उसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। उन्होंने बताया कि पौधे इस समुदाय के स्थिर सदस्य हैं, जो सूर्य की ऊर्जा को भोजन में बदलते हैं, ऑक्सीजन प्रदान करते हैं, मिट्टी को बांधे रखते हैं और वातावरण को शुद्ध बनाते हैं। वहीं जानवर परागण, बीज प्रसार, शिकार-शिकारी संतुलन और पोषक चक्र को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। किसी एक प्रजाति के समाप्त होने से पूरे पारिस्थितिकी तंत्र का संतुलन बिगड़ सकता है। उन्होंने कहा कि भारतीय आदिवासी समुदाय सदियों से इस समुदाय-दृष्टि को अपनाए हुए हैं। वे नदी को माता, धरती को धरती माता और पेड़ों को कुलदेवता का स्वरूप मानते हैं। वे प्रकृति का उपयोग तो करते हैं, लेकिन उसका शोषण नहीं करते। उनकी परंपराएँ प्रकृति के प्रति सम्मान और सह-अस्तित्व का संदेश देती हैं। मांगे राम चौहान ने कहा कि आज जल संकट, मिट्टी की घटती उर्वरता, जैव विविधता का विनाश और जलवायु परिवर्तन जैसी चुनौतियाँ प्रकृति को मात्र वस्तु समझने की सोच का परिणाम हैं। यदि हमें आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित और संतुलित भविष्य सुनिश्चित करना है, तो हमें समुदाय-दृष्टि को अपनाना होगा। उन्होंने लोगों से आह्वान करते हुए कहा, ह्लप्रकृति से केवल उतना ही लें, जितनी आवश्यकता हो और बाकी भविष्य के लिए छोड़ दें। संरक्षण, पुनर्स्थापना और सह-अस्तित्व को जीवन का हिस्सा बनाना ही सच्चे अर्थों में पर्यावरण संरक्षण है।ह्व उन्होंने कहा कि वन रोपण, नदी संरक्षण, जैविक खेती और वन्यजीवों की सुरक्षा जैसे प्रयास इसी सोच के व्यावहारिक रूप हैं। सोच और व्यवहार में बदलाव लाकर ही एक सम्मानजनक, संतुलित और टिकाऊ भविष्य का निर्माण किया जा सकता है।

नहीं थम पा रहा लोनी में यमुना से अवैध बालू खनन का गोरखधंधा

प्रात : किरण संवाददाता

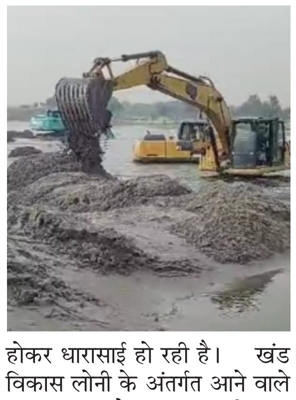

लोनी। लोनी क्षेत्र में सभी नियमों को ताक पर रखकर बालू खनन का अवैध धंधा थमने का नाम नहीं ले रहा है। यहां माफियाओं द्वारा यमुना नदी का सीना चीरकर बड़ी-बड़ी पोकलेन मशीनो के माध्यम से खुलेआम बालू खनन करया जा रहा है। नतीजन जहां प्रदेश सरकार को मिलने वाली रॉयल्टी का भारी चूना लगाया जा रहा है वहीं पर्यावरण पर पड़ने वाले इसके प्रतिकूल प्रभाव की बात को भी नकारा नहीं जा सकता। यही नहीं यहां से ऑवरलोड बड़े-बड़े डंफर, ट्रैक्टर ट्रॉली एवं ट्रकों द्वारा यमुना नदी से दिल्ली, गाजियाबाद और नोएडा आदि शहरों के लिए बालू परिवहन किया जाता है। मुख्यतः दिन ढलते ही रेत लदे ऐसे वाहनों के कारण जहां अन्य वाहन चालकों व पैदल यात्रियों को विभिन्न प्रकार की दिक्कते झेलनी पड़ रही है वहीं दूसरी ओर क्षेत्र की सड़कें भी जर-जर होकर धारासाई हो रही है। खंड विकास लोनी के अंतर्गत आने वाले यमुना खादर के पचवरा आदि गांव के आस-पास होने वाला बालू खनन का यह अवैध कारोबार दिन ढलते ही अपने पूरे शबाब पर होता है। आलम यह है कि यमुना नदी में कई स्थानों पर बड़ी-बड़ी पोकलेन मशीनों द्वारा भारी पैमाने पर यमुना नदी की कोख चीरकर अवैध खनन किया जाता है। माफियाओं की इन करतूतों के चलते प्राकृतिक रूप से बहने वाली यमुना नदी का रुख भी वहां से बालू निकालने के कारण प्रभावित होने का की बात को भी नकारा नहीं जा सकता. जिसका भविष्य में पर्यावरण पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ना भी चिंता का विषय है। बालू खनन के उक्त अवैध गोरखधंधे के चलते क्षेत्रीय ग्रामीण हो या शहरी नागरिक. सभी के बीच भारी रोष है. नागरिकों द्वारा समय-समय पर अवैध खनन की शिकायतें पुलिस प्रशासनिक अधिकारियों से की जाती रही हैं मगर ना जाने क्यों इसके विरुद्ध कोई प्रभावी कार्यवाही अमल में नहीं लाई जाती। क्षेत्र में मीडिया जगत के ठेकेदार बने कुछ कथित लालची पत्रकारों की बात छोड़ दे तो विभिन्न अखबारों के माध्यम से उक्त अवैध खनन संबंधी खबर को पूर्व में भी कई बार प्रकाशित किया जा चुका है। लेकिन इसके बावजूद जिम्मेदार लोग सब कुछ जानते हुए भी जानबूझकर इस ओर से अंजान बने बैठे हैं जो वास्तव में एक गंभीर जांच का विषय है।

समाज की तरक्की के लिए शिक्षा और संगठन सबसे जरूरी : नरेंद्र कश्यप

- कश्यप निषाद संगठन के जिला स्तरीय सम्मेलन में जुटे समाज के लोग, मोदी- योगी सरकार की उपलब्धियां गिनाईं

प्रात : किरण संवाददाता

अमरोहा। जनपद के ग्राम ढक्का में कश्यप निषाद संगठन द्वारा आयोजित जिला स्तरीय सम्मेलन में उत्तर प्रदेश सरकार के स्वतंत्र प्रभार राज्य मंत्री नरेंद्र कश्यप मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। सम्मेलन में समाज के लोगों की बड़ी भागीदारी देखने को मिली। इस अवसर पर उन्होंने सामाजिक एकता, शिक्षा और संगठन की मजबूती को समाज के विकास का आधार बताते हुए लोगों से एकजुट होकर आगे बढ़ने का आह्वान किया। अपने संबोधन में नरेंद्र कश्यप ने कहा कि आज के दौर में किसी भी समाज की प्रगति के लिए शिक्षा, जागरूकता और संगठन सबसे महत्वपूर्ण हैं। जब समाज के लोग एक मंच पर संगठित होकर अपनी शक्ति का प्रदर्शन करते हैं, तब उनकी समस्याओं के समाधान के साथ-साथ विकास के नए रास्ते भी खुलते हैं। उन्होंने कहा कि संगठन जितना मजबूत होगा, समाज की आवाज उतनी ही प्रभावी ढंग से शासन-प्रशासन तक पहुंचेगी। उन्होंने लोगों से सामाजिक समरसता बनाए रखने और नई पीढ़ी को शिक्षा के प्रति प्रेरित करने का आह्वान किया। मंत्री नरेंद्र कश्यप ने केंद्र और प्रदेश सरकार की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले 12 वर्षों में भारत ने आर्थिक, सामाजिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक क्षेत्रों में अभूतपूर्व प्रगति की है।

ओमकार हत्याकांड/अपहरण मामले में पीड़ित परिजन पुलिस कार्यशैली से असंतुष्ट

- (विरोध में, रविवार को लोनी इंटर कॉलेज में पंचायत का ऐलान कर. लोगों से करी भारी संख्या में पहुंचने की अपील)

प्रात : किरण संवाददाता

लोनी। कोतवाली लोनी क्षेत्र के गनौली गांव निवासी दुग्ध कारोबारी ओमकार उर्फ ओमन अपहरण/हत्याकांड मामले मे पुलिस की कार्य प्रणाली से नाराज परिजनो ने वीडियो वायरल कर रविवार के दिन पंचायत करने की घोषणा की है। पीड़ित पक्ष ने वीडियो के माध्यम से लोनी इंटर कॉलेज पर होने वाली पंचायत में लोगों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने की अपील की है। परिजनो ने अपनी वायरस वीडियो के माध्यम से गम्भीर सवाल उठाते हुए कहा है कि 30 मई की सुबह लोनी कोतवाली क्षेत्र के खरखडी अण्डरपास के निकट कुछ कार सवार बदमाशो ने ओमकार पर गोली बरसाते हुए उसका अपहरण कर फरार हो गए थे। कुछ दिन बाद घटना में शामिल पकड़े गए अभियुक्त से पूछताछ के बाद पुलिस ने आरोपियों द्वारा ओमकार की हत्या कर उसके शव को नहर में फैकने का दावा किया था। जिसके बाद से गाजियाबाद पुलिस की टीम NDRF / SDRF / गोताखोरो की मदद से ओमकार की डेड बॉडी तलाशने मे लगी है, लेकिन अभी तक उसका शव बरामद नही हो सका। मामले में नाम दर्ज आरोपियो में शामिल दो आरोपियो को गिरफ्तार कर पुलिस घटना के खुलासे का दावा कर चुकी है. जबकि दो बदमाशो को दिल्ली क्राइम ब्रांच पुलिस टीम ने बीती रात मुठभेड के बाद गिरफ्तार किया है।

अमरोहा के गौरव और जननायक महबूब अली: शकरपुर की गलियों से सत्ता के शिखर तक का सफर

प्रात : किरण संवाददाता

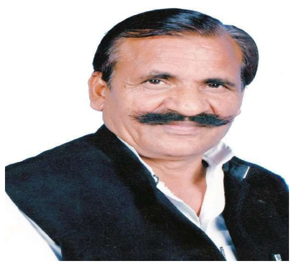

अमरोहा। पश्चिमी उत्तर प्रदेश की राजनीति में जिला अमरोहा का विशेष महत्व रहा है। इसी धरती ने एक ऐसे जननेता को जन्म दिया। जिन्होंने शकरपुर गांव की साधारण पृष्ठभूमि से निकलकर प्रदेश की राजनीति में अपनी अलग पहचान बनाई। यह नाम है समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता, पूर्व कैबिनेट मंत्री और अमरोहा सदर से विधायक महबूब अली का। महबूब अली का राजनीतिक जीवन संघर्ष, जनसंपर्क और जनसेवा की मिसाल माना जाता है। ग्रामीण परिवेश में जन्म लेने के कारण उन्होंने आम लोगों की समस्याओं को बेहद करीब से समझा और उन्हें दूर करने के लिए राजनीति को जनसेवा का माध्यम बनाया। युवाओं के बीच उनकी लोकप्रियता और जनता के सुख-दुख में हमेशा साथ खड़े रहने की आदत ने उन्हें अमरोहा की राजनीति का मजबूत स्तंभ बना दिया। अमरोहा सदर विधानसभा सीट पर महबूब अली का प्रभाव वर्षों से कायम है। बदलते राजनीतिक समीकरणों और विरोधी लहरों के बावजूद जनता ने बार-बार उन पर विश्वास जताया।

ओमकार अपहरण/हत्याकांड का 50 हजारी इनामी अभियुक्त गिरफ्तार, मुठभेड़ के दौरान दोनों पैरो में लगी गोली

प्रात : किरण संवाददाता

लोनी। शुक्रवार देर रात थाना लोनी पुलिस ने मुखबिर की सूचना के आधार पर ग्राम गनौली निवासी दुग्ध डेयरी कारोबारी ओमकार सिंह के अपहण व हत्या में शामिल 50 हजार रुपये के इनामी अभियुक्त को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया है। दोनों पैरों में गोली लगने से घायल आरोपी को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मिली जानकारी अनुसार पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि गनौली निवासी ओंकार के अपहरण व हत्या में शामिल आरोपी बंथला से चिरोड़ी की तरफ जा रहा है। सूचना मिलते ही तुरंत उस ओर रवाना हुई पुलिस टीम बंथला चिरोड़ी मार्ग पर नहर के निकट चेकिंग अभियान में जुट गई। इसी दौरान उनकी ओर आ रही एक सफेद स्विफ्ट कार चालक को रुकने का इशारा किया तो सामने पुलिस को देख वह गाड़ी वापस मोड़कर भागने लगा लगा. मगर हड़बड़ाट गाड़ी सड़क किनारे एक पेड़ से टकरा गई। कार चालक नीचे उतरकर पीछा कर रही पुलिस पार्टी पर जान से मारने की नियत से फायर झोंकते हुए भागने लगा। पुलिस टीम द्वारा आत्मरक्षार्थ व जवाबी कार्यवाही में बदमाश के दोनों पैरों में गोली लगने से वहीं गिर गया। पुलिस ने घायल अवस्था में पकड़े गए बदमाश को उपचार हेतु अस्पताल भिजवाया. जिसने पुलिस पूछताछ में अपना नाम गौरव नागर पुत्र गजराज निवासी ग्राम बादलपुर, थाना बादलपुर, गौतमबुद्धनगर बताया।\ उसने एसीपी सिद्धार्थ गौतम ने बताया कि गिरफ्तार अभियुक्त ने अपने साथियों के साथ मिलकर ओमकार पुत्र राममेहर निवासी ग्राम गनौली, थाना लोनी का अपहरण कर हत्या कर शव रोहटा मेरठ रोड पर गंगानगर में फेंक देना कबूल किया है। जिसके कब्जे से एक स्विफ्ट कार, 01 पिस्टल 32 बोर मय 02 जिंदा कारतूस व 02 खोखा कारतूस बरामद हुए हैं। जिसके विरुद्ध एनसीआर क्षेत्र में करीब आधा दर्जन अभियोग पंजीकृत है।

जी.बी. पंत अस्पताल कर्मचारी यूनियन 3103 के चुनाव परिणाम घोषित, नरेश कुमार अध्यक्ष व नितिन कुमार महासचिव निर्वाचित

प्रात : किरण संवाददाता, नादिर त्यागी

नई दिल्ली। जी.बी. पंत अस्पताल कर्मचारी यूनियन 3103 के द्विवार्षिक चुनाव 2026-28 शांतिपूर्ण, निष्पक्ष और लोकतांत्रिक वातावरण में संपन्न हुए। चुनाव प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद निर्वाचन अधिकारियों ने मतगणना कर आधिकारिक रूप से परिणाम घोषित कर दिए। चुनाव में कुल 341 मतों का मतदान हुआ। मतगणना के पश्चात अध्यक्ष पद पर श्री नरेश कुमार ने 239 मत प्राप्त कर शानदार जीत दर्ज की और उन्हें जी.बी. पंत कर्मचारी यूनियन 3103 का अध्यक्ष निर्वाचित घोषित किया गया। वहीं महासचिव पद पर नितिन कुमार ने 245 मत हासिल कर विजय प्राप्त की और कर्मचारी यूनियन के महासचिव निर्वाचित घोषित किए गए। चुनाव प्रक्रिया का संचालन निर्वाचन अधिकारियों श्री देवेन्द्र, किशोर राणा एवं रविकांत ने निष्पक्ष एवं पारदर्शी ढंग से किया।मतगणना पूर्ण होने के बाद इन्हीं अधिकारियों ने आधिकारिक रूप से चुनाव परिणामों की घोषणा की।मतदान प्रक्रिया के दौरान दोनों पक्षों की ओर से जितेन्द्र सक्सेना और श्री दिनेश कुमार ने मतदान अभिकर्ता (पोलिंग एजेंट) के रूप में अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन किया। चुनाव की पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए पूरी प्रक्रिया कैमरों की निगरानी में सम्पन्न कराई गई, जबकि पुलिस प्रशासन ने भी चुनाव को सकुशल सम्पन्न कराने में सहयोग प्रदान किया। नवनिर्वाचित अध्यक्ष नरेश कुमार एवं महासचिव नितिन कुमार ने सभी कर्मचारियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि कर्मचारियों ने उन्हें भारी मतों के अंतर से जीत दिलाकर जो विश्वास जताया है, उससे उनकी जिम्मेदारियां और बढ़ गई हैं। उन्होंने भरोसा दिलाया कि वे कर्मचारियों के हितों की रक्षा, उनकी समस्याओं के समाधान तथा संस्थान के विकास और सौहार्दपूर्ण कार्य वातावरण बनाए रखने के लिए पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ कार्य करेंगे।

पार्षद अंकुश जैन ने मुख्य विद्युत अभियंता को भेजा प्रस्ताव, वार्ड 41 में नए बिजली घर की करी मांग

प्रात : किरण संवाददाता

लोनी। नगरपालिका परिषद, वार्ड 41 के पार्षद अंकुश जैन (मिंकू) ने क्षेत्र में लगातार बढ़ रही विद्युत समस्याओं को लेकर मुख्य विद्युत अभियंता, गाजियाबाद को पत्र भेजकर नए विद्युत उपकेंद्र की स्थापना वार्ड में स्थित गुलाब वाटिका कालोनी में करने की मांग की है। पार्षद ने विधुत अधिकारियों को प्रेषित अपने पत्र में उल्लेख किया है कि लोनी क्षेत्र वासियों को आए दिन बिजली कटौती, लो-वोल्टेज और ओवरलोडिंग जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। जिसके चलते उनके दिनचर्या पूरी तरह प्रभावित हैं। उनका कहना है कि बलराम नगर विद्युत उपकेंद्र पर लोनी बॉर्डर क्षेत्र की कई कॉलोनियों का अत्यधिक विद्युत भार होने के कारण विद्युत आपूर्ति व्यवस्था प्रभावित हो रही है। पार्षद अंकुर जैन सुझाव देते हुए कहा कि वार्ड संख्या 41 स्थित गुलाब वाटिका क्षेत्र में उपलब्ध स्थान पर नया विद्युत उपकेंद्र स्थापित किया जाए। इससे क्षेत्र का विद्युत भार विभाजित होगा और हजारों उपभोक्ताओं को बेहतर एवं निर्बाध बिजली आपूर्ति मिल सकेगी। उन्होंने यह भी कहा कि लोनी बॉर्डर थाने के निकट सरकारी भूमि उपलब्ध होने की जानकारी मिली है, जिसका उपयोग बिजलीघर निर्माण के लिए किया जा सकता है। उन्होंने विभाग से तकनीकी सर्वेक्षण कर प्रस्ताव की व्यवहारिकता का आकलन करने का अनुरोध किया है। ताकि उक्त विद्युत घर की स्थापना संबंधी अग्रिम कार्रवाई को गति दी जा सके। अंकुश जैन ने कहा कि जनहित को ध्यान में रखते हुए विभाग को इस प्रस्ताव पर गंभीरता से विचार करना चाहिए, ताकि क्षेत्रवासियों को बिजली समस्याओं के भारी संकट से छुटकारा मिल सके।

मानसून से पहले अलर्ट मोड में प्रशासन: डीएम ने गंगा तट और तटबंधों का किया

प्रात : किरण अवनीश त्यागी

बिजनौर। जनपद में आगामी मानसून और संभावित बाढ़ के खतरे को देखते हुए जिलाधिकारी जसजीत कौर ने शनिवार को विभिन्न बाढ़ सुरक्षा एवं कटाव निरोधक परियोजनाओं का स्थलीय निरीक्षण कर कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अधिकारियों को सभी निर्माण एवं सुरक्षा कार्य निर्धारित समय सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण कराने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने सबसे पहले ग्राम मिजार्पुर स्थित गलका मंदिर के निकट गंगा नदी तट पर चल रहे बाढ़ एवं कटाव निरोधक कार्यों का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने उन्हें बताया कि परियोजना के अंतर्गत एक नए स्टड (स्पर) का निर्माण तथा एक पुराने स्टड की मरम्मत का कार्य प्रगति पर है। परियोजना पूर्ण होने के बाद गलका मंदिर तथा ग्राम मिजार्पुर को गंगा नदी के कटाव और बाढ़ से प्रभावी सुरक्षा मिलेगी। इसके बाद जिलाधिकारी ने मालन नदी पर स्थित यूसुफपुर-बाकरपुर तटबंध के सुदृढ़ीकरण एवं संरक्षण कार्यों का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने जानकारी दी कि परियोजना पूरी होने पर यूसुफपुर, बाकरपुर, इमामपुर सहित आसपास के कई गांवों को बाढ़ के खतरे से राहत मिलेगी और जन-धन की संभावित क्षति को काफी हद तक रोका जा सकेगा। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि बरसात शुरू होने से पहले सभी कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जाए। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्यों की गुणवत्ता से किसी प्रकार का समझौता नहीं होना चाहिए तथा नियमित निरीक्षण के माध्यम से प्रगति की सतत निगरानी सुनिश्चित की जाए। जिलाधिकारी ने मध्य गंगा बैराज क्षेत्र में संचालित बाढ़ सुरक्षा कार्यों का भी निरीक्षण किया। इस दौरान जानकारी मिली कि परियोजना के अंतर्गत प्रस्तावित स्टडों में से तीन स्टड का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है, जबकि शेष कार्य प्रगति पर हैं। इस पर उन्होंने संबंधित अधिकारियों को शेष कार्य युद्धस्तर पर पूरा करने के निर्देश दिए, ताकि मानसून से पहले सभी सुरक्षा व्यवस्थाएं पूरी तरह तैयार हो सकें। निरीक्षण के दौरान अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) देवेंद्र पाल सिंह, अधिशासी अभियंता अफजलगढ़ सिंचाई खंड धामपुर अवधेश कुमार शर्मा, सहायक अभियंता, अवर अभियंता तथा अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। जिले में बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों की सुरक्षा को लेकर प्रशासन पूरी तरह सक्रिय नजर आ रहा है। गंगा और मालन नदी के किनारे संचालित कटाव निरोधक एवं तटबंध सुदृढ़ीकरण परियोजनाओं के समय पर पूरा होने से हजारों ग्रामीणों को राहत मिलने की उम्मीद है।

हरिद्वार राष्ट्रीय चिंतन शिविर को सफल बनाने के लिए भाकियू (टिकैत) का जनसंपर्क अभियान तेज

प्रात : किरण अवनीश त्यागी

बिजनौर। भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) द्वारा उत्तराखंड के हरिद्वार जनपद में 15 से 18 जून तक आयोजित होने वाले राष्ट्रीय चिंतन शिविर को सफल बनाने के लिए जनसंपर्क अभियान तेज कर दिया गया है। इसी क्रम में शुक्रवार को संगठन के पदाधिकारियों और कार्यकताओं ने क्षेत्र के विभिन्न गांवों का दौरा कर किसानों से अधिक से अधिक संख्या में शिविर में पहुंचने का आह्वान किया। भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) के जिला अध्यक्ष सुनील प्रधान के निदेर्शानुसार राष्ट्रीय उपाध्यक्ष धर्मवीर सिंह धनखड़ एवं तहसील अध्यक्ष चौधरी कोमन सिंह के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने ग्राम बरूकी, उमरी, शाहपुर सैदू, महमूदपुर जगमल, डल्लू, धनौरा, सिकैड़ा, नवादा, बाकंपुर, पमडावली, सुंदरपुर, धौकलपुर, मंगोलपुरा तथा भागैन सहित अनेक गांवों का भ्रमण किया। इस दौरान पदाधिकारियों ने किसानों को राष्ट्रीय चिंतन शिविर के उद्देश्यों से अवगत कराया और कहा कि यह शिविर किसानों की समस्याओं, कृषि नीतियों, संगठन की भावी रणनीति तथा किसान हितों से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर मंथन का एक बड़ा मंच होगा। उन्होंने किसानों से अपील की कि वे बड़ी संख्या में हरिद्वार पहुंचकर कार्यक्रम को सफल बनाएं। जनसंपर्क अभियान में डॉ. एस.पी. सिंह, बृजेश कुमार, संदीप त्यागी, चमन सिंह, हेमराज सिंह, नरपाल सिंह, रवि कुमार, विपिन कुमार, राजपाल सिंह एवं बनवारी लाल सहित अनेक कार्यकर्ता मौजूद रहे। किसानों ने भी संगठन के आह्वान का समर्थन करते हुए शिविर में भागीदारी का भरोसा दिलाया।

राष्ट्रीय दैनिक प्रातःकिरण

नई दिल्ली, रविवार, 14 जून, 2026

शिल्पा शेट्टी ने करियर के सबसे मुश्किल दौर का सुनाया किस्सा

बॉलीवुड एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी को फिटनेस क्वीन, टीवी स्टार, बिजनेसवुमन और प्रेरणादायक शख्सियत के तौर पर जाना जाता है, लेकिन उनका सफर हमेशा आसान नहीं रहा। एक समय ऐसा भी आया था जब उन्हें फिल्में मिलनी लगभग बंद हो गई थीं और कई प्रोड्यूसर्स उन्हें अपनी फिल्मों से बाहर कर देते थे। खुद शिल्पा ने बताया था कि उन्हें लगने लगा था कि उनका करियर पीछे जा रहा है, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी और कड़ी मेहनत की, आखिरकार अपनी अलग पहचान बनाने में सफल रहीं। 8 जून 1975 को कर्नाटक के मंगलुरु में जन्मीं शिल्पा शेट्टी का असली नाम अश्विनी शेट्टी है। पढ़ाई पूरी करने के बाद वह अपने पिता के काम में हाथ बंटाने लगी थीं। इसी दौरान एक फैशन शो में हिस्सा लेने का मौका मिला। वहां एक फोटोग्राफर ने उनकी तस्वीरें खींचीं, और यही तस्वीरें उनके लिए मॉडलिंग की दुनिया का दरवाजा खोल गईं। मॉडलिंग में सफलता मिलने के बाद उन्हें फिल्मों के ऑफर मिलने लगे। शिल्पा ने 1993 में फिल्म 'बाजीगर' से बॉलीवुड में कदम रखा। इस फिल्म में उनके साथ शाहरुख खान और काजोल थे। फिल्म सुपरहिट साबित हुई और शिल्पा की भी खूब चर्चा हुई। 1990 के दशक में वह 'मैं खिलाड़ी तू अनाड़ी', 'छोटे सरकार', 'आओ प्यार करें', 'हथकड़ी', 'औजार' और 'परदेसी बाबू' जैसी कई चर्चित फिल्मों का हिस्सा रहीं और दर्शकों के बीच लोकप्रिय होती गईं। सफलता का यह सफर हमेशा नहीं रहता है। शिल्पा ने एक इंटरव्यू में बताया था कि करियर के एक दौर में उन्हें काम मिलना बंद हो गया था। कई बार ऐसा हुआ जब उन्हें फिल्म के लिए चुना गया, लेकिन बाद में प्रोड्यूसर्स ने उन्हें फिल्म से बाहर कर दिया। लगातार मिल रही निराशा ने उन्हें परेशान जरूर किया, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी। साल 2000 में आई फिल्म 'धड़कन' ने उनके करियर को नई दिशा दी। इस फिल्म में उनके अभिनय को खूब सराहा गया, और वह एक बार फिर चर्चा में आ गईं। इसके बाद उन्होंने 'रिश्ते', 'फिर मिलेंगे', 'दस' और 'लाइफ इन ए... मेट्रो' जैसी फिल्मों में काम किया। खासकर 'फिर मिलेंगे' में एचआईवी पीड़ित महिला के किरदार ने उनके अभिनय की नई पहचान बनाई। फिल्मों के साथ-साथ शिल्पा ने टीवी की दुनिया में भी अपनी मजबूत जगह बनाई। ब्रिटेन के चर्चित रियलिटी शो 'सेलिब्रिटी बिग ब्रदर' में हिस्सा लेकर उन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान हासिल की। शो में नस्लीय टिप्पणियों का सामना करने के बावजूद उन्होंने हिम्मत नहीं हारी और विजेता बनकर उभरीं। इस जीत ने उन्हें दुनिया भर में लोकप्रिय बना दिया।

शादी के सवाल पर बोलीं कंगना रनौत

मुंबई अभिनेत्री और सांसद कंगना रनौत इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म 'भारत भाग्य विधाता' के प्रमोशन में जुटी हैं। इस कड़ी में एक इंटरव्यू में उन्होंने महिलाओं के जीवन, शादी, करियर और समाज में उनके योगदान को लेकर खुलकर बातचीत की। इस बातचीत में उनकी को-स्टार स्मिता तांबे की उनसे उनकी शादी को लेकर सवाल पूछ लिया। इस सवाल पर कंगना ने मजेदार जवाब दिया। दरअसल, कंगना नेको-स्टार्स के बीच होने वाली बातचीत के बारे में बताया। इस बीच स्मिता तांबे ने कहा कि वह उनके एक सवाल का जवाब नहीं दे रही हैं कि वह शादी कब करेंगी। इस पर कंगना ने मजाकिया अंदाज में जवाब दिया। उन्होंने कहा, 'हमारी बातचीत इस बारे में नहीं थी कि कौन अपनी जिंदगी में क्या कर रहा है। हम सामान्य तौर पर अपने जीवन के अनुभवों के बारे में बात कर रहे थे, लेकिन हां, स्मिता मेरे लिए रिश्ता जरूर ढूंढ रही हैं।'

इसके बाद जब उनसे पूछा गया कि कई सफल महिलाएं शादी करने का फैसला लेने में इतना समय क्यों लगाती हैं, तो कंगना ने इसे हर व्यक्ति की अलग जीवन यात्रा बताया। उन्होंने कहा, ''मैं कहूंगी कि हर किसी की अपनी जीवन यात्रा होती है। मेरे साथ मौजूद को-स्टार्स में सभी शादीशुदा हैं और दो के बच्चे भी हैं, लेकिन हर किसी का अनुभव अलग होता है। जैसे गिरिजा बहुत कम उम्र में मां बनी थीं, तो किसी के लिए भी बहुत मुश्किल परिस्थिति होती है। हर महिला का अपना अलग सफर होता है। मेरे मामले में मैं शादी के इंस्टीट्यूशन में विश्वास रखती हूं। ऐसा नहीं है कि मैं शादी में विश्वास नहीं रखती, लेकिन सच यह है कि लंबे समय तक शादी मेरी प्राथमिकता नहीं है। मेरी प्राथमिकता हमेशा मेरा करियर रहा है।''

कंगना ने अपने करियर की शुरुआत और सफलता के सफर को याद करते हुए कहा, ''मैंने सोलह या सत्रह साल की उम्र में काम शुरू किया था, लेकिन सफलता मुझे 29 साल की उम्र में मिली, जब मैंने 'तनु वेड्स मनु' और 'क्वीन' जैसी फिल्में कीं। इसके बाद मुझे जीवन में कई फैसले लेने पड़े। मेरे माता-पिता कहते थे, 'यह कैसी सोच है, लड़कियां ऐसे नहीं सोचतीं।' लेकिन मुझे हमेशा लगता था कि मुझे अपने तरीके से आगे बढ़ना है।''

फिल्म 'भारत भाग्य विधाता' की बात करें तो यह फिल्म 2008 के मुंबई आतंकी हमलों की पृष्ठभूमि पर आधारित है। फिल्म में कंगना रनौत नर्स 'गीता माधव' की भूमिका निभा रही हैं, जो अस्पताल में मरीजों की सेवा करती है और अपने कर्तव्य को सर्वोपरि रखती है।

विजय सेतुपति के अभिनय की मुरीद हुईं संयुक्ता

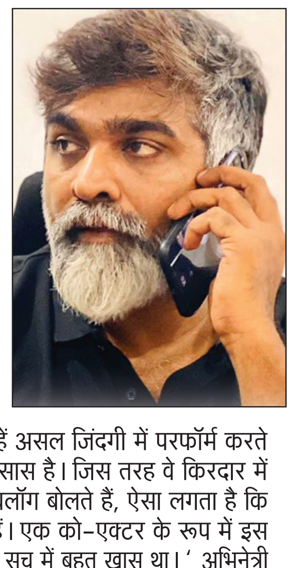

साउथ फिल्म इंडस्ट्री की सफल अभिनेत्री संयुक्ता जल्द ही अपकमिंग फिल्म 'स्लमडॉग: 33 टेम्पल रोड' में विजय सेतुपति के साथ नजर आएंगी। अभिनेत्री ने बताया कि सेतुपति को सामने से एक्टिंग करते देखना एक शानदार अनुभव रहा। संयुक्ता ने खास बातचीत में बताया कि वह विजय सेतुपति की प्रशंसक हैं। उन्होंने कहा कि असल जिंदगी में विजय को परफॉर्म करते देखना बिल्कुल अलग और खास अनुभव है। संयुक्ता ने कहा, 'मैं विजय की बहुत बड़ी फैन हूं। उन्हें असल जिंदगी में परफॉर्म करते देखना एक बिल्कुल अलग एहसास है। जिस तरह वे किरदार में सहजता से ढल जाते हैं और डायलॉग बोलते हैं, ऐसा लगता है कि वे उनके अंदर से ही आ रहे हैं। एक को-एक्टर के रूप में इस प्रोसेस को करीब से देखना सच में बहुत खास था।' अभिनेत्री संयुक्ता पुरी जगन्नाथ द्वारा निर्देशित फिल्म 'स्लमडॉग 33 टेम्पल रोड' में विजय सेतुपति के साथ नजर आएंगी। उन्होंने अपने किरदार के बारे में बात करते हुए बताया, 'मेरा किरदार बहुत खूबसूरत है। मैंने पहले कभी ऐसा रोल नहीं किया है। इसमें अलग लेकिन जबरदस्त बदलाव है। इसने मुझे एक अभिनेत्री के रूप में नई चुनौती दी है और मैं इससे बहुत खुश हूं।' उन्होंने फिल्म के निर्देशक पुरी जगन्नाथ की भी खूब तारीफ की। उन्होंने कहा, 'हर कोई मुझे कह रहा था कि यह फिल्म अपनी तरह की अनोखी होगी। सेट पर पहुंचकर मुझे समझ आया कि क्यों। पुरी सर का डायरेक्शन स्टाइल बहुत सहज, स्टाइलिश और खूबसूरत है। वे सिर्फ समय पर शूटिंग खत्म नहीं करते, बल्कि समय पर शुरू भी करते हैं और जल्दी पूरा कर लेते हैं। उन्हें काम करते देखना अद्भुत है।' यह फिल्म 19 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

7 अगस्त को रिलीज होगी राजकुमार राव की फिल्म 'प्रहार- द उज्ज्वल निकम स्टोरी'

मैडॉक फिल्म्स की एक और फिल्म का एलान हो गया है। राजकुमार राव इसमें लीड रोल में हैं। हम फिल्म 'प्रहार- द उज्ज्वल निकम स्टोरी' की बात कर रहे हैं। दिनेश विजन ने फिल्म की रिलीज डेट से पर्दा उठा दिया है। फिल्म प्रहार- द उज्ज्वल निकम स्टोरी' इस साल अगस्त में रिलीज होगी। ट्रेड विश्लेषक तरण आदर्श ने आज एक्स अकाउंट पर एक पोस्ट साझा किया है। इसमें उन्होंने लिखा है, 'दिनेश विजन और राजकुमार राव एक बार फिर साथ आ रहे हैं। फिल्म 'प्रहार - द उज्ज्वल निकम स्टोरी' की रिलीज डेट की घोषणा कर दी गई है।' मैडॉक फिल्म की 'प्रहार' में राजकुमार राव के अलावा वामिका गब्बी, सिकंदर खेर और जयदीप अहलावत जैसे सितारे भी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म के निर्देशन की कमान अविनाश अरुण संभालेंगे। बता दें कि 'प्रहार' एक बायोग्राफिकल फिल्म है।

राजकुमार राव ने फिल्म के लिए बढ़ाया वजन

यह फिल्म देश के सबसे प्रसिद्ध वकीलों में से एक उज्ज्वल निकम के जीवन से प्रेरित है। राजकुमार राव ने उज्ज्वल निकम जैसा दिखने के लिए कड़ी मशक्कत की है। उन्होंने बिना किसी बनावटी मेकअप या प्रोस्थेटिक्स के वास्तव में वजन बढ़ाकर खुद को किरदार में ढाला। राजकुमार राव इस मामले में कहते हैं, 'जब तक मैं अपनी मेहनत से वह लुक पा सकता हूं, तब तक मैं प्रोस्थेटिक्स में यकीन नहीं रखता।

'पॉकेट नॉवेल' में विजय सेतुपति के साथ नजर आएंगी मालविका मोहनन

मालविका मोहनन इन दिनों अपने करियर के सबसे व्यस्त दौर से गुजर रही हैं और एक साथ कई बड़ी फिल्मों पर काम कर रही हैं। हाल ही में मिली जानकारी के अनुसार वह इन दिनों चेन्नई में निर्देशक त्यागराजन कुमारराजा की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'पॉकेट नॉवेल' की शूटिंग में व्यस्त हैं, जिसमें उनके साथ विजय सेतुपति मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। बताया जा रहा है कि मालविका केवल 'पॉकेट नॉवेल' की शूटिंग ही नहीं कर रही हैं, बल्कि इसके साथ-साथ एक अन्य अभी तक घोषित नहीं की गई फिल्म पर भी काम कर रही हैं। व्यस्त कार्यक्रम के बावजूद वह अपने सभी प्रोजेक्ट्स को लेकर बेहद उत्साहित हैं और पूरी लगन के साथ शूटिंग में जुटी हुई हैं। सूत्रों के अनुसार चेन्नई में चल रहे लगातार फिल्मांकन के बीच मालविका दोनों फिल्मों के काम को संतुलित कर रही हैं, जो उनके पेशेवर समर्पण और मेहनत को दर्शाता है। 'पॉकेट नॉवेल' में राज बी. शेट्टी और किशोर जैसे कलाकार भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में दिखाई देंगे।

सफलता नहीं मौके खत्म होने का डर है

कभी नौकरी ढूंढ रहे और एमबीए की तैयारी कर रहे वेदांग आज बॉलीवुड के चर्चित युवा चेहरों में गिने जाते हैं। हालांकि, दिलचस्प बात यह है कि स्टारडम, बॉक्स ऑफिस और सोशल मीडिया की दुनिया में कदम रखने के बाद भी उनकी सबसे बड़ी चिंता सफलता नहीं, बल्कि अवसर हैं।

हाल ही में बातचीत के दौरान वेदांग ने कहा, 'मेरे लिए सबसे बड़ा दबाव सफलता का नहीं, बल्कि अवसरों का है। मेरी बस यही दुआ रहती है कि मुझे लगातार काम मिलता रहे, फिल्में मिलती रहें और ऐसे मौके मिलते रहें, जिनसे मैं खुद को एक अभिनेता के तौर पर साबित कर सकूं। सफलता मिल जाए तो बहुत अच्छी बात है, लेकिन मुझे सबसे ज्यादा डर इस बात का है कि कहीं मौके मिलने बंद न हो जाएं।'

बॉक्स ऑफिस भी कोई चीज होती है

आज जब फिल्मों की सफलता पहले दिन के कलेक्शन और वीकेंड नंबरों से तय होने लगी है, तो वेदांग स्वीकार करते हैं कि शुरुआत में उन्हें इस दुनिया की ज्यादा समझ नहीं थी। वह कहते हैं, 'जब मैंने 'द आर्चीज' की थी और उसके बाद 'जिगरा' की, तब मेरे लिए सबसे बड़ी बात यही थी कि मैं फिल्मों का हिस्सा बन गया हूं। लोग मुझे बड़े पर्दे पर देख सकते हैं। मुझे सच में यह नहीं पता था कि बॉक्स ऑफिस, ओपनिंग कलेक्शन और नंबर जैसी चीजें कितनी बड़ी होती हैं। मैं सिर्फ फिल्मों और अभिनय को लेकर उत्साहित था। हां, लेकिन पिछले कुछ साल में मेरी सोच बदली है। धीरे-धीरे मुझे समझ आया कि यहां सक्सेस और बॉक्स ऑफिस नंबर्स को कितना महत्व दिया जाता है। शायद यही मेरा सबसे बड़ा बबल बर्स्ट था। लेकिन मैं आज भी कोशिश करता हूं कि खुद को सिर्फ आंकड़ों तक सीमित न रखूं।'

इम्तियाज सर का नाम सुना और हां कर दी

अपनी अगली फिल्म 'मैं वापस आऊंगा' के बारे में बात करते हुए वेदांग बताते हैं कि इस बार फैसला लेना उनके लिए मुश्किल नहीं था। बकौल वेदांग, 'जब मुझे पता चला कि इम्तियाज अली सर इस प्रोजेक्ट से जुड़े हैं और मुझे इस किरदार के लिए देखा जा रहा है, तो मैंने लगभग उसी समय हां कह दी थी। मुझे न स्क्रिप्ट की जरूरत थी और न किसी दूसरी जानकारी की। मेरे पास सिर्फ फिल्म का आइडिया था, लेकिन इम्तियाज सर के साथ काम करने का मौका अपने आप में बहुत बड़ी बात थी।'

पगड़ी पहनी तो लगा कि बड़ी जिम्मेदारी है

इस फिल्म में वेदांग पहली बार एक सिख किरदार निभा रहे हैं। यही वजह है कि यह फिल्म उनके लिए कई स्तरों पर खास बन गई। वह कहते हैं, 'मेरे लिए यह सिर्फ एक नया लुक नहीं था, बल्कि एक बड़ी जिम्मेदारी भी थी। पगड़ी पहनना और इस किरदार को निभाना बहुत खूबसूरत एहसास था। फिल्म 1940 के दशक के उस भारत की कहानी है, जब देश का बंटवारा नहीं हुआ था। मैं उस दौर के बारे में ज्यादा नहीं जानता था। लोग कैसे रहते थे? कैसे बात करते थे? उनका रहन-सहन कैसा था? ये सब जानना और समझना मेरे लिए काफी दिलचस्प रहा। एक एक्टर के तौर पर मुझे उस दुनिया को करीब से जानने और उसे जीने का मौका मिला, जिसमें मुझे बहुत मजा आया।'

बंटवारे का खौफ और लोगों का दर्द समझा

बंटवारे पर बनी फिल्म की तैयारी के दौरान वेदांग ने उस दौर और उससे जुड़ी कहानियों को करीब से समझा। वो कहते हैं, 'इस फिल्म की शूटिंग के दौरान मैंने पार्टिशन के बारे में बहुत कुछ सीखा। इससे पहले मैंने सिर्फ अपने माता-पिता, नाना-नानी और परिवार के लोगों से कहानियां सुनी थीं। लेकिन फिल्म की रिसर्च के दौरान मुझे बंटवारे का खौफ, लोगों का दर्द और उस दौर की तकलीफ को समझने का मौका मिला। एक अभिनेता के तौर पर भी यह मेरे लिए बहुत जरूरी था।'

कभी किसी का बेटा तो कभी रिश्तेदार बना देते हैं

इंटरनेट की दुनिया में अफवाहों से बचना मुश्किल है। हालांकि वेदांग इन्हें बहुत गंभीरता से नहीं लेते। वह कहते हैं, 'मैं अपने बारे में फैली ज्यादातर अफवाहों पर ज्यादा ध्यान नहीं देता, लेकिन कभी-कभी कुछ बातें बहुत फनी होती हैं। सबसे मजेदार तब लगता है जब लोग मुझे अलग-अलग फिल्मी परिवारों से जोड़ देते हैं। कोई कहता है मैं किसी का बेटा हूं, कोई किसी और से मेरा रिश्ता निकाल देता है। इनमें से ज्यादातर बातें पूरी तरह गलत होती हैं, लेकिन उन्हें पढ़कर कभी-कभी हंसी जरूर आ जाती है।'

एयर इंडिया ने टाटा को दिया 55,000 करोड़ का घाटा, कैसे होगा बेड़ापार

नई दिल्ली, एजेंसी। एयर इंडिया का एक विमान पिछले साल 12 जून को अहमदाबाद में हादसे का शिकार हो गया था। उसके बाद से कंपनी को पिछले एक साल में करीब तीन अरब डॉलर यानी 28,500 करोड़ रुपये का घाटा हो चुका है। इसे देखते हुए टाटा ग्रुप ने एयर इंडिया को अपने रेकॉर्ड नुकसान को कम करने पर ध्यान देने को कहा है। ब्लूमबर्ग की एक रिपोर्ट में सूत्रों के

हवाले से बताया गया है कि एयर इंडिया विमानों की डिलीवरी टालने, उड़ानें कम करने और विस्तार की योजनाओं को आगे बढ़ाने पर विचार कर रही है। रणनीति में यह बदलाव कंपनी की महत्वाकांक्षी विकास योजना से एकदम अलग है। इस कटौती में लागत कम करने के कई प्रयास शामिल होंगे। सूत्रों ने बताया कि कंपनी एयरबस और बोइंग के साथ बातचीत कर रही है ताकि पहले ऑर्डर किए गए 500 विमानों की डिलीवरी की गति धीमी की जा सके। इससे एयर इंडिया डिलीवरी के समय किए जाने वाले बड़े भुगतान को टाल सकेगी।

एयर इंडिया की चुनौती

एयर इंडिया साथ ही नई घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों की योजनाओं की भी समीक्षा कर रही है, कुछ रूट कम कर रही है और कुछ हवाई अड्डों पर सेवाएं शुरू करने में देरी कर रही है। इनमें नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट भी शामिल है। एयर इंडिया की कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा है जिससे उसे भारी नुकसान हआ है। इस कारण उसे अपनी महत्वाकांक्षी योजनाओं पर ब्रेक लगाना पड़ रहा है। पिछले साल जून में अहमदाबाद में हुए क्रैश, पाकिस्तान के भारतीय एयरलाइंस के लिए अपना हवाई क्षेत्र बंद करने और ईरान युद्ध के कारण उड़ानें बाधित हुईं, लंबे रूट लेने पड़े और ईंधन का खर्च बढ़ गया। रुपये में गिरावट ने भी उसकी वित्तीय मुश्किलों को बढ़ा दिया क्योंकि एयरलाइन का अधिकांश खर्च डॉलर में होता है। टाटा ग्रुप ने 2022 में एयर इंडिया को खरीदा था। एयर इंडिया को 2022 से अब तक 55,000 करोड़ रुपये से ज्यादा का घाटा हो चुका है। यह नुकसान टाटा ट्रस्ट्स के बोर्ड के लिए चिंता का एक बड़ा विषय है।

जीनियस, गैंबलर या कुछ और... एलन मस्क के ट्रिलियनेयर बनने पर फिर शुरू हुई बहस

'अब एलन की कोई नेट वर्थ नहीं है, उनकी अपनी जीडीपी है'

नईदिल्ली, एजेंसी। एलन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स लिस्टिंग के बाद कंपनी का शेयर 30 फीसदी तक उछला और इसका मार्केट कैप 2.3 अरब डॉलर पहुंच गया। इसके साथ ही मस्क दुनिया के पहले ट्रिलियनेयर बन गए। दक्षिण अफ्रीका में जन्मे और पेशे से इंजीनियर 54 साल के मस्क की नेटवर्थ 1.11 ट्रिलियन डॉलर पहुंच गई है। इस साल उनकी नेटवर्थ में 490 अरब डॉलर की तेजी आई है। दूर-दूर तक अब कोई उनकी टक्कर में नहीं है। मस्क की नेटवर्थअमीरों की लिस्ट में दूसरे नंबर पर मौजूद अल्फाबेट के को-फाउंडर लैरी पेज की नेटवर्थ से करीब चार गुना है। स्पेसएक्स का आईपीओ 75 अरब डॉलर का था और यह करीब पांच गुना सब्सक्राइब हुआ। कंपनी की वैल्यूएशन उसके 2025 के रेवेन्यू से करीब 100 गुना ज्यादा है। कंपनी की 42 फीसदी हिस्सेदारी मस्क के पास ही रहेगी। मस्क की नेटवर्थ

दुनिया के अधिकांश देशों की जीडीपी से अधिक है।

सोशल मीडिया रिएक्शन- मस्क की इस सफलता पर सोशल मीडिया पर भी लोग खूब मजे ले रहे हैं। एक्स पर एक यूजर ने मजाक में कहा, 'अब एलन की कोई नेट वर्थ नहीं है। उनकी अपनी जीडीपी है।' इसी तरह एक और यूजर ने कहा, 'इस समय, जेफ बेजोस असल में मिडिल क्लास हैं।' केवल 21 देशों की जीडीपी एक ट्रिलियन डॉलर से अधिक है। मस्क की कामयाबी ने वॉल स्ट्रीट पर फिर इस बहस को जन्म दे दिया कि मस्क एक जीनियस हैं, गैंबलर हैं, या फिर थॉमस एडिसन या आइजक न्यूटन के किसी इंटरनेट ट्रोल से टकराने पर बनी प्रजाति। उनके समर्थक उन्हें एक ऐसे दूरदर्शी के तौर पर देखते हैं जिसने ऑटो इंडस्ट्री में क्रांति ला दी, स्पेस लॉन्च को बदल दिया और साइंस-फिक्शन की कल्पनाओं को बिजनेस प्लान में बदल दिया।

क्या कहते हैं आलोचक- हालांकि आलोचकों का तर्क है कि वे बड़े-बड़े वादे करते हैं, लेकिन काम कम करते हैं। लेकिन दोनों पक्ष अब एक बात पर सहमत हो सकते हैं कि यह आदमी जानता है कि अपनी हिम्मत और बेबाकी से पैसे कैसे कमाए जाते हैं। दशकों तक दुनिया का सबसे अमीर व्यक्ति बनने का मतलब था तेल के कुओं, बैंकों, रेलमार्गों या सॉफ्वेयर मोनोपॉली पर कंट्रोल। लेकिन इसके उलट मस्क की दौलत इलेक्ट्रिक कारों, रियूज होने वाले रॉकेट, एआई और ब्रेन चिप्स पर टिकी है।

दुनिया में हर व्यक्ति के लिए 122

हर व्यक्ति के हिस्से में करीब 122 आएंगे। आज दुनिया में केवल 21 देशों की जीडीपी एक ट्रिलियन डॉलर से ज्यादा है। अमेरिका 32.38 ट्रिलियन के साथ पहले और चीन20.85 ट्रिलियन के साथ दूसरे नंबर पर है। ब्लूमबर्ग बिलिनेयर इंडेक्स के मुताबिक मस्क की नेटवर्थ 1.1 ट्रिलियन डॉलर है। अगर मस्क एक देश होते तो दुनिया की 22वीं बड़ी जीडीपी होते। उनसे आगे अमेरिका, चीन, जर्मनी, जापान, यूके, भारत, फ्रांस, इटली, रूस, ब्राजील, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया, मेक्सिको, स्पेन, साउथ कोरिया, तुर्की, इंडोनेशिया, नीदरलैंड्स, सऊदी अरब, स्विट्जरलैंड और पोलैंड हैं।

सारे एक्सपर्ट्स हो गए फेल, ईरान युद्ध के बीच तेल पर अमेरिका और चीन ने कर दिया बड़ा खेल

- अगर होर्मुज स्ट्रेट बंद हुआ तो ग्लोबल इकॉनमी तबाह हो जाएगी

नई दिल्ली, एजेंसी। पश्चिम एशिया में चल रही लड़ाई के कारण होर्मुज जलडमरूमध्य तीन महीने से भी अधिक समय से बंद है। इसे आधुनिक इतिहास का सबसे बड़ा तेल संकट माना जा रहा है। इसकी वजह यह है कि दुनिया का करीब 20% तेल इसी रास्ते से गुजरता है। कई दशकों से तेल व्यापारी, एक्सपर्ट्स और एनालिस्ट्स यह चेतावनी देते रहे हैं कि अगर होर्मुज स्ट्रेट बंद हुआ तो ग्लोबल इकॉनमी तबाह हो जाएगी। इंडस्ट्री ने ईरान युद्ध के कारण कच्चे तेल की कीमत 200 प्रति बैरल तक पहुंचने का अनुमान लगाया था। लेकिन ऐसा कुछ भी देखने को नहीं मिला है। कच्चे तेल की कीमत शुरुआत में जरूर उछली थी लेकिन पिछले कुछ समय से यह लगातार 100 डॉलर प्रति बैरल के नीचे बनी हुई है।

कैसे हुई सप्लाई

इन्वेस्टमेंट बैंक पाइपर सैंडलर के ग्लोबल एनर्जी इकनॉमिस्ट और स्ट्रैटेजिस्ट जान स्टुअर्ट का अनुमान है कि मई में होर्मुज जलडमरूमध्य से लगभग 2.9 मिलियन बैरल कच्चा तेल बाहर निकला। इसमें से लगभग 2.1 मिलियन बैरल उन जहाजों पर लदा था जिन्होंने ईरानी संस्थाओं को टोल का भुगतान किया था। बाकी लगभग 900,000 बैरल घोस्ट ट्रांजिट हैं। यानी ऐसे जहाज जो अंधेरे में ट्रांसपोंडर बंद करके इस जलमार्ग से गुजरे। इस गुप्त सप्लाई के कारण संकट को संभालने का काम एनालिस्ट्स के अनुमानों से कहीं बेहतर ढंग से हुआ है। एक अनुमान के मुताबिक हर दिन लगभग 4.5 मिलियन बैरल कच्चा तेल दूसरे तरीकों से फारस की खाड़ी से बाहर भेजा गया। इसमे ज्यादातर ईस्ट-वेस्ट पाइपलाइन के जरिए भेजा गया जो सऊदी के तेल क्षेत्रों को लाल सागर के यानबू बंदरगाह से जोड़ती है। यह तरीका होर्मुज स्ट्रेट को बाइपास करता है।लेकिन कच्चे तेल के बाजार में शांति के पीछे गुप्त सप्लाई सबसे बड़ा कारण नहीं है। इससे भी अहम बात यह है कि चीन ने अपना कच्चा तेल इंपोर्ट कम कर दिया है और इसके बजाय अपने बड़े स्टॉक का इस्तेमाल कर रहा है। चीन दुनिया में ऊर्जा के सबसे बड़े उपभोक्ताओं में से एक है। उसकी तरफ से कम मांग ने सप्लाई की कमी को कम करने में मदद की है। चीन दुनिया में कच्चे तेल का सबसे बड़ा आयातक है। वोर्टेक्स लिमिटेड के

फिर घटा विदेशी मुद्रा भंडार, सोने के भंडार में बढ़ोतरी

मुंबई, एजेंसी। भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में फिर गिरावट दिखी है। पिछले सप्ताह इसमें गिरावट हुई है। इससे एक सप्ताह पहले इसमें 938 द्वद्बद्यद्यद्बश्ठ्ठ की बढ़ोतरी हुई थी। हालांकि इस सप्ताह सोने के भंडार में करीब दो अरब डॉलर की बढ़ोतरी दिखी है। लेकिन एफसीए भंडार में काफी गिरावट आने की वजह से ओवरऑल विदेशी मुद्रा भंडार में कमी आई है। इससे पहले 27 फरवरी 2026 को अपना भंडार के ऑल टाइम हाई पर था।

रिजर्व बैंक की तरफ से जारी साप्ताहिक आंकड़ों के अनुसार 05 जून 2026 को समाप्त सप्ताह के दौरान भारत की विदेशी मुद्रा आस्तियों में कमी हुई है। इससे एक सप्ताह पहले इसमें बढ़ोतरी हुई थी। अब अपना एफसीए भंडार घट कर रह गया है। उल्लेखनीय है कि देश के कुल विदेशी मुद्रा

भारतीय रिजर्व बैंक की तरफ से शुक्रवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक 05 जून 2026 को समाप्त सप्ताह के दौरान भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में कमी हुई है। इससे एक सप्ताह पहले इसमें बढ़ोतरी हुई थी। अब अपना विदेशी मुद्रा भंडार घट कर रह गया है। भंडार में विदेशी मुद्रा आस्तियां या फॉरेन करेंसी असेट एक महत्वपूर्ण हिस्सा होता है। डॉलर में अभिव्यक्त किये जाने वाले विदेशी मुद्रा आस्तियों में यूरो, पौंड और येन जैसे गैर अमेरिकी मुद्राओं में आई घट-बढ़ के प्रभावों को भी शामिल किया जाता है।

गोल्ड रिजर्व में बढ़ोतरी

आलोच्य सप्ताह के दौरान सोने के मूल्य में बढ़ोतरी हुई है। इससे रिजर्व बैंक के सोने के भंडार की वैल्यू में बढ़ोतरी हुई है। इससे एक सप्ताह पहले इसमें की कमी आई थी। उल्लेखनीय है कि मार्च 2026 के अंत में आरबीआई के पास सोने का भंडार 880.52 टन का हो गया है। यह देश के कुल फॉरेन एक्सचेंज रिजर्व का करीब 16.7% बैठता है। इसके मूल्य में कमी होती है यह कुल विदेशी मुद्रा भंडार को प्रभावित करता है। रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार, बीते सप्ताह भारत के स्पेशल ड्रॉइंग राइट या विशेष आहरण अधिकार मामूली 18 मिलियन डॉलर की बढ़ोतरी हुई है। इससे एक सप्ताह पहले इसमें कोई घट-बढ़ नहीं हुई थी। इसी सप्ताह अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के पास रखे हुए देश के रिजर्व मुद्रा भंडार में कोई कमी-बेशी नहीं हुई है। इससे एक सप्ताह पहले इसमें मामूली गिरावट आई थी। इस समय

30 साल तक दूसरों का काम किया

चाकरी के 'संध्या' काल में पत्नी बनीं प्रेरणा, 200 करोड़ की फैक्ट्री डाल दी

नईदिल्ली, एजेंसी। जीवन में कुछ करने की तम्मना हो तो उम्र आड़े नहीं आती। अब ईएसई एनर्जी के प्रोमोटर तथा एमडी एंड सीईओ अनिल कुमार चौरसिया को ही देखिए। उन्होंने जीवन में 30 साल तक देश के कई चीनी मिलों में विभिन्न पदों पर काम किया। जब उन्होंने अपनी फैक्ट्री डालने का मन बनाया तब वह सिंभावली शुगर मिल में प्रेसिडेंट के पद पर कार्यरत थे। लेकिन पत्नी की प्रेरणा से इस प्रतिष्ठित पद को छोड़ कर अपना काम करने की ठानी। और कहानी बन गए। अनिल का जन्म बिहार में वैशाली जिले के 'छोटी युसूफपुर' गांव में हुआ था। उनकी प्रारंभिक पढ़ाई-लिखाई गांव के ही प्राथमिक स्कूल से हुई। उनके गांव में हाई स्कूल नहीं था तो दूसरे गांव के स्कूल में नाम लिखाए और 1983 में मैट्रिक या 10वीं की परीक्षा पास की। उन्हें कोई यह बताने वाला नहीं था कि आगे क्या पढ़ाई करनी है। किसी ने कहा गवर्नमेंट पोलिटेक्निक से डिप्लोमा कर

लो तो 'ओवरसियर' की नौकरी मिल जाएगी। पढ़ने में तो वह बचपन से ही तेज थे। बिहार की पोलिटेक्निक संयुक्त प्रवेश परीक्षा में बैठ गए और पहले ही प्रयास में पास हो गए। इसके बाद पूर्णिया के गवर्नमेंट पोलिटेक्निक से इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में डिप्लोमा की पढ़ाई पूरी की।

पत्नी की प्रेरणा 'नौकर' से बने 'उद्योगपति : *अनिल बताते हैं कि वह अच्छी नौकरी कर रहे थे। बढ़िया वेतन-भत्ते का पैकेज था। लेकिन मन में कहीं न कहीं 'अपना काम' शुरू करने की इच्छा दबी थी। इस दबी इच्छा को भड़काया पत्नी संध्या ने। एक तरह से कहिए कि ताना देना शुरू किया कि कब तक दूसरों की नौकरी करोगे अपना काम शुरू करो और सैकड़े लोगों को नौकरी दो। इसके बाद साल 2020 में ईएसएस एनर्जी की नींव पड़ी। पहले सोचा था कि पावर प्लांट लगाएंगे। लेकिन उसी समय सरकार ने इथेनॉल पर बड़ा नीतिगत फैसला किया। यह फैसला था पेट्रोल में अनिवार्य रूप से इथेनॉल ब्लैंडिंग का। इथेनॉल बनाने की प्रक्रिया शुगर इंडस्ट्री से मिलती जुलती है। बस फैसला कर लिया कि इथेनॉल की ही फैक्ट्री लगाएंगे।* जब अनिल ने उद्योगपति बनने का फैसला किया, उस समय बिहार के तत्कालीन मुख्यमंत्री नीतिश कुमार राज्य में औद्योगिकरण पर जोर दे रहे थे। उद्योग मंत्री थे सैयद शहनवाज हुसैन। उस समय बिहार की उद्योग नीति और सरकार की प्रोत्साहन योजना उन्हें ठीक लगी।

नौकरी मिलते ही हुई शादी

बिहार में आप चाहे 'फन्ने खां' ही क्यों नहीं हों, अच्छी नौकरी नहीं है तो अच्छे घर में शादी नहीं होती। अनिल की नौकरी लगते ही साल 1995 में भागलपुर की संध्या कुमारी से उनकी शादी हो गई। इसके बाद वह तरक्की के लिए कई कंपनी बदले। साल 1999 में मंझौलिया शुगर मिल गए। कुछ साल वहां रहने के बाद 2003 में गोपालगंज शुगर मिल्स ज्वॉइन कर लिया। लेकिन वहां कुछ ही महीने रहे और उन्हें पश्चिमी उत्तर प्रदेश के सिंभावली शुगर मिल से आकर्षक ऑफर मिल गया। वहां वे असिस्टेंट मैनेजर के पोस्ट पर ज्वॉइन किए थे और तब तक वहीं नौकरी की, जबकि अपनी फैक्ट्री लगाने का फैसला नहीं कर लिया। जब उन्होंने नौकरी से इस्तीफा दिया, वह उस कंपनी में 'प्रेसिडेंट' के पद पर कार्यरत थे।

एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स ने दिखाई एआई होम इकोसिस्टम के भविष्य की झलक

मुंबई, एजेंसी। एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स ने एआई होम के अनुभवों को लेकर अपना नया नज़रिया साझा किया है। कंपनी ने एक ऐसे जीरो लेबर होम (बिना किसी शारीरिक मेहनत वाले घर) का रोडमैप पेश किया है, जहाँ स्मार्ट तकनीकें खुद आगे बढ़कर घर के रोज़मर्रा के कामों के बोझ को कम करेंगी और जीवन को बेहतर बनाएंगी। एलजी के इस नए दृष्टिकोण के केंद्र में यह सोच है कि भविष्य का घर केवल उपकरणों को आपस में जोड़ने तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि उसे इंसानों को समझना होगा, उनकी ज़रूरतों को पहले से पहचानना होगा और उनके बदले खुद काम भी करना होगा। अपने इस सपने को सच करने के लिए एलजी एक ऐसा एआई होम इकोसिस्टम तैयार कर रहा है जो मुख्य रूप से तीन स्तंभों पर टिका है। ये तीन स्तंभ हैं- एआई-संचालित उपकरण, थिनक्यू एआई ऑर्केस्ट्रेशन और खुद काम करने वाले स्मार्ट होम रोबोट्स। एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया लिमिटेड के होम अप्लायंस सॉल्यूशन के वाइस प्रेसिडेंट, यॉन्ग मिन ह्वांग ने कहा, भारत में होम अप्लायंसेज के प्रीमियम सेगमेंट में एक बड़ा बदलाव आ रहा है। इसकी मुख्य वजह लोगों की बढ़ती आमदनी, तेजी से बढ़ता शहरीकरण और अपने घरों को आधुनिक बनाने की उपभोक्ताओं की साफ इच्छा है। आज का भारतीय उपभोक्ता सिर्फ बुनियादी जरूरतों को पूरा करने वाले उपकरणों तक सीमित नहीं है; वे अब ऐसे इंटेलिजेंट और कनेक्टेड सॉल्यूशंस की तलाश कर रहे हैं जो हमें जीरो लेबर होम (बिना किसी शारीरिक मेहनत वाले घर) के अंतिम लक्ष्य के करीब ले जाएं। हमें सभी प्रोडक्ट कैटेगरी में इस दिशा में तेजी से बढ़ता हुआ रुझान दिख रहा है।

यूनिवो एजुकेशन ने नितिन गोलानी को सीईओ की ज़िम्मेदारी सौंपी

मुंबई, एजेंसी। भारत की अग्रणी ऑनलाइन उच्च शिक्षा कंपनियों में से एक यूनिवो एजुकेशन ने आज नितिन गोलानी को अपना मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) नियुक्त करने की घोषणा की है। श्री गोलानी लगातार शिक्षार्थियों के परिणामों, विश्वविद्यालय साझेदारियों और बड़े पैमाने पर सीखने के डिजिटल अनुभवों पर ध्यान केन्द्रित करते हुए यूनिवो के विकास के अगले कदम का नेतृत्व करेंगे, और तेजी से बदलते ऑनलाइन उच्च शिक्षा इकोसिस्टम में कंपनी की स्थिति को और मजबूत बनाने पर ध्यान देंगे।

अपने नए कार्यभार के बारे में टिप्पणी करते हुए, यूनिवो एजुकेशन के सीईओ, नितिन गोलानी ने कहा, उच्च शिक्षा प्रौद्योगिकी, सुलभता और युवाओं की बदलती अपेक्षाओं के अनुरूप बदलाव के एक महत्वपूर्ण दौर से गुजर रही है। यूनिवो ने अपने शिक्षार्थी- सर्वप्रथम' दृष्टिकोण, विश्वविद्यालयों के साथ गहरी साझेदारियों और बड़े पैमाने पर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने की प्रतिबद्धता से उच्च शिक्षा की एक मजबूत नींव तैयार की है। मैं अपनी टीम के साथ मिलकर काम करने के लिए उत्साहित हूँ, ताकि हम अपनी पेशकशों को और शक्तिशाली बना सकें, उच्च-गुणवत्ता वाली शिक्षा तक पहुंच को बढ़ा सकें और शिक्षार्थियों तथा संस्थानों के लिए भविष्य के अनुकूल अनुभव हासिल कर सकें। नितिन के पास रणनीतिक नेतृत्व, परिचालन विशेषज्ञता और शिक्षा तथा डिजिटल व्यवसायों का अपार शक्तिशाली अनुभव है। संगठनों को बड़े पैमाने पर विकसित करने और उपभोक्ता-केंद्रित व्यवसाय बनाने का उनका पिछ्ला रिकॉर्ड उन्हें यूनिवो के विकास और नवाचार के अगले चरण का नेतृत्व करने के पैमाने पर पूरी तरह योग्य अनुभव करता है। अधिक के वैश्विक अनुभव रखने वाले, नितिन गोलानी यूनिवो में एक ऐसे महत्वपूर्ण मोड़ पर शामिल हो रहे हैं जब कंपनी विभिन्न पृष्ठभूमि के शिक्षार्थियों के लिए उद्योग के लिए बेहतर और परिणाम हासिल करने वाली उच्च शिक्षा तक पहुंच को लगातार बढ़ा रही है।

अपने पूरे करियर के दौरान, उन्होंने आकाश एजुकेशनल सर्विसेस लिमिटेड, ओयो, ओला इलेक्ट्रिक, एसेंचर स्ट्रेटजी और मेटलाइफ़ जैसे कंपनियों में अग्रणी पदों पर कार्य किया है। उनके पास गतिशील व्यावसायिक वातावरण में व्यावसायिक बदलाव, डिजिटल विकास, बाजार के विस्तार और बड़े पैमाने पर उपभोक्ताओं पर केंद्रित परिचालन का व्यापक अनुभव है। यूनिवो के साथ जुडने से पहले, नितिन ने शिक्षा और प्रौद्योगिकी से जुड़े व्यवसायों में नेतृत्व देने वाली भूमिकाएँ निभाईं, जिसमें डिजिटल प्लेटफॉर्म्स को बड़े पैमाने पर विकसित करने, व्यावसायिक परिचलनों को मजबूत करने और कई बाजारों में विकास की नई पहलों को आगे बढ़ाने में अहम योगदान दिया।

मप्र शहडोल के 'मिनी ब्राजील' में फीफा का उत्साह

● खिलाड़ी चाहते हैं ब्राजील बने विश्व विजेता ● भारत को फीफा तक पहुंचाने का संकल्प लिया

भोपाल/शहडोल (एजेंसी)। फीफा विश्व कप 2026 की शुरुआत 11 जून से हो गई है, जिसे लेकर दुनिया भर के फुटबॉल प्रेमियों में जबरदस्त उत्साह है। अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको की संयुक्त मेजबानी में होने वाले इस महाकुंभ पर करोड़ों निगाहें टिकी हैं। इस वैश्विक रोमांच के बीच मध्य प्रदेश के शहडोल जिले का 'मिनी ब्राजील' गांव विचारपुर भी फुटबॉल के रंग में रंग चुका है। विश्व कप शुरू होने से पहले ही विचारपुर के मैदानों में रौनक बढ़ गई है। गांव के बच्चे और युवा खिलाड़ी अपने पसंदीदा खिलाड़ियों और टीमों पर चर्चा करते नजर आ रहे हैं। यहां के अधिकांश खिलाड़ी ब्राजील का समर्थन करते हैं और उन्हें ही फीफा का विश्व विजेता देखना चाहते हैं। वहीं टीम इंडिया का फीफा तक नहीं पहुंच पाना भी उनके लिए निराशा का विषय है। मिनी ब्राजील के मैदान में फुटबॉल खेल रहे बच्चों का कहना है कि हम आने वाले समय में टीम इंडिया को फीफा तक पहुंचाएंगे। मैदान में खेल रहे कुछ युवा अर्जेंटीना और लियोनेल मेसी के प्रशंसक भी हैं। लेकिन इस उत्साह के बीच एक सवाल भी बार-बार उठता है जब दुनिया फुटबॉल के सबसे बड़े मंच पर उतर रही है, तब भारत अब तक वहां क्यों नहीं पहुंच पाया?

क्यों कहा जाता है विचारपुर को मिनी ब्राजील? – शहडोल मुख्यालय से करीब पांच किलोमीटर दूर स्थित विचारपुर गांव में फुटबॉल केवल खेल नहीं बल्कि जीवनशैली का हिस्सा है। गांव के अधिकांश घरों में कोई न कोई खिलाड़ी फुटबॉल से जुड़ा हुआ है। यहां बच्चे चलना सीखने के साथ फुटबॉल को भी अपनाने लगते हैं।

वर्षों पहले गांव के युवाओं ने फुटबॉल को अपनी पहचान बनाया। धीरे-धीरे यहां से कई खिलाड़ी जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचे। महिला खिलाड़ियों ने भी उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल कीं। गांव में फुटबॉल के प्रति इसी जुनून ने इसे मिनी ब्राजील की पहचान दिलाई।

पीएम मोदी ने दिलाई राष्ट्रीय पहचान – विचारपुर को राष्ट्रीय पहचान तब मिली जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2022 में अपने रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' में गांव का उल्लेख किया था। पीएम ने गांव की फुटबॉल संस्कृति और यहां के खिलाड़ियों की सराहना की थी। इसके बाद विचारपुर अचानक राष्ट्रीय सुर्खियों में आ गया।प्रधानमंत्री के उल्लेख के बाद कई प्रशासनिक और खेल विभाग के अधिकारी गांव पहुंचे। गांव की पहचान एक फुटबॉल हब के रूप में बनी और यहां के खिलाड़ियों को राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में भाग लेने के अवसर बढ़े। देशभर के मीडिया संस्थानों ने भी गांव की कहानी को प्रमुखता से प्रकाशित किया।

अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी कुंडे बोलीं- फीफा से सीखने का अवसर

जर्मनी में आयोजित अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में भारत का प्रतिनिधित्व कर चुकी खिलाड़ी सानिया कुंडे कहती हैं कि फीफा विश्व कप उनके जैसे खिलाड़ियों के लिए सीखने का सबसे बड़ा मंच है ।सानिया कहती हैं, हम लोग सभी मैच देखेंगे । जो खिलाड़ी हमारी पोजीशन पर खेलते हैं, उन्हें देखकर नई तकनीक सीखने को मिलती है । ऐसे कई शॉट्स और मूवमेंट देखने को मिलते हैं जिन्हें सीखने के लिए बहुत उच्च स्तरीय अभ्यास की जरूरत होती है । हम सब ब्राजील को सपोर्ट करेंगे । हमारी कोशिश है कि एक दिन भारत भी फीफा वर्ल्ड कप में खेले ।

केन विलियमसन के सन्यास पर विराट कोहली का छलका दर्द

कहा- महानतम बल्लेबाज ने क्रिकेट को अलविदा कहा

नईदिल्ली (एजेंसी)। न्यूजीलैंड के दिग्गज बल्लेबाज केन विलियमसन ने शुक्रवार (12 जून) को इंटरनेशनल क्रिकेट को अलविदा कह दिया. इसके साथ ही न्यूजीलैंड क्रिकेट में तीनों प्रारूपों में एक युग का अंत हो गया।

विलियमसन इस समय इंग्लैंड में टेस्ट श्रृंखला खेल रहे हैं जिसमें न्यूजीलैंड पहला मैच 115 रन से हार गई थी. विलियमसन पहली पारी में खाता नहीं खोल सके थे और दूसरी में 18 रन पर आउट हो गए थे. ये मैच उनके करियर का आखिरी मैच बन गया। अपने 16 साल के शानदार करियर में विलियमसन ने देश के लिये कुल 378 मैच खेले. जिसमें 110 टेस्ट, 175 वनडे और 93 टी20 मैच शामिल हैं. विलियमसन ने 2025 में ही टी20 प्रारूप से संन्यास ले लिया था।

विलियमसन ने न्यूजीलैंड क्रिकेट द्वारा जारी बयान में कहा, 'मैंने इस पर काफी सोचा और पिछले कुछ दिन से लग रहा था कि यही सही समय है. अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलने के लिये मेरे भीतर हमेशा मजबूत इच्छाशक्ति और ललक रही है और मुझे इस बात में गर्व है कि न्यूजीलैंड के लिये हर मैच में मैंने अपना सब कुछ दिया है।'

न्यूजीलैंड क्रिकेट ने कहा , 'हमारे महानतम खिलाड़ियों में से एक विदा हो रहा है. केन विलियमसन ने त्वरित प्रभाव से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास का फैसला किया है।'

मजदूर का बेटा बना 'गोल्डन बॉय'

बेटे की कामयाबी देख फफक-फफक कर रोए माता-पिता

करनाल (एजेंसी)। हौंसले के तरकश में कोशिश का वो तीर जिंदा रख, हार जा चाहे जिंदगी में सब कुछ, मगर फिर से जीतने की उम्मीद जिंदा रख. इन पंक्तियों को पूरी तरह सच कर दिखाया है करनाल के सुमित ने. सुमित सीकरी गांव के निवासी हैं. गुजरात के अहमदाबाद में 4 जून से 8 जून 2026 तक 'फर्स्ट वर्ल्ड योगासन चैंपियनशिप' का आयोजन हुआ. इस प्रतियोगिता में सुमित ने अपनी अद्भुत खेल प्रतिभा के दम पर ना केवल देश का परचम लहराया, बल्कि वैश्विक पटल पर भारत और हरियाणा का नाम स्वर्णिम अक्षरों में दर्ज करा दिया।

विश्व मंच पर सुमित का स्वर्णिम प्रदर्शन?- देशभर से आए श्रेष्ठ योगासन खिलाड़ियों के बीच हुए इस कड़े और उच्च स्तरीय मुकाबले में सुमित ने भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए दो अलग-अलग इवेंट्स में दो गोल्ड मेडल जीतकर इतिहास रच दिया. सुमित ने इस विश्व चैंपियनशिप के सीनियर मेल कैटेगरी में अपनी श्रेष्ठता साबित करते हुए दो स्पर्धाओं में देश की झोली में स्वर्ण पदक डाले हैं।

लेग बैलेंस इंडिविजुअल इवेंट (सीनियर मेल कैटेगरी)- अपनी एकाग्रता और शारीरिक संतुलन का लोहा मनवाते हुए सुमित ने पहला स्वर्ण पदक प्राप्त किया।

महिला टी20 विश्व कप 2026 में

आज चिर-प्रतिद्वंद्वी भारत और पाकिस्तान का मुकाबला

बर्मिंघम (एजेंसी)। आईसीसी महिला टी20 विश्व कप 2026 में क्रिकेट प्रेमियों को शुरुआत में ही बड़ा मुकाबला देखने को मिलेगा। चिर-प्रतिद्वंद्वी भारत और पाकिस्तान रविवार, 14 जून को बर्मिंघम के एजबेस्टन मैदान पर ग्रुप-1 के मुकाबले में आमने-सामने होंगे। दोनों टीमें जीत के साथ अपने अभियान की शुरुआत करना चाहेंगी।

एजबेस्टन में दिखेगा हाई-वोल्टेज मुकाबला – भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाले मुकाबले हमेशा से रोमांच और दबाव से भरे रहे हैं। इन मैचों में आंकड़े और हालिया फॉर्म अक्सर पीछे छूट जाते हैं और खिलाड़ी मानसिक मजबूती की परीक्षा से गुजरते हैं। बर्मिंघम में बड़ी संख्या में दक्षिण एशियाई समुदाय के लोग रहते हैं, जिसके चलते एजबेस्टन में एक बार फिर शानदार माहौल देखने को मिलने की उम्मीद है। स्टेडियम में दोनों टीमों के समर्थकों की भारी मौजूदगी मुकाबले को और खास बना सकती है।

पहली ट्रॉफी की तलाश में भारत – हर्मनप्रीत कौर की कप्तानी वाली भारतीय टीम इस बार पहली बार महिला टी20 विश्व कप खिताब जीतने के लक्ष्य के साथ मैदान में उतरेगी। टीम के पास अनुभव और युवा जोश का बेहतरीन मिश्रण मौजूद है। सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना और शेफाली वर्मा भारत की सबसे बड़ी ताकत मानी जा रही हैं। दोनों बल्लेबाज शुरुआती ओवरों में तेजी से रन बनाकर मैच का रुख बदलने की क्षमता रखती हैं।

युवा जोश के साथ उतरेगा पाकिस्तान – पाकिस्तान की कप्तानी फातिमा सना के हाथों में है। उनकी टीम में कई युवा खिलाड़ी शामिल हैं जो बड़े मंच पर खुद को साबित करने के लिए बेताब हैं। हालांकि टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में भारत का रिकॉर्ड पाकिस्तान के खिलाफ बेहतर रहा है, लेकिन बड़े टूर्नामेंटों में अक्सर उलटफेर देखने को मिलते हैं। ऐसे में पाकिस्तान भी आत्मविश्वास के साथ मैदान पर उतरेगा।

भारत को माना जा रहा है प्रबल दावेदार

कागजों पर भारतीय टीम अधिक संतुलित और मजबूत नजर आती है। बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों विभागों में भारत के पास कई मैच विजेता खिलाड़ी मौजूद हैं। हालांकि पाकिस्तान को हल्के में लेना भारत के लिए बड़ी गलती साबित हो सकता है। फातिमा सना की टीम उलटफेर करने और जीत के साथ टूर्नामेंट का आगाज करने के इरादे से उतरेगी।

शाम 7 बजे से मुकाबला

भारत और पाकिस्तान के बीच महिला टी20 विश्व कप 2026 का मुकाबला 14 जून को भारतीय समयानुसार शाम 7ः00 बजे शुरू होगा। मैच का आयोजन एजबेस्टन, बर्मिंघम में किया जाएगा। इस मुकाबले का सीधा प्रसारण स्टार स्पोर्ट्स नेटवर्क पर किया जाएगा, जबकि लाइव स्ट्रीमिंग जियोहॉटस्टार पर उपलब्ध रहेगी।

एशियन गेम्स के लिए भारतीय शूटिंग टीम घोषित

● मनु भाकर और ईशा सिंह दोनों पिस्टल इवेंट्स में खेलेंगे, पिछले साल 22 मेडल जीते थे

नईदिल्ली (एजेंसी)। नेशनल राइफल एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एनआरएआई) ने 20वें एशियन गेम्स के लिए भारत की राइफल और पिस्टल टीम घोषित कर दी है। इसमें 30 खिलाड़ी शामिल हैं। शॉटगन टीम पहले ही चुनी जा चुकी है।

जापान के आईची-नागोया में होने वाले एशियन गेम्स 19 सितंबर से 4 अक्टूबर 2026 तक आयोजित होंगे। एशियाड के लिए जारी टीमें अगले महीने हांग्जो में होने वाले आईएसएसएफ वर्ल्ड कप और अक्टूबर में काहिरा (मिस्त्र) वर्ल्ड कप में भी खेलेंगी।

मनु और ईशा डबल इवेंट्स में खेलेंगी – एनआरएआई की लिस्ट के मुताबिक, पेरिस ओलिंपिक की डबल मेडलिस्ट मनु भाकर और 2022 एशियन गेम्स की स्टार ईशा सिंह 10 मीटर एयर पिस्टल और 25 मीटर पिस्टल दोनों इवेंट्स में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी। राइफल कैटेगरी में रुद्राक्ष बालासाहेब पाटिल और विदर्शा के. विनोद भी दो-दो इवेंट्स में खेलेंगे। एनआरएआई ने बताया कि टीम का चयन हाल ही में हुए नेशनल सिलेक्शन ट्रायल्स 4 के बाद नेशनल रैंकिंग और चयन नीति के आधार पर किया गया है।

फीफा वर्ल्ड कप- इंग्लैंड टीम का सामान चोरी

गाड़ी से ही फुटबॉल-जूते ले गए चोर, कैंसास पुलिस ने 2 संदिग्धों को हिरासत में लिया

फ्लोरिडा (एजेंसी)। फीफा फुटबॉल वर्ल्ड कप 2026 में इंग्लैंड फुटबॉल टीम का सामान चोरी हो गया। यह घटना शुक्रवार को हुई। टीम का सामान फ्लोरिडा में लगे प्री-टूर्नामेंट कैंप से अमेरिका के कैंसास सिटी स्थित स्वोप सॉकर विलेज ले जाया जा रहा था। रिपोर्ट्स के मुताबिक, कैंसास सिटी पहुंचने के बाद टीम के वाहन से सामान गायब मिला। ब्रिटिश मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, चोरी हुए सामान में फुटबॉल और खिलाड़ियों के बूट्स शामिल हैं। कैंसास पुलिस ने इस मामले में दो संदिग्धों को हिरासत में लिया है। मामले की जांच जारी है। स्वोप सॉकर विलेज कैंसास सिटी में स्थित एक फुटबॉल ट्रेनिंग सेंटर है। इंग्लैंड टीम ने वर्ल्ड कप 2026 के दौरान इसे अपने बेस कैंप और ट्रेनिंग वेन्यू के रूप में चुना है।

स्थानीय पुलिस ने शुरू की जांच, 2 लोग हिरासत में – कैंसास सिटी पुलिस ने घटना की पुष्टि करते हुए कहा है कि टीम के वाहन से सामान गायब होने और

संभावित चोरी के मामले की जांच की जा रही है। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, जांच अभी जारी है। इस मामले में दो संदिग्धों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है।

ग्रुप-एल में शामिल है इंग्लैंड, 18 जून को पहला मैच – वर्ल्ड कप 2026 में इंग्लैंड की टीम ग्रुप-रु में है। इस ग्रुप में इंग्लैंड के साथ क्रोएशिया, घाना और पनामा की टीमें मौजूद हैं। भारतीय समयानुसार इंग्लैंड की टीम 18 जून को क्रोएशिया के खिलाफ मैच अपने वर्ल्ड कप अभियान की शुरुआत करेगी।

9 खिलाड़ी करेंगे मेजर इंटरनेशनल टूर्नामेंट में डेब्यू – थॉमस टचल के कोचिंग में इंग्लैंड की टीम एक नए लुक में नजर आ रही है। इस 26 सदस्यीय टीम में कई नए चेहरों को जगह मिली है। टीम के 9 खिलाड़ी ऐसे हैं, जो पहली बार किसी बड़े इंटरनेशनल टूर्नामेंट में डेब्यू कर सकते हैं। इन नए खिलाड़ियों में इलियट एंडरसन और मॉर्गन रोजर्स भी शामिल हैं।

फीफा वर्ल्ड कप 2026

मेजबान अमेरिका की धमाकेदार शुरुआत, पैराग्वे को 4-1 से हराया

कैलिफोर्निया (एजेंसी)। फीफा वर्ल्ड कप 2026 के अपने पहले मुकाबले में मेजबान अमेरिका ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पैराग्वे को 4-1 से मात दी। कैलिफोर्निया में खेले गए इस मुकाबले में फ्लोरिन बालोगुन और क्रिश्चियन पुलिसिक ने अमेरिकी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई।

बालोगुन और पुलिसिक ने बिखेरा जलवा – अमेरिका की ओर से फ्लोरिन बालोगुन ने दो गोल दागे, जबकि स्टार खिलाड़ी क्रिश्चियन पुलिसिक ने पूरे मैच में पैराग्वे की रक्षापंक्ति को परेशान रखा। पुलिसिक ने कई आक्रामक मूव तैयार किए और टीम के आक्रमण की धुरी बने रहे।

सातवें मिनट में मिली बढ़त – मेजबान टीम ने मैच के सातवें मिनट में ही बढ़त हासिल कर ली। पुलिसिक ने शानदार पास देकर वेस्टन मैकेनी को मौका बनाया,

जिसके बाद पैराग्वे के खिलाड़ी डेमियन बोबाडिला से आत्मघाती गोल हो गया। इसके बाद 31वें मिनट में पुलिसिक के सटीक क्रॉस पर बालोगुन ने गोल दागकर अमेरिका की बढ़त 2-0 कर दी।

स्टॉपेज टाइम में बालोगुन ने किया कमाल – दूसरे हाफ में भी अमेरिका का दबदबा जारी रहा। मैच के 90+8वें मिनट में बालोगुन ने दो डिफेंडरों को छकाते हुए अपना दूसरा और टीम का चौथा गोल दाग दिया। इस गोल ने अमेरिका की जीत पर मुहर लगा दी।

पैराग्वे की वापसी की कोशिश नाकाम – पैराग्वे ने 73वें मिनट में मॉरिसियो मगाल्हाएस के गोल की बदौलत स्कोर 2-1 किया, लेकिन टीम इसके बाद कोई बड़ा दबाव नहीं बना सकी। अमेरिकी खिलाड़ियों ने मैच पर अपनी पकड़ बनाए रखी और विपक्षी टीम को वापसी का मौका नहीं दिया।

सिंधु ऑस्ट्रेलियन ओपन का सेमीफाइनल हारीं

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु का ऑस्ट्रेलियन ओपन 2026 में सफर समाप्त हो गया है। महिला सिंगल्स के सेमीफाइनल मुकाबले में सिंधु को जापान की वर्ल्ड नंबर-3 अकाने यामागुची के हाथों सीधे गेमों में 20-22, 12-22 से करारी हार झेलनी पड़ी। पहले गेम में कड़ी टक्कर देने के बाद सिंधु दूसरे गेम में पूरी तरह अपनी लय खो बैठीं और मुकाबला गंवा दिया। इस जीत के साथ ही टॉप सीड अकाने यामागुची ने बीडब्ल्यूएफ टूर पर लगातार अपने चौथे फाइनल में जगह बना ली है। वहीं पिछले दो साल से खराब फॉर्म और चोट से जूझने के बाद वापसी की कोशिशों में जुटीं सिंधु का इस साल का पहला खिताब जीतने का सपना एक बार फिर टूट गया।

बीडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप में के लिए भारतीय टीम का ऐलान, पीवी सिंधु करेंगी अगुवाई

अगस्त में होने वाली बीडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप 2026 में स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु 10 सदस्यीय भारतीय टीम की अगुवाई करेंगी। नई दिल्ली में 17 से 23 अगस्त तक होने वाली बीडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप 2026 के लिए ग्लोबल फेडरेशन ने क्वालिफिकेशन सूची में पूर्व चैंपियन पीवी सिंधु सहित 10 खिलाड़ियों को जगह मिली है। भारत

की ओर से पांच स्पर्धाओं में कुल 10 लोगों को जगह मिली हैं, जिनमें पुरुष डबल्स की जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी देश के सबसे ऊंची रैंकिंग वाले दावेदार के तौर पर शामिल हैं। पीवी सिंधु ने बैडमिंटन वर्ल्ड फेडरेशन के क्वालिफिकेशन नियमों के तहत मेजबान देश की प्रतिनिधि के तौर पर महिला एकल ड्रॉ में अपनी जगह पक्की की। 28 अप्रैल की वर्ल्ड बैडमिंटन रैंकिंग पर आधारित इस क्वालिफिकेशन सूची में पुरुष और महिला एकल में 64-64 खिलाड़ी और हर युगल स्पर्धाओं में 48-48 जोड़ियां शामिल हैं। वर्ल्ड बैडमिंटन चैंपियनशिप में हर कैटेगरी में भारत के दो खिलाड़ी सीधे एंट्री करेंगे।

पुरुष एकल में लक्ष्य सेन और आयुष शेट्टी ने क्वालिफाई किया है, जबकि महिला सिंगल्स में सिंधु के साथ उभरती हुई खिलाड़ी उन्नति हुड्डा शामिल हैं। भारत की सबसे अच्छी रैंकिंग वाली एंट्री पुरुष डबल्स जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की है, जिन्होंने कुल मिलाकर चौथी रैंकिंग के साथ क्वालिफाई किया। हरिहरन अमसाकरुणन और एमआर अर्जुन ने भारत के लिए पुरुष डबल्स में दूसरी जगह पक्की की।

क्वालिफाई करने वाली जोड़ियों में 30वें स्थान पर मौजूद ट्रेसा जॉली और गायत्री गोपीचंद, कविप्रिया सेल्वम और सिमरन सिंघी के साथ महिला डबल्स में भारत की चुनौती पेश करेंगी। मिश्रित युगल में ध्रुव कपिला और तनीषा क्रास्टो ने 21वें स्थान पर क्वालिफाई किया, जबकि रोहन कपूर और रुत्विका शिवानी गड्डे ने भारत के लिए दूसरी जगह हासिल की। कई भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी रिजर्व लिस्ट में भी शामिल हैं, जिनमें पुरुष एकल में वर्ल्ड चैंपियनशिप मेडलिस्ट किदांबी श्रीकांत और एचएस प्रणय, और महिला एकल में तन्वी शर्मा, अनमोल खरब, मालविका बंसोड़ और तस्नीम मीर शामिल हैं।

बीडब्ल्यूएफ ने कहा कि सभी पांच कैटेगरी में मौजूदा चैंपियन ने अपनी भागीदारी की पुष्टि कर दी है। चीन के पुरुष एकल चैंपियन शी यू की, दक्षिण कोरिया के पुरुष युगल विजेता किम वॉन हो और सियो सेउंग जे, और चीन की महिला युगल चैंपियन लियू शेंग शू और टैन निंग - ये सभी अपने-अपने इवेंट्स में टॉप-रैंक वाले खिलाड़ियों के तौर पर क्वालिफाई हुए। जापान की अकाने यामागुची, जो मौजूदा विमेंस सिंगल्स चैंपियन हैं, तीसरे नंबर पर क्वालिफाई हुईं, जबकि मलेशिया के मौजूदा मिश्रित युगल चैंपियन चेन तांग जी और तोह ई वेई चौथे नंबर पर क्वालिफाई हुए।

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के ऑन करें
www.pratahkiran.com | epaper.pratahkiran.com
@Pratahkiran | @Pratahkiran

संक्षिप्त समाचार

चंद्रपुर की सावली तहसील में 30 हाथियों का डेरा

चंद्रपुर, एजेंसी। चंद्रपुर में पिछले कुछ दिनों से सावली तहसील में हाथियों के विचरण ने वन प्रशासन की चिंता बढ़ा दी है। पता चला है कि हाथियों का झुंड सावली के हरम्बा उमरी तालाब

इलाके के घने जंगल में पहुंच गया है। चूंकि झुंड अभी जंगल में ही है, इसलिए आसपास के गांवों, खेतों और मानव बस्तियों के मद्देनजर मानव-हाथी संघर्ष की संभावना बढ़ गई है। इस बीच बताया जा रहा है कि शुक्रवार को वनविभाग ने एक उच्चस्तरीय बैठक ली, जिसमें इन हाथियों के प्रबंधन व नियंत्रण के बारे में अगली रणनीति बनाने का निर्णय हुआ। वनविभाग ड्रोन, पेट्रोल टीम और स्थानीय कर्मचारियों के जरिए हाथियों की हलचलों पर लगातार नजर रख रहा है। सावली के वनपरिक्षेत्र अधिकारी विनोद धुर्वे के मुताबिक, इतने बड़े झुंड को नियंत्रित करना और तुरंत वापस भेजना मुमकिन नहीं है। वनविभाग का मुख्य उद्देश उनकी हलचलों पर नजर रखना और लोगों को सतर्क करना है। हाथियों की बढ़ती हलचल को देखते हुए, शुक्रवार को जिलाधिकारी, मुख्य वनसंरक्षक ने ब्रह्मपुरी में ड्रोन कैमरे से हाथियों के झुंड का अवलोकन किया, ऐसी जानकारी है। वनसंरक्षक, सीईओ, एसडीओ, तहसीलदार और वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक उच्चस्तरीय बैठक में हाथियों की हलचल, लोगों की सुरक्षा के उपाय, फसल हानि, लोगों में जागरूकता और अगली कार्रवाई की योजना पर चर्चा की गई है। पिछले दो हफ्तों से सावली में हाथी लगातार घूम रहे हैं और वन प्रशासन उनकी हर हरकत पर नजर रखे हुए है। बताया जाता है कि 30 हाथियों के झुंड का सुरक्षित प्रबंधन, मानव-हाथी संघर्ष से बचना, फसल नुकसान कम करना, 3 संवेदनशील चंद्रपुर गांवों में निगरानी बढ़ाना, संबंधित इलाके में वनविभाग की पेट्रोलिंग बढ़ाना, झुंड को कुदरती तरीकों से वापस जंगल भेजने के लिए सही हालात बनाना आदि अहम मुद्दों पर चर्चा हुई परंतु वास्तव में इस दिशा में कौनसे कदम उठाए गए है? इस बारे में आधिकारिक ब्यौरा नहीं मिल सका।

पाकिस्तान को सिंधु का एक बूंद भी पानी नहीं

हैदराबाद, एजेंसी। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आतंकवाद को लेकर पाकिस्तान और उसे बढ़ावा देने वाले तत्वों पर तीखा हमला बोला है। हैदराबाद में तेलंगाना भाजपा द्वारा आयोजित एक बुद्धिजीवी सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने साफ किया कि एनडीए सरकार आतंकवाद को प्रायोजित करने वालों तक सिंधु नदी का पानी किसी भी कीमत पर नहीं पहुंचने देगी। रक्षा मंत्री ने हालिया सैन्य कार्रवाई का जिक्र करते हुए कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के जरिए भारत ने दुनिया को दिखा दिया है कि जो लोग शांति और सद्भाव की भाषा नहीं समझते उन्हें उनकी ही भाषा में कैसे जवाब दिया जाता है। राजनाथ सिंह ने ऑपरेशन सिंदूर और सैनिकों की बहादुरी पर सवाल उठाने के लिए कांग्रेस सहित अन्य विपक्षी नेताओं की कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहा कि सरकार ने पहले ही स्पष्ट कर दिया था कि यदि भारत के खिलाफ आतंकवादी हमले किए गए तो पाकिस्तान को अनाज और पानी की आपूर्ति रोक दी जाएगी। पहलगाम आतंकी हमले का हवाला देते हुए रक्षा मंत्री ने कहा, 'पहलगाम हमले के बाद सिंधु जल समझौते को निलंबित करके हमने साफ कह दिया था कि जिनके आंसू सूख चुके हैं, वे हमसे पानी की उम्मीद न करें। हम सिंधु के पानी को आतंकवादियों के आकाओं और मानवता के दुश्मनों तक नहीं पहुंचने देंगे।' भारत के पास वैक्सीन भी है और ब्रह्मोस भी रक्षा मंत्री ने कहा कि भारत आज दुनिया में एक विश्वसनीय भागीदार के रूप में उभरा है और आपदाओं के समय हमेशा दूसरे देशों की मदद के लिए आगे आया है। कोरोना महामारी के दौरान कई देशों को भारत द्वारा दी गई सहायता का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि देश को वैश्विक स्तर पर विश्व बंधु'(दुनिया का दोस्त) के रूप में देखा जाता है। हालांकि, उन्होंने दुश्मनों को सचेत करते हुए कहा, 'भारत के दुश्मनों को यह नहीं भूलना चाहिए कि देश के पास न केवल वैक्सीन है बल्कि ब्रह्मोस मिसाइल भी है।'

1971 करोड़ का मेगा प्लान, प्रदूषण और ट्रैफिक जाम से मिलेगी मुक्ति; 2722 नए कैमरे भी लगेंगे

गुरुग्राम, एजेंसी। वायु प्रदूषण और सड़क धूल पर नियंत्रण के लिए गुरुग्राम में सड़क सुधार कार्य किए जाएंगे। इसके तहत 726.54 किलोमीटर सड़क नेटवर्क के पुनर्विकास पर लगभग 1971 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे।

वर्ष 2026 के दौरान 495 किलोमीटर सड़कों के सुधार का लक्ष्य रखा गया है, जिसमें से 195 किलोमीटर से अधिक कार्य पूरा किया जा चुका है। यह जानकारी वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) की समीक्षा बैठक में नगर निगम आयुक्त प्रदीप दहिया ने दी। सड़कों पर जमा धूल को नियंत्रित करने के लिए नगर निगम द्वारा 20 मैकेनिकल रोड स्वीपिंग मशीनें संचालित की जा रही हैं। ये मशीनें प्रतिदिन 600 किलोमीटर से अधिक क्षेत्र की सफाई कर रही हैं।

वर्तमान में 404.61 किलोमीटर सड़क नेटवर्क को मैकेनिकल स्वीपिंग के दायरे में लाया जा चुका है। अतिरिक्त मशीनों की खरीद प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है। शहर में ट्रैफिक जाम कम करने के लिए वर्ष 2026 के दौरान 32 ट्रैफिक कंजेशन हाटस्पाट्स को सुधारने का लक्ष्य रखा गया है। प्रथम तिमाही में चार प्रमुख स्थानों पर डी-कंजेशन कार्य पूरा किया जा चुका है। अधिकारियों का मानना है कि इससे यातायात सुगम होगा और वाहनों से होने वाले प्रदूषण में भी कमी आएगी।गुरुग्राम में प्रतिदिन करीब 1500 टन निर्माण एवं विध्वंस (सीएंडडी) कचरा उत्पन्न हो रहा है। इसके निस्तारण के लिए 1200 टन प्रतिदिन की प्रोसेसिंग क्षमता उपलब्ध है।

जनवरी से मई 2026 तक 2.26 लाख टन सीएंडडी कचरा एकत्रित किया गया, जिसमें से 1.81 लाख टन का प्रसंस्करण किया जा चुका है। शहर में चार जियो-टैग्ड कलेक्शन प्वाइंट संचालित हैं जबकि 16 नए केंद्र विकसित किए जा रहे हैं। बंधवाड़ी लैंडफिल साइट पर वर्षों से जमा लिगेसी कचरे के निस्तारण का कार्य भी तेजी से चल रहा है। अब तक 37.74 लाख मीट्रिक टन कचरे का प्रसंस्करण किया जा चुका है। शेष 18.29 लाख मीट्रिक टन कचरे के निस्तारण का लक्ष्य मार्च 2027 तक पूरा करने का रखा गया है। इंटीग्रेटेड ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम (आइटीएमएस) के पहले चरण में 218 स्थानों पर 1200 कैमरे लगाए जा चुके हैं। दूसरे चरण में 258 स्थानों पर 2722 अतिरिक्त कैमरे लगाए जाएंगे। इससे ट्रैफिक प्रबंधन और निगरानी व्यवस्था को और मजबूत किया जाएगा।

93 टीमें कर रहीं निगरानी-खुले में कचरा जलाने और अन्य प्रदूषण फैलाने वाली गतिविधियों पर रोक लगाने के लिए नगर निगम ने 93 विशेष निगरानी एवं चालान टीमों को तैनात किया है। ये टीमें नियमित निरीक्षण कर नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई कर रही हैं। नगर निगम आयुक्त प्रदीप दहिया ने कहा कि सड़क सुधार, कचरा प्रबंधन, ट्रैफिक डी-कंजेशन और आधुनिक तकनीकों के उपयोग से शहर की वायु गुणवत्ता में लगातार सुधार लाने का प्रयास किया जा रहा है।

घर और ऑफिस के दोहरे बोझ तले दब रहीं महिलाएं, परिवार के असहयोग से बढ़ रहा तनाव और अवसाद

नोएडा, एजेंसी। आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने की दिशा में महिलाएं घर और कार्यालय दोनों मोर्चों पर लगातार संघर्ष कर रही हैं। हालांकि, परिवार का अपेक्षित

सहयोग न मिलने के कारण उन पर मानसिक दबाव बढ़ता जा रहा है। शहर के मनोचिकित्सकों और काउंसलरों का कहना है कि घर और नौकरी की दोहरी जिम्मेदारी महिलाओं को तनाव और अवसाद की ओर धकेल रही है। कई मामलों में महिलाओं के मन में आत्महत्या जैसे खतरनाक विचार भी आने लगे हैं। हर महीने करीब 15 महिलाएं काउंसलिंग के लिए पहुंच रही हैं, जिनकी प्रमुख समस्या एक जैसी होती है। उनका कहना है कि घर और कार्यालय की जिम्मेदारियों के बीच संतुलन बनाना बेहद कठिन हो गया है। परिवार के सदस्य घरेलू कार्यों में सहयोग नहीं करते, जिससे उनका शारीरिक और मानसिक बोझ लगातार बढ़ता जा रहा है। हर साल कई महिलाएं घर से परेशान होकर आत्महत्या कर लेती हैं, इसे रोकने की आवश्यकता है। नोएडा निवासी एक महिला ने अपनी मानसिक स्थिति बिगड़ने के कारण काउंसलिंग के पास समस्या का समाधान लेने पहुंची। उन्होंने काउंसलर को बताया कि वह पेशे से शिक्षिका हैं।

बेरोजगार होने पर भी पुरुष को देना होगा बच्चों का भरण-पोषण, बॉम्बे हाई कोर्ट का बड़ा आदेश

मुंबई, एजेंसी। बॉम्बे हाई कोर्ट ने एक पिता को अपने बेटे और बेटी को हर महीने गुजारा-भत्ता देने का आदेश देते हुए कहा है कि कोई व्यक्ति सिर्फ बेरोजगार होने का हवाला देकर अपने बच्चों के प्रति अपनी कानूनी जिम्मेदारी से बच नहीं सकता। बॉम्बे हाई कोर्ट की नागपुर बेंच एक ऐसे व्यक्ति की याचिका पर सुनवाई कर रही थी जिसने निचली अदालत के उस आदेश को चुनौती दी थी जिसमें उसे अपने बच्चों को गुजारा-भत्ता देने के लिए कहा गया था। अमरावती के बुलढाणा के

रहने वाले इस व्यक्ति को हर महीने कुल 8,000 रुपये का गुजारा-भत्ता देने के लिए कहा गया, जिसमें से 4,000 रुपये उसके बेटे को और 4,000 रुपये उसकी बेटी को देने थे। उन्होंने इस आदेश को चुनौती देते हुए हाई कोर्ट का रुख किया और तर्क दिया कि वे अभी बेरोजगार हैं और अपने बच्चों को आर्थिक सहायता देने में असमर्थ हैं। उसने दावा किया कि उसने अपना ऑटो-रिक्शा भी बेच दिया था, जो उसकी कमाई का एकमात्र जरिया था। हालांकि, हाई कोर्ट ने कहा कि वह अपनी जिम्मेदारी से बच नहीं सकते। पीठ ने कहा कि बच्चों का पालन-पोषण और भरण-पोषण करना पिता की कानूनी और व्यक्तिगत जिम्मेदारी है। अदालत ने कहा कि उसके 10 और 7 साल के बच्चों की परवरिश और भविष्य को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। अदालत ने कहा कि बेरोजगारी या कम आय बच्चों के प्रति जिम्मेदारी से बचने का कोई जायज आधार नहीं हो सकता।

प्रणीत मोरे के शो में दिए बयान को लेकर घिरी एमबीबीएस छात्रा, केईएम अस्पताल ने जांच के लिए बनाई कमेटी

मुंबई, एजेंसी। कॉमेडियन प्रणीत मोरे के शो में मुंबई के किंग एडवर्ड मेमोरियल (केईएम) अस्पताल की एमबीबीएस तृतीय वर्ष की छात्रा सेजल पवार द्वारा दिए गए एक बयान ने इंटरनेट मीडिया पर हलचल मचा दी है।

मामला इतना बढ़ गया कि अस्पताल प्रशासन को तत्काल जांच के आदेश देने पड़े और पूरे प्रकरण की जांच के लिए एक विशेष समिति गठित की गई है।

यह विवाद प्रणीत मोरे के एक लाइव शो से शुरू हुआ। शो में दर्शकों के बीच बैठीं सेजल पवार से प्रणीत ने मेडिकल कालेज की पढ़ाई और एनोटामी से जुड़ी बातों पर चर्चा की।

इसी दौरान सेजल पवार ने ऐसी टिप्पणी कर दी, जिसे लेकर विवाद खड़ा हो गया। आरोप है कि उन्होंने मेडिकल शिक्षा के दौरान उपयोग किए जाने वाले दान किए गए शवों के अंगों को लेकर मजाक किया।

प्रसारित वीडियो में सेजल पवार को यह कहते हुए सुना जा सकता है कि वे और उनके कुछ साथी मेडिकल रिसर्च और डिसेक्शन के लिए दान किए गए पुरुषों के शवों के प्राइवेट पार्ट्स को देखते और उनका मजाक उड़ाते थे।

वीडियो प्रसारित होने के बाद मामला तेजी से फैल गया और केईएम अस्पताल प्रशासन ने तुरंत संज्ञान लिया। अस्पताल के डीन हरीश पाठक ने कहा कि सेजल पवार के स्टैंड अप शो के दौरान दिए गए बयान के विवाद पर उचित कार्रवाई की जा रही है।

हमने दो सदस्य वाली स्पेशल कमेटी बनाई है, जिसमें अंडरग्रेजुएट हॉस्टल की वार्डन और बायोकेमिस्ट्री विभाग की प्रमुख डॉ. अनीता चालक और मेडिसिन विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर और इंटरनेट मीडिया मैनेजमेंट से जुड़ी डॉ. श्रद्धा मोरे को शामिल किया गया है। यह कमेटी वीडियो की समीक्षा करेगी।

राजस्थान में सुरक्षा एजेंसियों का बड़ा एक्शन: जैसलमेर बॉर्डर इलाके से संदिग्ध जासूस दबोचा, जांच तेज

जयपुर, एजेंसी। भारत-पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा से सटे राजस्थान के जैसलमेर जिले में सुरक्षा एजेंसियों ने एक संदिग्ध जासूस को पकड़ा है। सूत्रों के अनुसार, आरोपित के मोबाइल की जांच से यह साफ हुआ है कि पाकिस्तान के लोगों से नियमित संपर्क में था व सुरक्षा से जुड़ी जानकारी सीमा पार साझा कर रहा था। हालांकि, सुरक्षा एजेंसियों ने आरोपित की गिरफ्तारी को लेकर अधिकारिक जानकारी सार्वजनिक नहीं की है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, गुप्त सूचना के आधार पर सुरक्षा एजेंसियां पिछले कई दिनों से उस पर निगरानी रख रही थी।

जलवायु संकट: तेजी से बढ़ता तापमान 2030 तक तोड़ देगा 1.5 डिग्री की सीमा, रिकॉर्ड स्तर पर पहुंची धरती की गर्मी

लंदन/जिनेवा, एजेंसी। जलवायु परिवर्तन के कारण पृथ्वी पहले से कहीं अधिक तेजी से गर्म हो रही है। यदि ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन मौजूदा गति से जारी रहा तो 2030 तक 1.5 डिग्री सेल्सियस की महत्वपूर्ण सीमा पार कर सकता है। इसका गंभीर असर समुद्रों, कृषि, खाद्य सुरक्षा, जैव विविधता, अर्थव्यवस्था और मानव स्वास्थ्य तक दिखाई देगा।? अर्थ सिस्टम साइंस डेटा में प्रकाशित अध्ययन के अनुसार, 2025 में पृथ्वी का

औसत तापमान औद्योगिक युग से पहले के स्तर की तुलना में लगभग 1.39 डिग्री अधिक दर्ज किया गया। विशेषज्ञों का कहना है कि इस अतिरिक्त गर्मी का पूरा हिस्सा मानवजनित गतिविधियों से पैदा हुआ है। जीवाश्म ईंधन का व्यापक उपयोग, उद्योगों से निकलने वाला कार्बन प्रदूषण और बड़े पैमाने पर वनों की कटाई इसके प्रमुख कारण हैं। वैज्ञानिकों के अनुसार पिछले कुछ वर्षों में तापमान वृद्धि की रफ्तार पहले के दशकों की तुलना में और तेज हुई है। यही वजह है कि अब 1.5 डिग्री की सीमा पार होने की आशंका पहले से अधिक वास्तविक दिखाई दे रही है। 2015 में हुए पेरिस जलवायु समझौते में दुनिया के देशों ने यह लक्ष्य तय किया था कि वैश्विक तापमान वृद्धि को 2 डिग्री सेल्सियस से काफी नीचे रखा जाए और संभव हो तो इसे 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित रखा जाए। वैज्ञानिकों का मानना है कि इस सीमा के भीतर रहने से जलवायु परिवर्तन के सबसे विनाशकारी प्रभावों को काफी हद तक रोका जा सकता है। समुद्र का तेजी से बढ़ता स्तर तटीय क्षेत्रों के लिए बन रहा खतरा अध्ययन के अनुसार, 1901 के बाद से वैश्विक समुद्र स्तर लगभग 23 सेंटीमीटर बढ़ चुका है।

ऊंची इमारत की खिड़की से गिरी 3 साल की बच्ची; भारतीय युवक ने गेंद की तरह लपक बचाई जान

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन की राजधानी लंदन में एक भारतीय मूल के युवक ने अपनी बहादुरी, फुर्ती और सूझबूझ से तीन साल की एक बच्ची की जान बचाकर सबका दिल जीत लिया। बच्ची एक ऊंची खिड़की की मुंडेर से लटक गई थी और करीब नौ मिनट तक मौत के साये में झूलती रही। आखिरकार जब उसके हाथ छूट गए, तो नीचे खड़े भारतीय युवक ने उसे क्रिकेटर की तरह लपककर सुरक्षित बचा लिया। यह घटना मंगलवार दोपहर पूर्वी लंदन के इलफोर्ड हाई रोड स्थित एक इमारत में हुई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार बच्ची ऊपरी मंजिल की खिड़की से बाहर निकल गई और मुंडेर पकड़कर लटक गई। नीचे मौजूद लोग भय और चिंता में उसकी ओर देख रहे थे, क्योंकि किसी भी क्षण वह नीचे गिर सकती थी।

घटना को देखकर भारतीय मूल के निवासी मोहम्मद जेसिल और एक पुलिस अधिकारी तुरंत मौके पर पहुंचे। पांच महीने के जुड़वां बच्चों

के पिता जेसिल ने बताया कि बच्ची को खतरे में देखकर उन्होंने बिना एक पल गंवाए उसकी मदद करने का फैसला किया। उन्होंने कहा कि एक पिता होने के नाते उनका पहला विचार यही था कि किसी भी तरह बच्ची को बचाना है। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में देखा जा सकता है कि बच्ची धीरे-धीरे अपनी पकड़ खो रही थी। इसी दौरान एक राहगीर सीढ़ी लेकर पहुंचा ताकि मदद की जा सके।लेकिन इससे पहले कि बच्ची को पूरी तरह सुरक्षित किया जाता, उसका हाथ फिसल गया और वह नीचे गिरने लगी। उसी क्षण जेसिल ने अद्भुत फुर्ती दिखाते हुए उसे हवा में ही पकड़ लिया। जेसिल ने बाद में बताया कि भारत में क्रिकेट खेलने के अनुभव ने उस कठिन पल में उनका ध्यान केंद्रित रखने और सही समय पर प्रतिक्रिया देने में मदद की। उन्होंने कहा, शायद क्रिकेट खेलने की आदत ने मुझे सही समय पर सही कैच पकड़ने में मदद की।बच्ची को पकड़ने के दौरान मौके पर मौजूद पुलिस अधिकारी ने भी जेसिल को संभाला और दोनों को गिरने से बचाया। जैसे ही बच्ची सुरक्षित हुई, वहां मौजूद लोगों ने राहत की सांस ली और तालियों की गड़गड़ाहट से दोनों का स्वागत किया। सबसे राहत की बात यह रही कि इस पूरी घटना में बच्ची को कोई चोट नहीं आई।

ईरान ने समझौते में रखीं शर्तें?: लेबनान संघर्ष से होर्मुज में सेवा शुल्क तक, अराघची ने सब गिना दिया

तेहरान, एजेंसी। पश्चिम एशिया संघर्ष का कूटनीतिक हल खोजने की कोशिशें कामयाब होती नजर आ रही हैं। अमेरिका और ईरान की ओर से शांति समझौते को लेकर सकारात्मक प्रतिक्रियाएं सामने आई हैं। इस बीच ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा है कि अमेरिका और ईरान के बीच प्रस्तावित समझौते में तेहरान के परमाणु कार्यक्रम, प्रतिबंधों में राहत और होर्मुज जलडमरूमध्य की स्थिति समेत कई महत्वपूर्ण मुद्दों को शामिल किया जाएगा।

ईरान की सरकारी मीडिया इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान ब्रॉडकास्टिंग (आईआरआईबी) के अनुसार अब्बास अराघची ने कहा कि यह समझौता दो चरणों में होगा। उन्होंने बताया कि पहले चरण में परमाणु मुद्दे पर चर्चा नहीं हुई और इसे दूसरे चरण के लिए टाल दिया गया है। अब्बास अराघची ने किन शर्तों को बताया अहम? ईरानी विदेश मंत्री ने कहा कि अगर समझौते में शामिल प्रावधानों का पालन नहीं किया गया तो अंतिम समझौते पर हस्ताक्षर नहीं किए जाएंगे। अराघची ने कहा, 'समझौते में सबसे पहले अमेरिकी नौसैनिक नाकाबंदी हटाने का जिक्र किया गया है।' उन्होंने कहा, 'अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले जहाजों से टोल वसूलना संभव नहीं है, लेकिन सेवा शुल्क लिया जाएगा। ईरान को मुआवजा देने की योजना भी इसमें शामिल है।' विदेश मंत्री ने कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य अब भी ईरान और ओमान की संप्रभुता के तहत है। उन्होंने कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य का भविष्य अतीत जैसा नहीं होगा। उन्होंने संकेत दिया कि इसके प्रबंधन को लेकर ईरान और ओमान जल्द ही एक संयुक्त बयान जारी करेंगे। परमाणु कार्यक्रम के मुद्दे पर उन्होंने कहा, 'इस चरण में हमने परमाणु मुद्दों पर चर्चा नहीं की। हालांकि, संवर्धित परमाणु सामग्री को लेकर हमारी स्थिति स्पष्ट है कि अगर इसे कम करने की प्रक्रिया होगी तो वह ईरान के भीतर ही होगी, किसी अन्य देश में नहीं। हम ऐसे लोगों के साथ बातचीत कर रहे हैं जो पूरी तरह समझौते के प्रति प्रतिबद्ध नहीं हैं।

भारतीय नाविकों की मौत को लेकर अमेरिका पर लगाए गंभीर आरोप

लेबनान में संघर्ष खत्म करना भी समझौते में शामिल

अराघची ने कहा, 'प्रारंभिक समझौते का मसौदा दो पृष्ठों का है। इसके अनुसार ईरान की कोई भी जब्त की हुई संपत्ति फ्रीज नहीं रह सकती।' उन्होंने कहा कि इस समझौते में वॉशिंगटन और तेहरान के बीच तनाव के अन्य प्रमुख मुद्दों को भी शामिल किया जाएगा। इनमें अमेरिका की ओर से यह लिखित आश्वासन भी होगा कि वह ईरान की संप्रभुता का सम्मान करता है। अराघची ने कहा, 'हम लेबनान में हिज्बुल्ला को कभी अकेला नहीं छोड़ेंगे और लेबनान में युद्ध का अंत सभी मोर्चों पर होगा।' यह बयान ऐसे समय आया है जब अराघची ने हाल ही में कहा था कि 'इस्लामाबाद समझौता पहले से कहीं अधिक अंतिम रूप के करीब है', जिससे संकेत मिलता है कि समझौते को जल्द अंतिम रूप दिया जा सकता है।

समझौते की शर्तें पूरी करने के लिए अमेरिका को मिलेंगे 60 दिन

ईरान के विदेश मंत्री ने कहा कि प्रारंभिक समझौते पर हस्ताक्षर होने के बाद अमेरिका को अपनी प्रतिबद्धताओं को पूरा करने के लिए 60 दिन का समय दिया जाएगा। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर वादे पूरे नहीं किए गए तो स्थिति फिर पहले जैसी हो सकती है। अराघची ने कहा, 'प्रारंभिक समझौते पर हस्ताक्षर के बाद हम अमेरिका को अपनी जिम्मेदारियां पूरी करने के लिए 60 दिन का समय देंगे। इस दौरान हम किसी नई समझ तक पहुंच सकते हैं या युद्धविराम की अवधि बढ़ाई जा सकती है। यह भी संभव है कि 60 दिन बाद हम फिर पुरानी स्थिति में लौट जाएं। ईरान की सुप्रीम नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल (एसएनएससी) के भीतर इस मसौदे के समर्थक और विरोधी दोनों हैं, लेकिन अंतिम फैसला सामूहिक रूप से लिया जाएगा। फिलहाल हमें इंतजार करना होगा। अगर मंजूरी मिलती है तो समझौते पर दूरस्थ रूप से हस्ताक्षर किए जाएंगे। उन्होंने कहा, 'वादा तोड़ना अमेरिकी नेताओं की प्रकृति में है। हमें समझौते को लागू करने में बड़ी बाधाओं की उम्मीद रखनी चाहिए।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक देवन प्रसाद द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-24, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं - बी-126, मायापुरी इंडस्ट्रीयल एरिया, फेस-1, नई दिल्ली-110064 से प्रकाशित। सह संपादकः संपादक देवन प्रसाद मो. 9212228045, 8130691216, (नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा दिल्ली उच्च न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. DELHIN/2010/32488, Email: news@pratahkiran.com, 9971557129 रंजीत राय फोन नं-011-45795464,